संविधान ने सुनिश्चित किया है कि भारत मजबूत और एकजुट रहे
- 12

भारत के स्वदेशी एआई मॉडल के लिए वित्तीय डेटा उपलब्ध कराएगा आईसीएआई
- 12

गाजा युद्ध : मिस्र में हो रही शांति वार्ता में भाग लेने को भारत को भी निमंत्रण
- 13

कुलदीप अब शीर्ष बाएं हाथ के कलाई के स्पिनरों के क्लब में शामिल
- 14

आज का मौसम

28.0° अधिकतम तापमान

17.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.12

सूर्यास्त 05.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष सप्तमी 12:24 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 13 अक्टूबर 2025, वर्ष 5, अंक 233, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बीएसएफ की वायु शाखा की पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर बनीं भावना

नई दिल्ली, एजेंसी

- 50 साल से अधिक पुराना इतिहास बदला, बीएसएफ डीजी ने फ्लाइंग बैज प्रदान किए

बीएसएफ की वायु शाखा को अपने 50 साल से अधिक के इतिहास में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर मिली है। वायु शाखा में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर की नियुक्ति आंतरिक प्रशिक्षण पूरा होने के बाद हुई है।

इंस्पेक्टर भावना चौधरी व चार पुरुष अधीनस्थ अधिकारियों को हाल में बीएसएफ डीजी दलजीत चौधरी ने फ्लाइंग बैज प्रदान किए। सीमा सुरक्षा बल को 1969 से गृह मंत्रालय की विमानन इकाई का संचालन करने का दायित्व सौंपा गया है और यह सभी अर्द्धसैनिक बलों व एनएसजी व एनडीआरएफ जैसे विशेष बलों की अभियानगत आवश्यकता को पूरा करता है। अधिकारियों ने बताया कि पांच अधीनस्थ अधिकारियों को बीएसएफ वायु शाखा के प्रशिक्षकों द्वारा शुरू से ही प्रशिक्षित किया गया था और उन्होंने हाल में अपना दो महीने का प्रशिक्षण पूरा किया है। 130 घंटे तक प्रशिक्षण में उन्हें काम का वास्तविक अनुभव भी मिला क्योंकि बीएसएफ वायु शाखा की विभिन्न इकाइयों ने पंजाब व अन्य राज्यों में हाल में आई बाढ़ के दौरान भी परिचालन उड़ानें भरीं।

स्मृति मंधाना ने बनाए एक साथ दो विश्व रिकॉर्ड

1000 रन एक कैलेंडर वर्ष में पूरा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं | **5000** सबसे तेज रन बनाने वाली युवा बल्लेबाज बनीं भारतीय उपकप्तान

पारी के आधार पर कोहली धवन से ऊपर निकलीं

- 112 पारियां - स्मृति मंधाना
- 114 पारियां - विराट कोहली
- 118 पारियां - शिखर धवन
- 126 पारियां - सौरव गांगुली

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वर्ल्ड कप मैच में एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह एक कैलेंडर वर्ष में 1000 वनडे रन बनाने वाली क्रिकेट इतिहास की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। साथ ही वनडे क्रिकेट में सबसे युवा और सबसे तेज पांच हजार रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं।

मिताली राज के बाद 5000 रन की यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनियां की पांचवीं और दूसरी भारतीय बल्लेबाज बनीं। मंधाना ने 112 पारियों और 5,569 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की जिससे उन्होंने महिला क्रिकेट की स्टेफनी टेलर की 129 पारियों और सूजी बेट्स की 6,182 गेंदों की संख्या को पीछे छोड़ दिया। रविवार को मंधाना ने 66 गेंद में 80 रन (नौ चौके और तीन छक्के) बनाकर फॉर्म में वापसी की और प्रतिका रावल के साथ 155 रन की साझेदारी की जो इस प्रतियोगिता में सलामी बल्लेबाजों के बीच पहली शतकीय साझेदारी भी थी। इस मैच से पहले मंधाना के 17 मैच में 982 रन थे। उन्होंने आठवें ओवर में 1,000 रन का आंकड़ा छुआ। सबसे कम पारियों में 5000 रन बनाने में उन्होंने कोहली और धवन को भी पीछे छोड़ दिया।

ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा

मंधाना ने महिला वनडे में ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क (1997 में 970 रन) का एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत सकारात्मक तरीके से की और किम गार्थ के पहले ओवर की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर खाता खोला। लेकिन मोलिनू के ओवर में मंधाना ने पहली गेंद को मिड-ऑन के ऊपर से चौका जड़ा, अगली गेंद को डिफेंड किया, फिर तीसरी गेंद पर लांग-ऑन के ऊपर से छक्का जड़ा और स्क्वायर लेग के ऊपर से एक और चौका लगाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

ब्रीफ न्यूज

धोखाधड़ी में जिला पंचायत अध्यक्ष समेत सात नामजद

हल्द्वानी। नैनीताल जिले में 7.6 एकड़ बेशकीमती जमीन का स्वरूप बदलकर उसकी खरीद-फरोख्त के आरोपों ने राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। हल्द्वानी निवासी रविशंकर जोशी की शिकायत पर आईजी कुमाऊं के निर्देश पर थाना काठगोदाम पर जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल और पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल के बेटे हरेंद्र सिंह कुंजवाल समेत सात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह जमीन सरकारी बतायी गयी है। (विस्तृत पेज-3)

दिल्ली में मंदिर से 40 लाख रुपये मूल्य का सोने का कलश चोरी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में एक जैन मंदिर के शिखर से लगभग 40 लाख रुपये मूल्य का सोने की परत चढ़ा कलश कथित तौर पर चोरी हो गया है। पुलिस ने बताया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना रिकॉर्ड हो गई और चोरी के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। एक वीडियो क्लिप में एक व्यक्ति को कथित तौर पर सोने की परत वाले कलश को चोरी करने के बाद मंदिर परिसर के एक खंभे से नीचे उतरते हुए देखा जा सकता है, जबकि एक अन्य वीडियो में उसे अंधेरे में कलश ले जाते हुए दिखाया गया है।

कांग्रेस ने वोट बैंक के चक्कर में लागू नहीं किया यूसीसी: सीएम

कहा-विश्व के प्रमुख मुस्लिम देशों सहित सभ्य देशों में पहले से ही यूसीसी लागू

- पंतनगर विवि में संवाद कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री धामी

संवाददाता, पंतनगर

पंतनगर विश्वविद्यालय में नवीन दलहनी प्रजातियों का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को पंतनगर विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने पंतनगर विवि द्वारा उत्पादित नवीन दलहनी प्रजातियों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर किसानों की प्रगति पर चर्चा करने के साथ-साथ प्रदेश में नकल विरोधी कानून और समान नागरिक संहिता पर आयोजित संवाद कार्यक्रम को सीएम ने संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू कर सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून और अधिकार स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है।

हमने अनुभव किया कि समाज में कुछ समुदायों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण भेदभाव, असमानता और अन्याय की स्थिति बनी हुई है। यूसीसी का उद्देश्य इन्हीं भेदभावों को समाप्त कर राज्य के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित करना है। यूसीसी के लागू होने से जहां राज्य के सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले हैं तो महिला सशक्तिकरण को भी बल मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि यूसीसी किसी धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज की कुप्रथाओं को मिटाकर सभी नागरिकों के बीच समानता से समरसता स्थापित करने का एक संवैधानिक उपाय है। उन्होंने कांग्रेस का नाम न लेते हुए कहा कि, ये देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्रता के पश्चात कई दशकों तक देश में एक ऐसी पार्टी का शासन रहा जिसने अपने वोट बैंक के चक्कर में यूसीसी को लागू नहीं होने दिया जबकि विश्व के प्रमुख मुस्लिम देशों सहित दुनिया के सभी सभ्य देशों में पहले से ही यूसीसी लागू है। कहा कि हम भली-भांति जानते थे कि भारत में सर्वप्रथम यूसीसी लागू करने का मार्ग सरल नहीं होगा परंतु जब नीयत साफ हो और जनभावना साथ हो, तो कोई भी बदलाव असंभव नहीं रहता। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार देवभूमि उत्तराखंड के सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के प्रति भी पूर्णरूप से संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है।

राजग दलों में सहमति के बाद सीटों का एलान

बिहार में भाजपा और जदयू 101-101 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सीटों का एलान आधिकारिक रूप से रविवार शाम को कर दिया गया। राजग दलों के बीच हुए समझौते के तहत भाजपा 101, जनता दल (यूनाईटेड) जेडीयू- 101 लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) एलजेपी (आर) - 29, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा (आरएलमो) - 06 और हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा (हम) - 06 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरेंगी। यह जानकारी बिहार चुनाव के भाजपा प्रभारी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर एक पोस्ट में दी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने भी सीट बंटवारे की जानकारी एक्स पर दी थी। धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, हम राजग के साथियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूर्ण किया। राजग के सभी दलों के कार्यकर्ता और नेता इस सीट बंटवारे हर्षपूर्वक स्वागत करते हैं। प्रधान ने अपने पोस्ट में लिखा बिहार

नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में राजग की बैठक में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी व अन्य नेता।

- लोजपा (रामविलास) – 29, रालोमो – 06, हम – 06 सीट पर लड़ेंगे चुनाव

है तैयार, फिर से राजग सरकार। गौरतलब है कि बिहार सीट बंटवारे को लेकर राजग के सभी दलों के बीच पिछले कई दिनों में कई दौर की बैठक दिल्ली और बिहार में हुई थी। लेकिन रविवार शाम को राजग दलों में आपसी सहमति के बाद सीटों की सूची जारी कर दी गई। इससे पहले भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार शाम में राष्ट्रीय चुनाव समिति एवं संसदीय बोर्ड की बैठक बुलाई थी। वहीं, लोजपा ने एक्स हैंडल लोजपा(आर) से सीट बंटवारे की आधिकारिक जानकारी देते हुए लिखा कि राजग है तैयार, जीतने को बिहार।

वहीं रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने अपने एक्स हैंडल सीट बंटवारे को शेयर करते हुए लिखा कि राजग साथियों ने मिल-बैठकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूरा किया। हम पार्टी के प्रमुख जीतनराम मांझी ने सीट बंटवारे की आधिकारिक घोषणा से पहले ही एक्स पर एक पोस्ट में यह साफ कर दिया था कि वह राजग सहयोगी के तौर पर चुनाव में उतरने जा रहे हैं।

दीवाली से पहले ट्रांसफर धमाका, 44 अफसर बदले

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- इनमें 23 आईएएस व 18 पीसीएस, ललित मोहन रयाल बने डीएम नैनीताल
- हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह डीएम अल्मोड़ा बनाए गए

अमृत विचार: शासन ने दीवाली से एक सप्ताह पहले ही ट्रांसफर धमाका कर दिया। रविवार को जारी ट्रांसफर लिस्ट में 23 आईएएस, 18 पीसीएस और सचिवालय सेवा के तीन अधिकारियों सहित 44 अफसरों को इधर से उधर कर दिया गया। त्योहार से ऐन वक्त पहले की गई इस ट्रांसफर-पोस्टिंग में कुमाऊं के नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और बागेश्वर के अलावा गढ़वाल के चमोली जिलाधिकारी को बदल दिया गया जबकि वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों में से किसी से अतिरिक्त प्रभार वापस लिया गया तो किसी को सौंपा गया है।

जिलाधिकारियों की सूची में अपर सचिव कार्मिक एवं सतर्कता (मुख्यमंत्री) व मुख्य सचिव के स्टाफ ऑफिसर ललित मोहन रयाल अब डीएम नैनीताल होंगे। उनके पास उपाध्यक्ष डीडीए का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। डीएम नैनीताल वंदना को डीजी कृषि एवं उद्यान विभाग और अपर सचिव नियोजन विभाग बनाया गया है। जिलाधिकारी अल्मोड़ा आलोक कुमार पांडे मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीएमजीएसवाई, अपर सचिव आईटी का पदभार संभालेंगे, जबकि हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह जिलाधिकारी अल्मोड़ा बनाए गए हैं।

जिलाधिकारी पिथौरागढ़ विनोद गिरी गोस्वामी अब अपर सचिव शहरी विकास और निदेशक शहरी विकास निदेशालय देहरादून होंगे जबकि जिलाधिकारी बागेश्वर आशीष कुमार भटगाई जिलाधिकारी पिथौरागढ़ होंगे। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार आकांक्षा कोंडे को जिलाधिकारी बागेश्वर बनाया गया है। अपर सचिव गौरव कुमार जिलाधिकारी चमोली होंगे जबकि जिलाधिकारी चमोली डॉ. संदीप तिवारी निदेशक, समाज कल्याण हल्द्वानी बनाए गए हैं। (संबंधित पेज-2)

अफगानिस्तान ने 58 पाकिस्तानी जवान मार गिराए

इस्लामाबाद/पेशावर, एजेंसी

- हमले के जवाब में पाकिस्तान ने 200 से अधिक तालिबान लड़ाके मारने का किया दावा

सीमा पर रात भर हुई भीषण मुठभेड़ में अफगानिस्तान ने 58 पाकिस्तानी सैनिक को मार गिराया। वहीं, पाकिस्तान ने तालिबान तथा उससे संबद्ध 200 से अधिक आतंकवादी को मार गिराने का दावा किया।

सीमा पार से आक्रमण के एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच दोनों पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अफगान बलों द्वारा किए गए अकारण हमलों के जवाब में 19 अफगान सैन्य चौकियों और आतंकवादी ठिकानों पर कब्जा कर लिया है। पाकिस्तानी ने एक बयान में कहा कि यह गंभीर उकसावा तालिबान के विदेश मंत्री के भारत दौरे के दौरान हुआ।

बाहरी आक्रमण सहन नहीं करेंगे : मुत्ताकी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष का अफगानिस्तान शांतिपूर्ण समाधान चाहता है, लेकिन यदि प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उसके पास अन्य विकल्प भी हैं। उन्होंने कहा कि उनका देश किसी भी बाहरी आक्रमण का सामना करने के लिए पूरी तरह एकजुट है। गुरुवार को काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच फिर से संघर्ष शुरू हो गया है। भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आये मुत्ताकी ने कहा कि कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है और उनका देश अपनी संप्रभुता का किसी भी तरह का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा।

आईपीएस आत्महत्या मामला : कई अन्य धाराएं प्राथमिकी में जोड़ी गई

चंडीगढ़। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की आत्महत्या मामले में एससी/एसटी अधिनियम के संबंधित प्रावधान जोड़ने की उनकी पत्नी की अपील के बाद, पुलिस ने इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में और आरोपों को शामिल किया है।

पूरण कुमार की पत्नी एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमनीत पी कुमार ने पुलिस को लिखे पत्र कर

- आईएएस पत्नी की आपत्ति के बाद पुलिस ने बढ़ाई धाराएं

कमजोर धाराओं को संशोधित किए जाने की बात कही थी। एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3 (2) (पांच) इस मामले में लागू होने वाली उपयुक्त धारा है। वहीं, पूरण कुमार के परिवार ने अपनी मांगें पूरी होने तक पोस्टमार्टम के लिए सहमति देने से इनकार कर दिया है।

बयान

कांग्रेस नेता एवं पूर्व गृह मंत्री ने बताई ब्लू स्टार की सच्चाई, कहा- इंदिरा गांधी ने इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकाई, बयान से कांग्रेस नाराज

चिदंबरम ने कुरेदा जख्म, बोले- ऑपरेशन ब्लू स्टार बड़ी गलती थी

शिमला, एजेंसी

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि 1984 में स्वर्ण मंदिर में छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार सही तरीका नहीं था और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

पूर्व गृह मंत्री ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कसौली में एक पुस्तक के विमोचन के दौरान कहा, सभी आतंकवादियों को पकड़ने का कोई और तरीका हो सकता था, लेकिन ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत तरीका था और मैं मानता हूं कि श्रीमती गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। यह सेना, खुफिया विभाग, पुलिस और सिविल सुरक्षा एजेंसियों का संयुक्त निर्णय था और आप पूरी तरह से श्रीमती गांधी को दोषी नहीं ठहरा सकते।

चिदंबरम ने खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव में पत्रकार और लेखिका हरिंदर बावेजा के साथ उनकी पुस्तक दे विल शूट यू मैडमः माई लाइफ थ्रू कॉन्फ्लिक्ट'' पर बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। ऑपरेशन ब्लू स्टार दमदमी टकसाल के नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले और आतंकवादियों को सिखों के सबसे पवित्र स्थल स्वर्ण मंदिर से खदेड़ने के लिए 1 से 10 जून, 1984 के बीच चलाया गया सैन्य अभियान था। उसी वर्ष तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई थी।

वहीं, कांग्रेस नेतृत्व ऑपरेशन ब्लूस्टार के बारे में पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम द्वारा दिए गए बयान से बेहद नाराज है और उसका मानना है कि वरिष्ठ नेताओं को पार्टी के लिए शर्मिंदगी पैदा कर सकने वाले सार्वजनिक बयान देने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि चिदंबरम के बयान से पार्टी के सभी कार्यकर्ता इस बात से परेशान हैं कि ऐसा बार-बार क्यों हो रहा है।

चिदंबरम के बयान ने कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश किया : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के बारे में पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास में यह सच्चाई दर्ज होनी चाहिए कि यह (ऑपरेशन) राष्ट्र की आवश्यकता की वजह से नहीं बल्कि इंदिरा गांधी के राजनीतिक दुस्साहस के कारण चलाया गया था। भाजपा ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस अब सच बोलने और झूठे विमर्श को उजागर करने के लिए चिदंबरम के खिलाफ कार्रवाई करेगी? केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने पूर्व गृह मंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चिदंबरम जी ने कांग्रेस की गलतियों को बहुत देर से स्वीकार किया है! मंत्री ने कहा, पहले उन्होंने (चिदंबरम) खुलासा किया था कि अमेरिका और विदेशी ताकतों के भारी दबाव के कारण भारत मुंबई में हुए पाकिस्तानी आतंकवादी हमलों का जवाब नहीं दे सका, अब वह स्वीकार कर रहे हैं कि स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार भी एक गलती थी।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

स्टेट ब्रीफ

सरोवर नगरी का मौसम नर्म-गर्म

नैनीताल : सरोवर नगरी का मौसम रविवार को नर्म और गर्म बना रहा। दिन में तेज धूप रही तो शाम को छाए कोहरे ने ठंड बढ़ा दी। दिन के समय तेज धूप खिली रही। शाम के समय यकायक मौसम में बदलाव आ गया और कोहरे ने नगर को अपने आगोश में ले लिए जिस कारण ठंड बढ़ गई और लोग हीटर का सहारा लेने के लिए मजबूर हो गए। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 24 व न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 40 प्रतिशत दर्ज की गई।

त्रिवेणी घाट पर युवक का शव मिला

ऋषिकेश : ऋषिकेश-त्रिवेणी घाट पर रविवार सुबह गंगा नदी से एक युवक का शव बरामद किया गया। सीसीआर ने एसडीआरएफ को सूचना दी कि त्रिवेणी घाट के समीप गंगा नदी में एक शव दिखाई दे रहा है। सूचना पर हेड कांस्टेबल अर्जुन पंवार के नेतृत्व में टीम घटनास्थल पर पहुंची और खोज अभियान शुरू किया। टीम ने गंगा नदी में अभियान के दौरान एक पुरुष का शव बरामद किया। शव को पहचान के लिए स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

1347 एलटी शिक्षकों को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

देहरादून : यूकेएसएसएससी के माध्यम से चयनित 1347 सहायक अध्यापकों (एलटी) को आगामी 14 अक्टूबर को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। पटेलनगर स्थित राजकीय दून मेडिकल कालेज के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के हाथों सभी चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेंगे। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि सहायक अध्यापक (एलटी) भर्ती को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद आयोग ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को चयनित अभ्यर्थियों की सूची उपलब्ध करा दी है। चयनित 1347 शिक्षकों को आगामी 14 अक्टूबर को नियुक्ति पत्र वितरित होंगे।

शिक्षकों की समस्याओं पर हुई चर्चा

हल्द्वानी : उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ की नैनीताल जिला कार्यकारिणी की बैठक एमबी इंटर कॉलेज हल्द्वानी में हुई। शिक्षकों ने कहा कि शिक्षकों के हितों को उठाने के लिए हमें और प्रयास करने होंगे। इस दौरान शिक्षक हितों को बढ़ावा देने और उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से तय हुआ कि नवगठित जिला कार्यकारिणी का सम्मेलन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ प्रांतीय पदाधिकारी हीरा सिंह ने की।

पहली बार हुई है ऐसे ब्लैक होल की खोज, एक ही कक्षा में एक-दूसरे के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं दोनों

एरीज के वैज्ञानिकों ने खोज निकाले जुड़वां ब्लैक होल

संवाददाता, नैनीताल

एक दूसरे की परिक्रमा करते, एरीज द्वारा खोजे गए ब्लैक होल की तस्वीर।

डॉ. आलोक गुप्ता, एरीज।

अमृत विचार: आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वैज्ञानिकों ने पहली बार एक साथ दो ब्लैक होल की खोज करने में सफलता हासिल की है। यह दोनों ब्लैक होल (क्वासर) एक ही कक्षा में एक-दूसरे के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं। इस ब्लैक होल का नाम ओजे 287 है।

एरीज के खोजकर्ता वैज्ञानिक डॉ. आलोक गुप्ता ने बताया कि पहली बार एक-दूसरे का चक्कर लगा रहे दो ब्लैक होल देखे गए हैं। यह दोनों एक-दूसरे के आकर्षण में बंधे एक-दूसरे की परिक्रमा कर रहे हैं। ब्लैक होल आमतौर पर अदृश्य होते हैं, लेकिन जब उनका प्रकाश गिरता है तो जबरदस्त चमक उत्पन्न होती है। इस खोज में ऑप्टिकल व रेडियो टेलीकोप का सहारा लिया गया और इसकी पुष्टि के लिए कई देशों के वैज्ञानिकों ने जमीन व अंतरिक्ष में स्थापित दूरबीनों का उपयोग किया गया, तब जाकर पता लगा कि यह वास्तव में बड़ी खोज है, जो ब्लैक होल के अध्ययन व रहस्यों की दिशा में नई दिशा दे सकते हैं।

इस खोज को लेकर वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जुड़वां ब्लैक होल हमारे ब्रह्मांड के भविष्य की एक खिड़की है और इससे पता चलता है कि जब ब्लैक होल अंततः आपस में टकराते हैं तो वे स्पेसटाइम में टाइटैनिक तरंगें छोड़ते हैं। इन तरंगों को गुरुत्वाकर्षण तरंगें कहा जाता है। इस खोज के दौरान ब्लैक होल से निकलने वाले जेट का भी पता चला है। किसी भी ब्लैक होल से तेज ऊर्जा जेट के समान उत्सर्जित होती है तो प्रकाश तेज गति से एक सीधी लाइन में आगे बढ़ता है। किसी ब्लैक होल में होने वाला यह जबरदस्त विस्फोट है। यह खोज एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हो चुकी है। इस खोज में डॉ. आलोक गुप्ता के साथ ही एरीज के ही डॉ. शुभम किशोर शामिल रहे। उनका कहना है कि यह बाइनरी ब्लैक होल प्राकृतिक प्रयोगशाला है, जो दुनिया के वैज्ञानिकों के प्रयोगों में काम आएगी।

एरीज के लिए यह बड़ी उपलब्धि

नैनीताल : एरीज के निदेशक डॉ. मनीष नाजा ने कहा कि एरीज के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पहली बार एक साथ दो ब्लैक होल की खोज कर पाने से विश्व में भारत व एरीज का नाम रोशन हुआ है। इस खोज में शामिल वैज्ञानिकों को उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी एरीज कामयाबियों की सीढ़ी चढ़ता रहेगा। कहा कि निकट भविष्य में भी एरीज खोज की दिशा में कीर्तिमान स्थापित करते रहेगा।

अवकाश के दिन भी खूब दौड़ी तबादला एक्सप्रेस

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- परितोष नगर आयुक्त हल्द्वानी ऋचा डीसी यूएस नगर बनीं
- 8 अधिकारियों से अतिरिक्त प्रभार लिया, 4 को सौंपा

अमृत विचार: शासन द्वारा रविवार को चलाई गई तबादला एक्सप्रेस में कई वरिष्ठ अधिकारियों से अतिरिक्त प्रभार वापस लिया गया तो कई अधिकारियों को सौंपा गया। इसके अलावा कई अधिकारियों को नई नियुक्ति प्रदान की गई है।

संयुक्त सचिव कार्मिक आरएस पतियाल द्वारा जारी ट्रांसफर सूची में, सचिव दिलीप जावलकर से सचिव ग्राम्य विकास ग्रामीण निर्माण विभाग, सचिव डॉ. वीवीआरसी पुरुषोत्तम से निदेशक मत्स्य, सचिव चंद्रेश यादव से सचिव पंचायती राज और आयुक्त खाद्य, अपर सचिव वीके जोगदंडे से अपर सचिव राजस्व विभाग, अपर सचिव अनुराधा पाल से अपर सचिव चिकित्सा व दीप्ति सिंह से निदेशक उद्यान व सचिव सूचना आयोग रजा अब्बास से अपर नगर आयुक्त देहरादून का प्रभार वापस लिया गया है जबकि सचिव रणवीर सिंह चौहान से डीजी कृषि एवं उद्यान विभाग का चार्ज वापस लेकर आयुक्त खाद्य बनाया गया है।

इनके अलावा सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्ब्याल को सचिव ग्राम्य विकास ग्रामीण निर्माण विभाग, डॉ. पराग मधुकर धकाते को विशेष सचिव पंचायती राज विभाग, सोनिका को उपाध्यक्ष हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण और अपर सचिव हिमांशु खुराना को अपर सचिव वन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

नियुक्तियों में अपर सचिव वन विनीत कुमार को अपर सचिव श्रम, अपर सचिव श्रम रवनीत चीमा को अपर सचिव पुनर्गठन, अपर सचिव प्रकाश चंद्र को आयुक्त दिव्यांगजन की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं, अपर निदेशक शहरी विकास ललित नारायण मिश्र सीडीओ हरिद्वार होंगे। अशोक कुमार पांडे को सचिव उत्तराखंड लोक सेवा आयोग हरिद्वार की जिम्मेदारी दी गई है। सीडीओ उत्तरकाशी सुंदर लाल सेमवाल निदेशक उद्यान, एडीएम अल्मोड़ा सीएस मर्तोलिया सम्भागीय खाद्य नियंत्रक कुमाऊं, एडीएम प्रशासन देहरादून जयभारत सिंह सीडीओ उत्तरकाशी होंगे।

इनके अलावा, एडीएम चम्पावत जयवर्द्धन शर्मा को परीक्षा नियंत्रक उत्तराखंड लोक सेवा आयोग हरिद्वार, युक्ता मिश्र एडीएम अल्मोड़ा, डिप्टी कलेक्टर नैनीताल केएन गोस्वामी एडीएम चम्पावत, नगर आयुक्त रुद्रपुर नरेश चंद्र दुर्गापाल संयुक्त संचालक चकबंदी, नगर आयुक्त हल्द्वानी ऋचा सिंह डिप्टी कलेक्टर ऊधमसिंह नगर, सोनिया पंत उप निदेशक शहरी विकास, डिप्टी कलेक्टर पौड़ी सोहन सिंह डिप्टी कलेक्टर रुद्रप्रयाग, परितोष वर्मा नगर आयुक्त हल्द्वानी, चतर सिंह डिप्टी कलेक्टर पौड़ी और डिप्टी कलेक्टर पौड़ी अनिल चन्याल डिप्टी कलेक्टर बागेश्वर होंगे।

आश्वासन: हर पात्र अभ्यर्थी को मिलेगा निष्पक्ष अवसर: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड बेरोजगार संघ के प्रतिनिधियों को दिलाया भरोसा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट करते उत्तराखंड बेरोजगार संघ के प्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड बेरोजगार संघ व तकनीकी डिप्लोमा प्राप्त छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को भेंट की। प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया कि राज्य सरकार ने युवाओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायतों पर गंभीरता से संज्ञान लिया और संबंधित परीक्षा को निरस्त करने का निर्णय लिया।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदम युवाओं में विश्वास और आशा का संचार करते हैं। सरकार ने जिस तत्परता और संवेदनशीलता के साथ इस मुद्दे पर कार्रवाई की, वह युवाओं के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय है। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार योग्यता और पारदर्शिता पर आधारित भर्ती प्रक्रिया के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि उत्तराखंड में किसी भी भर्ती परीक्षा में भ्रष्टाचार, नकल या अनुचित साधनों के लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी। युवाओं की मेहनत और प्रतिभा के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू कर परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में सशक्त कदम उठाया है। इस कानून के लागू होने से अब कोई भी व्यक्ति या संगठन परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है कि हर पात्र युवक-युवती को निष्पक्ष अवसर मिले और राज्य के सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता और विश्वास का माहौल स्थापित हो। उत्तराखंड के युवाओं की मेहनत, लगन और ईमानदारी ही राज्य के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है, और सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है।

संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि भविष्य की परीक्षाओं में नकल-रोधी प्रावधानों को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधियों के सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि पारदर्शी भर्ती ही सुशासन की पहचान है, और राज्य सरकार इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्य समाज सनातन संस्कृति का ध्वजवाहक

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा आयोजित दीपावली मेला समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि, वैश्य समाज सदियों से सनातन संस्कृति का ध्वजवाहक बनकर समाज में सहयोग, सौहार्द और विकास का प्रकाश फैला रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन इस मेले के माध्यम से न केवल व्यापार को प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि सामाजिक एकता, स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन और लोकसंस्कृति के संरक्षण का भी कार्य कर रहा है। कहा कि उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के अपने "विकल्प रहित संकल्प" को पूर्ण करने के लिए वैश्य समाज सरकार के साथ मिलकर कार्य करता रहेगा।

दून हॉस्टल में हुड़दंग, बंद करायी पार्टी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राजधानी स्थित राजकीय दून मेडिकल कॉलेज के एमकेपी रोड स्थित हॉस्टल में पीजी छात्र-छात्राओं द्वारा हुड़दंग मचाने का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो गया।

वायरल वीडियो शनिवार रात का बताया जा रहा है। जहां दून अस्पताल के पुरानी इमारत के पास स्थित पीजी हॉस्टल में देर रात पार्टी चल रही थी। पार्टी में शामिल दून मेडिकल कॉलेज के पीजी स्टूडेंट्स शर्ट उतार कर इम्तिहान की खुशी मे डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस बारे में पुलिस से जब जानकारी ली गई तो कोतवाली नगर प्रभारी प्रदीप पंत ने बताया कि रात को हास्टल में डीजे बजने की सूचना पुलिस को मिली, इसके बाद चीता पुलिस को हॉस्टल भेजा गया, उनके समझाने के बावजूद छात्र-छात्राएं नहीं माने। तब कोतवाली से पुलिस को हॉस्टल भेजा गया, जहां कुछ छात्र हल्के नशे में भी पाए गए, पुलिस ने तत्काल डीजे रुकवा दिया। पंत ने बताया कि रविवार सुबह छात्र-छात्राओं वर सीनियर डॉक्टर को कोतवाली बुलाकर सख्त चेतावनी दी गई है।

हिट एंड रन, कार ने भाजयुमो नेता को कुचला

संवाददाता, देहरादून

- बेकाबू कार ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदा, दो लोग गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती कराये

अमृत विचार: राजधानी के पटेलनगर क्षेत्र में सेंट ज्यूड चौक के पास एक बेकाबू कार ने सड़क के किनारे खड़े लोगों को कथित तौर पर रौंद दिया। इस घटना में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) नेता की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने रविवार को बताया कि सेंट ज्यूड चौक से ट्रांसपोर्ट नगर जाने वाले मार्ग पर शनिवार देर रात हुई इस घटना के बाद चालक क्षतिग्रस्त सफेद रंग की कार (निसान माइक्रा) को वहीं छोड़कर भाग गया। हालांकि, पुलिस ने दुर्घटना के समय कार चला रहे रुड़की निवासी अयान तथा दो अन्य को हिरासत में लिया है। कार की चपेट में आकर घायल हुए लोगों को स्थानीय लोगों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान चंद्रबनी क्षेत्र के निवासी जितेंद्र बिष्ट (30) की

मृत्यु हो गयी। जितेंद्र भाजयुमो के देहरादून महानगर के महामंत्री और डीएवी पीजी कॉलेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष थे।

पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में शामिल कार मुजम्मिल नाम के एक व्यक्ति की है जिसने उसके स्टीयरिंग में खराबी आने पर उसे सेंट ज्यूड चौक के पास स्थित वसीम की वर्कशॉप में ठीक कराने के लिए दिया था। हिरासत में लिए गए वर्कशॉप के मालिक वसीम और वहां काम करने वाले दो मैकेनिक (अयान और अब्बू) ने पूछताछ में बताया कि स्टीयरिंग की मरम्मत करने के बाद अयान कार को चेक करने के लिए वर्कशॉप से बाहर लेकर गया था लेकिन लौटते समय वर्कशॉप से 40 मीटर पहले स्टीयरिंग लॉक हो गया और अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंद दिया।

पत्रकारों की समस्याओं को लेकर संवेदनशील है प्रदेश सरकार

संवाददाता, देहरादून

- उत्तरांचल प्रेस क्लब के दीपावली महोत्सव में बोले मुख्यमंत्री

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित दीपावली महोत्सव-2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लक्की ड्रॉ विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरांचल प्रेस क्लब की भूमि के आवंटन की कार्यवाही गतिमान है। इस कार्यवाही के पूरे होने के बाद, उत्तरांचल प्रेस क्लब के लिए भव्य भवन का भी निर्माण कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के योगदान की सराहना करते हुए उत्तराखंड राज्य आंदोलन से लेकर आज तक, उत्तराखंड के अनेकों पत्रकारों ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास में लेखनी के जरिए अपनी अहम भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, पत्रकारों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। मुख्यमंत्री पत्रकार पेंशन योजना के तहत पत्रकार कल्याण कोष का बजट 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया गया है। पत्रकारों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है। राज्यभर में मीडिया सेन्टरों के आधुनिकीकरण और प्रेस क्लबों के सशक्तिकरण का कार्य शुरू किया गया है। कहा कि पत्रकार, सच्चाई और जनहित के लिए जिस समर्पण से कार्य करते हैं, वो प्रशंसनीय है। पत्रकार और पत्रकारिता राजनीतिक और सामाजिक विषयों के प्रचार-प्रसार से कई ज्यादा लोकतंत्र को जीवित रखते हैं।

सरकार की विभिन्न योजनाओं को जन तक पहुंचाना या आमजन की समस्याओं से सरकार को अवगत कराना, इन दोनों महत्वपूर्ण दायित्वों को भी पत्रकार निभाते हैं। इस अवसर पर उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष भूपेंद्र कंडारी, महामंत्री सुरेंद्र डसीला एवं पत्रकार मौजूद रहे।

अब लोगों की दहलीज तक पहुंच रहा है न्याय

नयी टिहरी: रविवार को मार्डन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ढालवाला में वृहद विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया गया। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र ने शिविर को संबोधित करते कहा कि, न्याय अब लोगों की दहलीज तक पहुंच रहा है। विधिक सेवा प्राधिकरण निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान कर रहा है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और लाभार्थियों को चेक, व्हीलचेयर, किट व अन्य सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी, जिला न्यायाधीश अमित कुमार सिरोही, जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल व एसएसपी आयुष अग्रवाल मौजूद रहे।

आश्रम के 28 लाख लेकर संन्यासी फरार

हरिद्वार: कनखल स्थित श्री महामृत्युंजय मठ में आश्रम की देखभाल करने वाले वैराग्य पुरी उर्फ विकास पुरी द्वारा 28 लाख रुपये और अन्य कीमती सामान लेकर फरार होने की खबर सामने आयी है।

जानकारी के अनुसार, वैराग्य पुरी ने वर्ष 2009 में मठ के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी यमुनापुरी से संन्यास लिया था और उसके बाद से वह मठ का संचालन कर रहा था। स्वामी यमुनापुरी ने उसे अपना उत्तराधिकारी भी घोषित किया था। आश्रम से जुड़े लोगों का कहना है कि वैराग्य पुरी की यह हरकत पूरी तरह से आश्रम के विश्वास का दुरुपयोग है। स्वामी यमुनापुरी ने घटना की सूचना कनखल थाने में दर्ज कराई है। पुलिस वैराग्य को तलाश रही है। आश्रम के अनुयायियों में घटना को लेकर चिंता और आक्रोश की स्थिति है। प्रशासन व पुलिस ने आश्रम से जुड़े अन्य लेनदेन की भी जांच शुरू कर दी है।

जीएसटी मुख्यालय ने किया गैंग का भंडाफोड़

नयी दिल्ली, एजेंसी

- कथित तौर पर संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारी की मिलीभगत से हो रहा था संचालन

अमृत विचार: उत्तराखंड जीएसटी मुख्यालय के अधिकारियों ने छापेमारी कर 20 लाख रुपये से ज्यादा की कर चोरी में शामिल एक गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसका संचालन कथित तौर पर संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारी की मिलीभगत से किया जा रहा था।

मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, राज्य कर मुख्यालय को लगातार सूचना और शिकायतें मिल रही थीं कि ट्रांसपोर्टर कर चोरी करते हुए कुमाऊं क्षेत्र के हल्द्वानी में माल ला रहे हैं। उन्होंने कहा, इनमें से एक ट्रांसपोर्टर को संयुक्त आयुक्त स्तर के एक वरिष्ठ विभागीय अधिकारी का संरक्षण और समर्थन प्राप्त होने की भी सूचना मिली थी। अधिकारियों के मुताबिक, इससे स्थानीय स्तर पर इस ट्रांसपोर्टर के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करने में बाधा आ रही थी। इसके बाद, राज्य जीएसटी मुख्यालय ने खुद ही ट्रांसपोर्टर के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया, रुद्रपुर की टीमों ने इस सप्ताह की शुरुआत में हल्द्वानी में दो ट्रांसपोर्ट कंपनियों के परिसरों पर छापेमारी की। उन्होंने बताया कि बेहद गोपनीय तरीके से भारी पुलिस सुरक्षा के बीच हल्द्वानी क्षेत्र के बाहर से दो विभागीय टीमों ने पूरे दिन छापेमारी की, जिसके दौरान बिना दस्तावेजों या झूठे दस्तावेजों पर भारी मात्रा में लाया गया माल जब्त किया गया। सूत्र ने बताया कि अगले तीन दिनों तक माल और दस्तावेजों समेत पूरी खेप की जांच की गई। पता चला कि 20 लाख रुपये से ज्यादा का माल बिना टैक्स चुकाए लाया गया था।

कर अधिकारियों ने बताया कि जीएसटी अधिनियम की धारा-130 के तहत इस खेप पर कुल जुर्माना लगभग 25 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। माल और परिवहन वाहन को जब्त कर लिया गया है तथा जुर्माना अदा न होने तक वे विभाग के कब्जे में रहेंगे। सूत्र ने कहा, एक वरिष्ठ विभागीय अधिकारी के अपने प्रभाव का इस्तेमाल अधिकारियों को धमकाने और विभागीय कार्यवाही में बाधा डालने के लिए करने की बात भी सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। राज्य कर मुख्यालय भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार की कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत इस मुद्दे पर अलग से कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार की कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति दोहराते हुए अधिकारियों ने कहा, जीएसटी चोरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मुख्यालय लापरवाही या किसी भी तरह के अनुचित दबाव की स्थिति में कर चोरी को रोकने के लिए सीधे हस्तक्षेप करेगा। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, जिनके पास वित्त मंत्रालय भी है, ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना कड़ा रुख स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया है।

सिटी ब्रीफ

आज सीएम नैनीताल जिले के भ्रमण पर रहेंगे

हल्द्वानी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को नैनीताल जिले का दौरा करेंगे। जिला प्रशासन ने बताया कि सोमवार को अपराह्न 2 :55 बजे जीटीसी हेलीपैड देहरादून से प्रस्थान कर अपराह्न 3 :45 बजे गौलापार हेलीपैड काठगोदाम नैनीताल पहुंचेंगे। वहां से प्रस्थान कर अपराह्न चार बजे सूर्यादेवी बैंक्वेट हॉल खेड़ा चौराहा गौलापार नैनीताल में आयोजित आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी संकल्प की थीम पर सोशल मीडिया प्रभारियों व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विचार गोष्ठी में प्रतिभाग करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री काठगोदाम गौलापार स्थित सर्किट हाउस पंहुचेंगे। शाम 7 :15 बजे वह एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी को प्रस्थान करेंगे, जहां वह एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

सर्पदंश से 8 साल के बच्चे की मौत

हल्द्वानी : सर्पदंश से 8 साल के बच्चे की मौत हो गई। उसे उपचार के लिए एसटीएच में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। अंबेडकरनगर वार्ड 3 जगतपुरा टनकपुर चम्पावत निवासी राजू वर्मा ने बताया कि शनिवार को रात खाना खाने के बाद वह परिवार के साथ सो गए थे। रात करीब 11 बजे सोते वक्त उनका 8 साल का बेटा दीपक अचानक चीख कर उठा और बताया कि उसे सांप ने डस लिया है। परिजन फौरन उसे पास के चिकित्सालय ले गए, जहां हालत नाजुक होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। रात ही परिजन बच्चे को लेकर एसटीएच पहुंचे, जहां सुबह करीब साढ़े 4 बजे उसकी मौत हो गई।

जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी में जिपं अध्यक्ष समेत सात आरोपी नामजद

शहर में 7.6 एकड़ बेशकीमती जमीन का स्वरूप बदलकर खरीद-फरोख्त का आरोप

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल जिले में 7.6 एकड़ बेशकीमती जमीन का स्वरूप बदलकर उसकी खरीद-फरोख्त के आरोपों ने राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है।

हल्द्वानी निवासी रविशंकर जोशी की शिकायत पर आईजी कुमाऊं के निर्देश पर थाना काठगोदाम पर जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल और पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल के बेटे हरेंद्र सिंह कुंजवाल समेत सात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह जमीन सरकारी बतायी गयी है। शिकायतकर्ता जोशी का आरोप है कि हल्द्वानी निवासी बलवंत सिंह नाम के शख्स ने कई झूठे शपथ-पत्र दिए। अपनी सीलिंग सीमा से अधिक भूमि होने की जानकारी छिपाई। नजराना जमा करने की तारीखों में विरोधाभास और कोई पुख्ता साक्ष्य न होने के बावजूद एक पूर्व एसडीएम ने डीएम कार्यालय की स्पष्ट आपत्ति को नजरअंदाज कर अनियमित विनियमितिकरण को मंजूरी दे दी। वर्ष 1991 में तत्कालीन डीएम ने इसी जमीन से बलवंत को बेदखल करने का आदेश दिया था, जिसे बाद के अधिकारियों ने अनदेखा कर दिया।

आरोप है कि, विनियमितिकरण के तुरंत बाद बलवंत ने अपने वारिसों को दरकिनार कर पूरी भूमि रविकांत फुलारा को दान कर दी। बलवंत के निधन के बाद रविकांत ने यह जमीन हल्द्वानी निवासी वर्तमान में जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, हरेन्द्र सिंह कुंजवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, अरविन्द सिंह मेहरा पुत्र बलवंत सिंह मेहरा, अजय गुप्ता, चेतन गुप्ता और अनिता गुप्ता को 3.25 करोड़ से ज्यादा में बेच दी। आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर काठगोदाम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं, काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि आईजी कुमाऊं के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

वारिसों को छोड़ बाहरी को दान, गरीब ने जमा किया करोड़ों का स्टाम्प शुल्क

हल्द्वानी : मुकदमे के अनुसार, विनियमितिकरण से जमीन का मालिकाना हक मिलते ही बलवंत सिंह ने अपने दो जीवित पुत्रों को छोड़कर 10 मार्च 2016 को पूरी 3 .107 हेक्टेयर जमीन रविकांत फुलारा निवासी कमलुवागांजा गौड़ को दान कर दी। हैरानी की बात यह है कि इस दाननामे पर 19 लाख का भारी-भरकम स्टाम्प शुल्क जमा किया गया। शिकायत में आरोप लगाते कहा गया है कि कमजोर आर्थिक स्थिति वाले रविकांत फुलारा के लिए इतनी बड़ी रकम जमा करना नामुमकिन था, जो काले धन के इस्तेमाल की ओर इशारा करता है।

सात लोगों को एक ही दिन में जमीन की बिक्री

हल्द्वानी : रविकांत फुलारा के नाम पर जमीन दर्ज होते ही 9 मई 2016 को उसने पूरी 3 .107 हेक्टेयर जमीन को एक ही दिन में सात अलग-अलग लोगों को बेच दिया। इन सात खरीददारों में दीपा दरम्वाल पत्नी आनंद दरम्वाल निवासी देवलचौड़ बंदोबस्ती हल्द्वानी (0 .253 हेक्टेयर) का नाम भी शामिल है। अन्य खरीददारों में हरेन्द्र सिंह कुंजवाल पुत्र गोविंद सिंह कुंजवाल निवासी सनलाइट इंक्लेव तल्ली बमोरी मुखानी हल्द्वानी, मीनाक्षी अग्रवाल पत्नी भूपेश अग्रवाल निवासी रामपुर रोड हल्द्वानी, अरविन्द सिंह मेहरा पुत्र बलवंत सिंह मेहरा निवासी मल्ला गोरखपुर हल्द्वानी, अजय कुमार गुप्ता पुत्र मंगत राम गुप्ता निवासी गंगा इंक्लेव नवाबी रोड हल्द्वानी, चेतन गुप्ता पुत्र बाबूलाल गुप्ता निवासी वार्ड 15 भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी और अनिता गुप्ता पत्नी सतीश चंद्र गुप्ता निवासी घासमंडी हल्द्वानी हैं।

मुकदमे में बताए गए मुख्य बिंदु

- **सीलिंग कानून तोड़ा गया :** मुख्य आरोपी बलवंत सिंह ने दावा किया कि उनके पास कम ज़मीन है, जबकि शिकायत के मुताबिक उनके पास कानून द्वारा तय सीमा (12 .5 एकड़) से बहुत ज्यादा जमीन पहले से थी।
- **अफसरों की मिलीभगत :** आरोप है कि तत्कालीन राजस्व अधिकारियों ने बलवंत सिंह के झूठे शपथ-पत्र को जानबूझकर सही माना और 1991 के बेदखली के आदेश को छिपा दिया।
- **दान फिर तुरंत बिक्री :** बलवंत सिंह ने जमीन मिलते ही उसे बाहरी व्यक्ति रविकांत फुलारा को दान कर दिया। फुलारा ने अगले ही दिन यह पूरी जमीन सात बड़े लोगों/भू-माफियाओं को 3 करोड़ 25 लाख में बेच दी।
- **काले धन का इस्तेमाल :** शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह करोड़ों की डील काले धन से हुई और सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाया गया।

रेल ट्रैक पर हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी

बरेली/हल्द्वानी: पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल ने रेल ट्रैक पर हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंडल के हल्द्वानी, पंतनगर और लालकुआं रेल खंडों में अत्याधुनिक एआई आधारित एलीफेंट इंट्यूशन डिटेक्शन सिस्टम लगाया जाएगा। इससे ट्रेनों की गति और हाथियों की सुरक्षा दोनों पर नियंत्रण संभव होगा।

यह प्रणाली एआई आधारित होगी, जो रेल ट्रैक के किनारे हाथियों की मौजूदगी का तुरंत पता लगा लेगी। जैसे ही कोई हाथी या उनका झुंड ट्रैक के पास आएगा, वैसे ही गेटमैन के केबिन में हूटर बजने लगेगा, जिससे वहां तैनात कर्मचारी सतर्क हो जाएंगे। ट्रेन के लोको पायलट को इंजन में ऑडियो संदेश प्राप्त होगा, जिससे वह तुरंत ट्रेन की गति धीमी कर सकेगा और किसी भी दुर्घटना को टाला जा सकेगा।

यह प्रणाली 24.1 किमी के ट्रैक क्षेत्र में लगाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट पर करीब 15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जिसका उद्देश्य मानव और वन्यजीव के बीच सहअस्तित्व को बढ़ावा देना और रेल मार्गों पर हाथियों की जान को बचाना है। हल्द्वानी, पंतनगर और लालकुआं इलाके तराई क्षेत्र में हैं, इन क्षेत्रों में अतीत में कई बार ट्रेन और हाथियों की टक्कर की घटनाएं सामने आई हैं। सीपीआरओ पंकज सिंह ने बताया कि इस सिस्टम से हाथियों की उपस्थिति का रियल टाइम अलर्ट मिलने से हादसों की संभावना को लगभग समाप्त किया जा सकेगा।

इस बार ला-नीना का होगा असर, ठंड पड़ेगी बेरहम

संवाददाता, हल्द्वानी

- **100 साल का रिकॉर्ड टूटने के आसार**
- **मौसम विज्ञानियों ने जताया अनुमान**

अमृत विचार: अल-नीनो प्रभाव की वजह से साल 2024 में बेरहम गर्मी पड़ी थी। गर्मी और लू ने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इस बार साल 2025-26 की सर्दी में ठंड अपने पिछले साले रिकॉर्ड तोड़ेगी। जैसे अल-नीनो के प्रभाव से लू कई दिनों तक चली थी, उसी तरह ला-नीना के प्रभाव से इस बार शीतलहर के दिनों की संख्या बढ़ जाएगी।

अल-नीनो और ला-नीना दोनों अलग-अलग मौसम के प्रभाव हैं जो क्रमशः गर्मी और ठंड के लिए जिम्मेदार होते हैं। अल नीनो और ला नीना प्रशांत महासागर में समुद्र के तापमान में होने वाले दो विपरीत और चक्रीय परिवर्तन हैं। अल नीनो में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में पानी औसत से अधिक गर्म हो जाता है, जबकि ला न-ना में पानी औसत से अधिक ठंडा हो जाता है। इन परिवर्तनों का वैश्विक मौसम, कृषि और पारिस्थितिक तंत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। इस बार ठंड में ला-नीना सक्रिय हो रहा है। ऐसे में मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि साल 1917 में पड़ी भीषण ठंड का भी रिकार्ड टूट जाएगा। बर्फबारी ज्यादा होगी और ठंड का असर मार्च माह के अंत रह सकता है। साथ ही पश्चिमी विक्षोभ भी ज्यादा सक्रिय होने का अनुमान है। पंतनगर विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक एएस नैन ने बताया कि उत्तराखंड में इस बार दिसंबर से ला-नीना का असर दिखने लगेगा। इससे कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इसका मतलब है कि लोगों को इस बार लंबी और अच्छी ठंड का सामना करना पड़ेगा। इसका सीधा लाभ पर्यटन कारोबार को भी मिलेगा।

अभी से दिख रहा है असर

इस बार अक्टूबर से ही ठंड की अच्छी शुरूआत हो गई है। तापमान में गिरावट आ रही है। साथ ही केदारनाथ, बद्रीनाथ में सीजन की पहली बर्फबारी भी हो गई है। मैदानी इलाकों में रात के समय में तापमान में काफी गिरावट आ रही है। साथ ही लंबे समय ठंड रहेगी तो बसंत के दिन भी प्रभावित हो सकते हैं। मैदानी इलाकों में कई दिनों तक कोहरा रह सकता है। राहत की बात यह रहेगी कि इस बार 2000 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले स्थानों पर भी अच्छी बर्फबारी देखने को मिल सकती है।

जातिगत व्यवस्था पर नाटक से प्रहार

संवाददाता, हल्द्वानी

रमोलिया हाउस में नाटक के दौरान अभिनय करते पात्र। ● अमृत विचार

अमृत विचार: काफल ट्री फाउंडेशन और यथार्थ कास्टिंग एजेंसी के तत्वावधान में मशहूर नाटक 'जाति ही पूछो साधु की' का दूसरे दिन भी मंचन हुआ। स्व. जुगल किशोर पेटशाली, वरिष्ठ रंगकर्मी, स्व. अरविंद अग्रवाल एवं स्व. जितेंद्र सम्मल की स्मृति में इस आयोजन में कई दर्शक पहुंचे।

यह नाटक भारतीय समाज में व्याप्त जातिगत व्यवस्था के कड़वे सच को उजागर करता है। नाटक के अंदर रूढ़ीवादी व्यवस्था पर प्रहार किया गया है, जिसका उद्देश्य समाज को प्रगतिवाद की ओर अग्रसर करना है। मुख्य किरदार में आकाश नेगी, आकांशा बोरा और अंकित चौधरी थे। इसके अलावा वरिष्ठ रंगकर्मी घनश्याम भट्ट, हरीश पाण्डे एवं अनिल कार्की के अभिनय को भी दर्शकों ने खूब सराहा। अन्य किरदारों में आशा नेगी, अथर्व, आरव, मुकुल, मनोज, जैकी चौहान, शिव, श्रीनिवास, वरुण, आकाश एवं अशद थे। अभिनेताओं ने सजीव तौर पर पात्रों का अभिनय किया। प्रख्यात रंगकर्मी विजय तेंदुलकर द्वारा लिखे इस नाटक का निर्देशन चारु तिवाड़ी ने किया।

नाटक मंचन से पहले हर्षवर्धन वर्मा ने स्टैंडअप कॉमेडी की। इस अवसर पर पंतनगर विवि की वित्त कंट्रोलर आभा गरखाल बोहरा, सुशील शर्मा, हीरा सम्मल, नमन रौतेला, नैनीताल से अदिति, संतोष व पवन मौजूद रहे।

मेंटेनेंस के चलते चार घंटे रही बिजली गुल

हल्द्वानी: रविवार को फूलचौड़ बिजलीघर में लाइन मेंटेनेंस कार्य के चलते शहर के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक गन्ना सेंटर से जुड़े क्षेत्रों में सप्लाई पूरी तरह ठप रही, जिससे हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली कटौती के चलते घरेलू कार्यों, पानी की आपूर्ति और व्यवसायिक गतिविधियों पर असर पड़ा। इन्वर्टर भी जवाब दे गए, जिससे लोगों को अतिरिक्त दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता (ईई) एसके गुप्ता ने बताया कि बिजली कटौती की पूर्व सूचना उपभोक्ताओं को दी गई थी। लाइन मेंटेनेंस और जांच कार्य तय समय पर पूरा होते ही आपूर्ति बहाल कर दी गई।

शिकार को आया बुआ-भतीजी का गैंग धरा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

बाजार में चोरी करने करने वाली बुआ-भतीजी। ● अमृत विचार

- **बाजार में खरीदारी करने गई महिला को बनाया था शिकार**
- **गिरफ्त में आईं दोनों शातिर बुआ-भतीजी बरेली से आईं थी शिकार करने**

अमृत विचार : त्योहार का बाजार सज चुका है और अब इस बाजार में शिकार की तलाश में कई गैंग सक्रिय हो गए हैं। ऐसा ही एक गैंग बुआ-भतीजी का है, जो बरेली से हाथ साफ करने हल्द्वानी पहुंची थी। इन्होंने एक महिला को अपना शिकार भी बना लिया, लेकिन पुलिस के बच नहीं सकीं। पुलिस ने दोनों शातिर महिलाओं को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा काठगोदाम निवासी सुशीला आर्या पति रमेश चन्द्र ने कोतवाली पुलिस को बताया कि वह करवाचौथ के लिए खरीदारी करने साहूकारा लाइन बाजार मंगलपड़ाव गईं थीं। वह एक फड़ पर खड़ी खरीदारी कर रही थीं कि तभी उनके बैग में रखा पर्स किसी ने चोरी कर लिया। पर्स में करीब 3 हजार रुपए व अन्य सामान था। कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। मंगलपड़ाव चौकी प्रभारी गौरव जोशी ने जांच शुरू की।

पुलिस कन्ट्रोल रूम सीसीटीवी प्रभारी एसआई जितेन्द्र सिंह की मदद से सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो दो महिलाएं नजर आईं, जो सुशीला के बैग में हाथ डालकर पर्स निकालती नजर आईं। दोनों की तलाश में जुटी पुलिस ने दोनों महिलाओं मिथलेश पत्नी सुरेन्द्र निवासी पूनापुर बिसलपुर रोड बरेली उत्तर प्रदेश व मीना पत्नी रामकिशोर निवासी ट्रांजिट कैम्प रुद्रपुर मूल निवासी चौखण्डी अलईया हाफिजगंज बरेली उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से चोरी गया माल भी बरामद कर लिया गया है।

पूछताछ में शातिर महिलाओं ने बताया कि वह बुआ-भतीजी हैं। दोनों लोग मिलकर त्योहारो के समय बाजार में महिलाओं के पर्स व ज्वैलरी की चोरी करते हैं। दोनों पहले टारगेट वाली महिला के दोनों तरफ खड़े होकर उसे उलझा देते हैं और फिर चोरी कर लेते हैं। इससे पहले भी दोनों हल्द्वानी बाजार में चोरी कर चुके हैं।

ट्रांसपोर्ट नगर में जुआ खेलते पकड़े गए जुआरी पुलिस की गिरफ्त में। ● अमृत विचार

दीवाली से पहले दांव लगाने वाले सात धरे

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **तीन को बनभूलपुरा और चार को टीपीनगर चौकी पुलिस ने पकड़ा**
- **जुआरियों से पुलिस ने 18 हजार से अधिक की नगदी बरामद की**

अमृत विचार : दीपावली से पहले दांव लगाकर भाग्य आजमाने वाले सात जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीन को बनभूलपुरा पुलिस और चार जुआरियों को टीपीनगर पुलिस ने पकड़ा है। आरोपियों के पास से 18 हजार रुपये से अधिक की नगदी बरामद की गई है।

बनभूलपुरा पुलिस के मुताबिक 11 अक्टूबर को पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग क्षेत्र से 3 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया। मौके से ताश की गड्डी और 3380 रुपए बरामद किए गए। गिरफ्त में आए आरोपियों में फजले अहमद पुत्र इकबाल हुसैन निवासी लाइन नंबर 8 बनभूलपुरा, मोहम्मद रफी पुत्र रफीक निवासी लाइन नंबर 17 आजाद नगर बनभूलपुरा, व जिब्राइल पुत्र नबी अहमद निवासी मोहम्मदी चौक इंदिरा नगर बनभूलपुरा हैं। वहीं टीपी नगर चौकी प्रभारी मनोज कुमार व टीम ने 11 अक्टूबर को ट्रांसपोर्ट नगर के अंदर 4 व्यक्तियों को जुआ खेलते पकड़ा।

इनमें मो. आमिर पुत्र फयाज निवासी लाइन नंबर 17 बनभूलपुरा, जिसान रजा पुत्र सबीर अहमद निवासी उत्तर उजाला बनभूलपुरा, सलीम अहमद पुत्र समीम अहमद निवासी इंद्रा नगर बड़ी मस्जिद बनभूलपुरा व विकल कुमार पुत्र महेश कुमार निवासी खोदतला रामपुर उत्तर प्रदेश हैं। मौके से ताश की गड्डी और 14920 रुपए बरामद किए गए। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 13 जी जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्थान मंच 21 को मनाएगा दीवाली पर्व

हल्द्वानी, अमृत विचार: पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच ने रविवार को बैठक में स्पष्ट किया कि पर्वतीय पंचांग के अनुसार दीपावली व महालक्ष्मी पूजन 21 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा। बैठक में मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर ने कहा कि अमावस्या 21 अक्टूबर को है, उसी दिन दीपावली का पर्व मनाना शास्त्रसम्मत है। उन्होंने 20 अक्टूबर को दीपावली मनाने की बात को बेबुनियाद बताया। मंच के अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल ने कहा कि पर्वतीय समाज अपने सभी धार्मिक पर्व-पर्वाणों को पारंपरिक पंचांग के अनुसार ही मनाता है। संस्थापक सदस्य भुवन जोशी ने भी समर्थन करते कहा कि अमावस्या 21 को ही पड़ रही है, इसलिए उसी दिन महालक्ष्मी पूजन होना चाहिए। मंच के सचिव देवेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष त्रिलोक बनौली आदि मौजूद रहे।

बीएमडब्ल्यू बाइक और डंपर की भिड़ंत, दो युवक घायल

संवाददाता, हल्दूचौड़

हल्दूचौड़ में हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद लोग। ● अमृत विचार

- **हाइवे पर गुजरने के दौरान अचानक सामने आया डंपर**
- **ग्रामीण बोले-आए दिन कट पर हो रहे हादसे, लगाई जाए रोक**

अमृत विचार: रविवार दोपहर राष्ट्रीय राजमार्ग में एवरग्रीन स्कूल के सामने वाले कट पर फिर एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू स्पोर्ट्स बाइक और डंपर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल 108 एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक हाइवे से गुजर रहे थे तभी सामने से आ रहे डंपर से अचानक उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को संभाला और एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हैं लेकिन फिलहाल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित करते हुए दुर्घटना की जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि इस कट पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने प्रशासन से स्पीड ब्रेकर या ट्रैफिक संकेतक लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लगाई जा सके।

चार बच्चों के पिता ने फांसी लगाकर जान दी

संवाददाता, हल्द्वानी

धमेंद्र उर्फ बॉबी पाल।

अमृत विचार: उजाला नगर क्षेत्र में चार बच्चों के पिता ने किराए के मकान में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक टेंपो चलाता था। रविवार सुबह उसने कमरे में पंखे के कुंडे से पफंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी। मृतक के चारों बच्चे अनाथ हो गए हैं। मृतक की पत्नी की करीब डेढ़ साल पहले ही मौत हो चुकी है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का ही प्रतीत होता है। जानकारी के अनुसार उजाला नगर में कबाड़ की दुकानों वाली गली में गांधीनगर निवासी धमेंद्र उर्फ बॉबी पाल (50) अपनी तीन बेटियों के साथ किराए के मकान में रहता था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि बॉबी की पत्नी की डेढ़ साल पहले मौत हो चुकी है। रविवार सुबह बॉबी ने अपनी बेटियों से कहा कि 'तेरी मम्मी बुला रही है' और कमरे में पंखे के कुंडे से फंदा डालकर फांसी लगा ली। बॉबी की सबसे बड़ी बेटी 13 साल की है। दो साल का एक बेटा बरेली में बुआ के घर पल रहा है। परिजनों ने बताया कि बॉबी डंपर चालक है, लेकिन ऑफ सीजन में आजकल टेंपो चलाकर बेटियों को पाल रहा था। बॉबी के परिवार के अन्य सदस्य गांधीनगर में रहते हैं।

सिगरेट के पैसे मांगने पर पीटने वालों पर मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दो दिन पहले आधी रात एसटीएच के बाहर गुंडागर्दी करने वालों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। गुंडों ने सिगरेट के दाम मांगने पर ठेलेवाले पर गर्म चाय उड़ेल दी थी, उसके बेटे को पीटा था और पुलिस से भी उलझ गए थे।

बनभूलपुरा निवासी उस्मान पुत्र अख्तर ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि 10 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे तीन युवक निश्चय जोशी, नीरज रावत और करन मेहरा उनके ठेले पर आए और पांच सिगरेट लीं। जब उस्मान ने उनसे पैसे मांगे तो तीनों ने उसे गालियां देना शुरू कर दिया, मारपीट की और गर्म चाय उड़ेल दी। उस्मान के बेटे अरमानने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने चाय के ठेले पर रखा सारा सामान तोड़-फोड़ दिया। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

लेखक, जनसुलभ अधिकारी को जिले की कमान

संवाददाता, हल्द्वानी

- **हिंदी के जाने-माने लेखक हैं डीएम नैनीताल ललित मोहन रयाल**

अमृत विचार: ललित मोहन रयाल को नैनीताल जिले के जिलाधिकारी की कमान मिली है। साल 2003 में उत्तराखंड पीसीएस में उन्होंने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था। वह एक मेधावी छात्र, होनहार अधिकारी होने के साथ ही प्रतिभाशाली लेखक भी हैं। साथ ही उनकी पहचान जनसुलभ अधिकारी की है।

हिंदी साहित्य जगत में उनकी दो पुस्तकें "खड़कमाफी की स्मृतियों में" और "अथ श्री प्रयागकथा" काफी चर्चाओं में रही। इसके अलावा जब वह पाठकों के बीच अपनी नई पुस्तक के "कारि तू कब्बि ना हारि" के साथ पहुंचे तो उनकी पुस्तक को फिर से हाथों-हाथ लिया गया। साल 2011 में वह प्रोन्नत होकर आईएएस बनाए गए। इसके अलावा प्रशासनिक जिम्मेदारियों के तौर पर उन्होंने संभागीय खाद्य नियंत्रक कुमाऊं संभाग के अलावा मुख्यमंत्री के विशेष सचिव की जिम्मेदारी निभाई हैं। अब वह नैनीताल जिले के जिलाधिकारी बने हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। वह तो अपना रास्ता खुद बना लेती है। आज नहीं तो कल, उसे सम्मान तो मिलेगा ही। वह मिलना तो तय है। बस लगन और परिश्रम में कोताही नहीं होनी चाहिए।

एसडीएम के बाद अब नगर आयुक्त का जिम्मा

हल्द्वानी : पीसीएस पारितोष वर्मा को अब नगर आयुक्त हल्द्वानी का जिम्मा दिया गया है। वह एसडीएम हल्द्वानी की जिम्मेदारी देख रहे थे। स्थानीय स्तर पर उन्हें काम करने का लंबे समय से अनुभव है, जिसका फायदा नगर आयुक्त की जिम्मेदारी के तौर पर भी मिलने को दिख सकता है तो वहीं ऋचा सिंह को काफी लंबे समय बाद नैनीताल जिले से बाहर जाना पड़ रहा है। वह सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी उसके बाद सेवायोजन निदेशालय हल्द्वानी में अपर निदेशक की जिम्मेदारी को निभाने के बाद वर्तमान में नगर आयुक्त हल्द्वानी रहीं। अब वह जिले से बाहर जा रहीं हैं और ऊधमसिंह नगर की एसडीएम बनाई गए हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,13 अक्टूबर 2025

सिटी ब्रीफ

आज प्रात: 9 बजे तक बंद रहेगा भीमताल मार्ग

भीमताल : रानीबाग भीमताल राज्य मार्ग संख्या 10 रानीबाग से अमृतपुर के किलोमीटर एक व दो में डामरीकरण का कार्य होने के कारण मोटर मार्ग 13 अक्टूबर को प्रात : 9 बजे तक पूर्णत : बंद रहेगा। मामले की जानकारी देते हुए लोनिवि के अभियंता केके पाठक ने बताया कि इस दौरान मार्ग पर डामरीकरण के दौरान मार्ग पर दो पहिया व चार पहिया वाहनों का आवागमन भी पूर्णत : बंद रहेगा। इस अवधि के दौरान वाहन चालकों को रानीबाग- ज्योलीकोट- भवाली रोड का प्रयोग करना पड़ेगा।

उक्रांद का दो दिवसीय अधिवेशन कल से

रामनगर : उत्तराखंड क्रांति दल का द्विवार्षिक अधिवेशन 14 व 15 अक्टूबर को रामनगर के समीप पीरूमदारा में होने जा रहा है। जिसमें पार्टी के लगभग 500 प्रतिनिधि अपनी भागीदारी करेंगे। दल के सभी वरिष्ठ नेता इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह जानकारी उक्रांद के केंद्रीय उपाध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक इंद्र सिंह मनराल द्वारा दी गई। बताया कि अधिवेशन में उत्तराखंड के ज्वलंत प्रमुख मुद्दों, वर्तमान स्थिति व संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा होगी।

सड़क चौड़ीकरण कार्य के चलते धूल से दिक्कत

भीमताल : भीमताल के बाईपास मार्ग में मोटर मार्ग चौड़ीकरण का कार्य इन दिनों तेजी से चल रहा है। वहीं स्थानीय जनता के मुताबिक बरसात के दिनों में तो धूल से जनता को राहत रही। लेकिन मौसम साफ होने के बाद सड़क में उठती धूल से लोग परेशान हैं। निर्माण कार्य के चलते मोटर मार्ग के आस पास रहने वाले लोग धूल से परेशान हैं। हालांकि संबंधित ठेकेदार द्वारा समय-समय पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है लेकिन ये नाकाफी साबित हो रहा है। लोगों ने सड़क का कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

संतोष को मिलेगा दादू महेंद्रनाथ सम्मान

रामनगर : साहित्यकार संतोष कुमार तिवारी को मध्य प्रदेश के जबलपुर की राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था कादंबरी ने उनकी राम कथा केंद्रित पुस्तक वनवासी राघवेंद्र को स्व . दादू महेंद्रनाथ सिंह सम्मान देने का फैसला किया है। संस्था के अध्यक्ष साहित्यकार आचार्य भागवत दुबे की ओर से देश भर से प्राप्त प्रविष्टियों के परिणाम की घोषणा के बाद संतोष कुमार तिवारी को 22 नवंबर को जबलपुर आमंत्रित किया है, जहां एक समारोह में तिवारी को सम्मानित किया जाएगा।

वीकेंड पर सैलानियों के न आने से नाव कारोबारी और फोटो ग्राफर भी नजर आए निराश

नैनीताल में पर्यटक न आने से व्यवसायी परेशान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः झीलों का शहर नैनीताल इन महंगाई की मार और मानसूनी आपदाओं से जूझ रहा है। इसका सीधा असर पर्यटन कारोबार पर भी पड़ रहा है। पिछले करीब दो महीने से पर्यटन गतिविधियां ठप पड़ी हुई हैं। इससे न सिर्फ नाव व्यवसाई बल्कि होटल, रेस्टोरेंट, फोटोग्राफर और वस्त्र व्यवसायी तक आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

नैनीताल झील में सैलानियों को नाव की सैर कराना यहां के नाविकों का मुख्य व्यवसाय है। हर साल गर्मियों और उसके बाद त्योहारों के सीजन में यह कारोबार खूब चलता है। लेकिन इस बार लगातार बारिश से सैलानियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। नाव एसोसिएशन के अध्यक्ष राम सिंह ने बताया कि अभी तो दो महीने से घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। हालात वैसे हो गए हैं जैसे 25 साल पहले नैनीताल का कारोबार हुआ करता था। उस समय संसाधन सीमित थे और पर्यटन की सुविधाएं भी कम थीं, लेकिन आज इतनी व्यवस्थाओं के बावजूद काम ठप है। कहा कि बारिश और आपदा के डर से लोग नैनीताल आना ही नहीं चाहते। इससे करीब 300 से ज्यादा नाव व्यवसायियों का जीवन संकट में है।

नैनीताल में रविवार को झील के पास खाली पड़ी नौकाएं। ● अमृत विचार

कुमाउनी-हिमाचली परिधान के कारोबारी भी परेशान

नैनी झील किनारे कुमाउनी और हिमाचली वस्त्र किराए पर देने ओर फोटो खींचने वाले व्यापारी भी नुकसान झेल रहे हैं। कारोबारी गुड्डू फोटोग्राफर ने बताया कि काम न होने से दिक्कतें बढ़ गई हैं। पहले रोजाना फोटो खिंचवाने वाले ग्राहक आते थे, लेकिन अब तो कभी-कभार ही कोई सैलानी दिख जाता है।

स्थानीय रोजगार पर भी छाया संकट

नैनीताल का लगभग आधा आर्थिक ढांचा पर्यटन पर टिका हुआ है। नाव, होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी, गाइड और बाजार के छोटे कारोबार – सभी की आमदनी का स्रोत सैलानी ही हैं। लेकिन लगातार बारिश और आपदा जैसी खबरों ने पर्यटकों की संख्या को बेहद कम कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून के तीन महीने उनके लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रहते हैं, लेकिन इस बार स्थिति और भी खराब है।

सरकार से मदद करने की अपील

नाव और शहर के छोटे व्यवसायियों का कहना है कि सरकार को विशेष पैकेज की घोषणा करनी चाहिए ताकि इस कठिन समय में उन्हें राहत मिल सके। नाव व्यवसायी संघ के अध्यक्ष राम सिंह और गुड्डू फोटोग्राफर ने कहा कि सरकार यदि मुआवजा या आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए तो इस दौर से उबरने में मदद मिलेगी।

नैनीताल में रविवार को नजर नहीं आई पर्यटकों की आवाजाही। ● अमृत विचार

सुनसान नजर आए सरोवर नगरी के पर्यटन स्थल

नैनीताल, अमृत विचार : सरोवर नगरी नैनीताल वीकेंड पर सैलानियों की चहल-पहल से गुलजार रहती है। लेकिन इस रविवार पर्यटकों की संख्या काफी कम रहने से व्यवसायी बेहद निराश नजर आए। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल मॉल रोड, ठंडी सड़क, नैना देवी मंदिर परिसर, बोटिंग प्वाइंट और स्नो व्यू प्वाइंट पर आम दिनों की तुलना में बहुत कम भीड़ देखी गई। स्थानीय व्यापारियों और होटल संचालकों ने बताया कि इस बार वीकेंड पर पर्यटक न आने से कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ा है। होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट्स में जहां सामान्यत : वीकेंड पर पूरी बुकिंग रहती थी, वहीं इस बार अधिकतर कमरे खाली रहे। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि बदलते मौसम, नैनीताल में महंगी कर पार्किंग और टोल गेट के कारण नैनीताल में पर्यटकों की संख्या घटी है। वहीं, स्थानीय निवासियों का कहना है कि हाल के दिनों में पार्किंग और ट्रैफिक जाम की समस्या से परेशान होकर भी पर्यटक यहां आने से बच रहे हैं।

डीडीए में शामिल करने से भड़के छोई के ग्रामीण

क्षेत्र को विकास प्राधिकरण के दायरे से बाहर करने की मांग उठाई

विकास प्राधिकरण के खिलाफ नारेबाजी करते छोई के ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : ग्राम छोई क्षेत्र में जिला विकास प्राधिकरण लागू होने पर रविवार को कांग्रेस नेता भुवन पांडे के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए बैठक की। ग्रामीणों ने कहा कि जिला विकास प्राधिकरण ग्रामीण क्षेत्र में लागू होने पर ग्रामीणों को बहुत अधिक नुकसान होगा। उन्होंने बैठक करके विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने कहा कि अगर जिला विकास प्राधिकरण यहां लागू होता है तो वह उसके खिलाफ सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में सोमवार को रामनगर विधायक दीवान सिंह बिष्ट से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग मुलाकात करेंगे और उनके माध्यम से एक ज्ञापन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजा जाएगा। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से विकास प्राधिकरण को हटाने की मांग की है।

इस दौरान कांग्रेस नेता भुवन पांडे, क्षेत्र पंचायत सदस्य भूपेंद्र कुमार, क्षेत्र पंचायत सदस्य पर्वत लटवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य पियूष बिष्ट, रघुवर सिंह रावत, दारा सिंह लटवाल, भारत सिंह नेगी, गोविंद पांडे, बब्लू बिष्ट, राजू लटवाल, इंदर सिंह लटवाल, शेर सिंह लटवाल, मोहित जोशी, देवेंद्र सिंह फर्त्याल, युवा कांग्रेस नेता चांद खान आदि मौजूद रहे।

अब हिटो हिट एप से बुक कराएं ऑटो

रामनगर, अमृत विचार: नगर एवं रामनगर में बीस किलोमीटर के दायरे में अब लोगों को ऑटो का इंतजार नहीं करना करना पड़ेगा। मोबाइल पर क्लिक होते ही ऑटो लोगों के दरवाजे पर खड़ा हो जाएगा। रामनगर में हिटो हिट एप लॉन्च किया गया। एप को लांच करते हुए दीपक पांडे ने कहा कि ये उत्तराखंड का पहला ऐप है जिसके जरिए ओला व ऊबर की तरह आपको चंद मिनटों में ऑटो की सर्विस मिल जाएगी।

यह एप उत्तराखंड राज्य परिवहन द्वारा एप्रूव है। पांडे ने बताया कि यह एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर संचालित किया जा सकता है। साथ ही इसमें उत्तराखंड परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क ही देना होगा। अभी तक 27 ऑटो चालक इससे जुड़ चुके हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा के जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत ने कहा कि इस एप के जरिए लोगों का काफी समय और पैसा दोनों बचेगा। विशिष्ट अतिथि प्रभात ध्यानी ने कहा कि आज उत्तराखंड को इस तरह के एप के नितांत आवश्यकता है। इससे रोजगार में भी वृद्धि होगी। और लोगों का स्तर भी बढ़ेगा। इस दौरान उमेश चंद्र पांडे, रमेश पांडे, रमेश जोशी आदि मौजूद रहे।

गाजा में हो रहे नरसंहार के विरोध में नेतन्याहू का पुतला फूंका

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में नेतन्याहू का पुतला दहन करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: इजराइल द्वारा गाज़ा पर किये गये हमले के दो साल पूरे होने पर इंकलाबी मज़दूर केंद्र द्वारा स्पोर्ट्स क्लब, रामनगर में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। साथ ही इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को युद्ध अपराधी बताते हुए उनका पुतला फूंका।

"साम्राज्यवाद, युद्ध और गाज़ा नरसंहार" विषय पर आयोजित इस विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि अमेरिकी साम्राज्यवाद के संरक्षण में इजराइल द्वारा हमास को ख़त्म करने के नाम पर गाज़ा में भयंकर नरसंहार किया जा रहा है। गाज़ा में पिछले दो साल में इजराइली बमबारी और गोलीबारी में आधिकारिक तौर पर ही करीब 70 हज़ार लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा होने का अनुमान है। अमेरिकी हथियारों की मदद से अंजाम दिए गए इस नरसंहार में मरने वालों में बड़ी संख्या बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। गाज़ा पट्टी के 95 प्रतिशत स्कूल और अस्पताल बमबारी से नष्ट हो चुके हैं। वहां भूख के कारण और इलाज के अभाव में भी बड़ी संख्या में लोग मर रहे हैं। वक्ताओं ने इस नरसंहार के लिए बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की मांग की।

वक्ताओं ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ में 153 देशों ने स्वतंत्र फिलिस्तीनी राष्ट्र के पक्ष में अपना मत दिया है, जिनमें भारत भी शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय दबाव पर अमेरिका और इजराइल अभी भले ही हमास के साथ युद्ध विराम समझौते को तैयार हो गये हैं, लेकिन इजराइल ऐसे दो समझौते पहले भी तोड़ चुका है। वक्ताओं ने भारत सरकार से इज़राइल से सभी संबंध ख़त्म करने की मांग की।

वक्ताओं ने कहा कि पिछले ढाई साल से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी असल में रुसी और अमेरिकी साम्राज्यवादियों के बीच जारी युद्ध है और यूक्रेन इसमें एक मोहरा भर है। गोष्ठी के उपरांत लखनपुर चुंगी पर बेंजामिन नेतन्याहू का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में इंकलाबी मज़दूर केंद्र के कमल वर्मा, भुवन आर्या, उबैदुल हक व इंदरलाल, उपपा के महासचिव प्रभात ध्यानी व मो. आसिफ, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिम्वाल व गीता आर्या, विमला देवी, आनंदी देवी व नंदी देवी, प्रीति छिम्वाल व प्रीति आर्या आदि रहे।

पंजाब में मदद के लिए पहुंचे रामनगर के किसान। ● अमृत विचार

पंजाब में राहत सामग्री बांटकर लौटा किसानों का दल

रामनगर, अमृत विचार : यहां भारतीय किसान यूनियन टिकैत की युवा शाखा के जिला अध्यक्ष किसान नेता रमनदीप सिंह संधू के नेतृत्व में पीरुमदारा से आधा दर्जन किसानों का प्रतिनिधि मंडल पंजाब में बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए राहत सामग्री वितरित कर लौट आया है। किसान यूनियन की युवा शाखा के जिलाध्यक्ष रमनदीप ने बताया कि पंजाब में अधिकांश लोगों के घर क्षतिग्रत हुए है जिन्हें सुधारे जाने का सिलसिला जारी है। इस बार पीरुमदारा से गए किसानों ने जन सहयोग से एकत्र धनराशि से साढे सत्रह सौ लीटर डीजल बाढ़ प्रभावित किसानों को सुपुर्द किया। यही नहीं प्रभावित क्षेत्र के दूरस्थ इलाकों में जाकर 21 किसानों को प्रति व्यक्ति पच्चीस हजार की नगद धनराशि प्रदान की। रमनदीप सिंह संधू ने कहा कि नवंबर प्रथम सप्ताह में हम एक बार फिर गेहूं की फसल की तैयारी के लिए खाद बीज और पेस्टीसाइड लेकर पंजाब जांएगे। बाढ़ प्रभावित किसानों को खाद, बीज, उर्वरक और डीजल की अत्यंत आवश्यकता है।

उत्तराखंड को बचाने के लिए उक्रांद जरूरी

संवाददाता, कोटाबाग

कोटाबाग में उक्रांद में शामिल लोगों का स्वागत करते प्रदेश अध्यक्ष पूरन सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड क्रांति दल के प्रदेश अध्यक्ष पूरन सिंह कठैत के कोटाबाग में पहली बार आगमन पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में कई युवाओं को उन्होंने यूकेडी की सदस्यता दिलाते हुए कहा कि आज भाजपा-कांग्रेस से जनता त्रस्त हो गयी है उत्तराखंड को बचाने के लिए यूकेडी की सरकार जरूरी है।

रविवार को रामलीला मैदान स्यात में यूकेडी प्रदेश सह प्रभारी युवा प्रकोष्ठ सूरज मनराल की अध्यक्षता आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष कठैत का का फूलमालाओं से स्वागत किया।उन्होंने पूर्व क्षेपंस मनोज बिष्ट सहित दर्जनों युवाओं को यूकेडी की सदस्यता दिलायी।कठैत ने कहा बीत 25 सालों में भाजपा व कांग्रेस ने राज्य को लूटने का काम किया है। सरकारें पहाड़ों से लोगों का पलायन करा रही हैं ताकि पहाड़ों में उद्योगपतियों को बसा कर हमारी संस्कृति को खत्म किया जा सके। अपनी संस्कृति व धरोहर को बचाने के लिए नौजवानों को आगे आना होगा। सूरज मनराल ने कहा कि आज कालाढूंगी विधान सभा में विकास के नाम पर सिर्फ घोषणाएं रह गयी हैं। धरातल पर विकास शून्य है। इस दौरान केन्द्रीय संगठन मंत्री भुवन सिंह बिष्ट, केन्द्रीय महामंत्री सुशील उनियाल, केन्द्रीय यूथ प्रभारी कमल जोशी, कर्नल सुनील कोरनाल, नंदन नेगी, गोविन्द अधिकारी, सुमित जलाल, प्रेमा देवी, जीवन्ती देवी, मोहनी देवी, आलोक बिष्ट, भोला बिष्ट, भूपेन्द्र अधिकारी, गौरव बोहरा, नंदन सिंह, दिवेश मनराल, कमल नयन जोशी, गोविन्द सिंह, कन्हैया लाला साह, नवीन साह, पवन साह, यशपाल आर्य, मदन मोहन रहे।

नैनीताल में बच्चों ने उकेरे प्रतिभा के रंग

संवाददता, नैनीताल

अमृत विचार: रविवार को शारदा संघ संगीत विद्यालय की ओर से डीएसए मैदान में 55वीं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 6 वर्गों टाईनी टोटस-नर्सरी व केजी, सब जूनियर कक्षा तीन से पांच, मिडिल कक्षा नौ व दस, मिनी कक्षा एक व दो, जूनियर कक्षा छः से, सीनियर कक्षा 11 व 12 में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नैनीताल बैंक के मैनेजर सुनील कुमार साह, विधायक सरिता आर्या, विशिष्ठ अतिथि पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल, जहूर आलम रहे। शारदा संघ के महासचिव घनश्याम लाल साह ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता में इस वर्ष कोई थीम नहीं रखी गई। छात्रों को अपनी इच्छा से पेंटिंग बनाने की स्वतंत्रता दी गई। कार्यक्रम का संचालन हेमंत बिष्ट ने किया। इस मौके पर कला और संस्कृति के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले डॉ. दुर्गा लाल साह, घनश्याम लाल साह, भुवन चंद्रलाल साह को सम्मानित किया गया। शारदा संघ संगीत विद्यालय के छात्रों ने उत्तराखंड के कुमांऊनी नृत्य, पंजाबी और गुजराती नृत्य प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में एक हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया। घनश्याम लाल साह ने बताया कि 16 अक्तूबर को विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इस दौरान डीएस बिष्ट, मनोज बिष्ट गुड्डू, भुवन चन्द्रलाल साह रहे।

पल्स पोलियो अभियान का किया विधायक सरिता आर्य ने शुभारंभ

- विधायक ने बच्चों को पिलाई जीवन रक्षक पोलियो की खुराक

संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ करतीं विधायक सरिता आर्य।

अमृत विचार: बीडी पाण्डेय हॉस्पिटल में रविवार को पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ विधायक सरिता आर्य ने किया। उन्होंने फीता काटकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की और स्वयं बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर इस जन-स्वास्थ्य अभियान की शुरुआत की।

इस अवसर पर विधायक सरिता आर्य ने कहा कि "पोलियो जैसी बीमारी से देश को पूरी तरह मुक्त रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हर माता-पिता को अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंदें अवश्य पिलानी चाहिए।

कार्यक्रम में पीएमएस डॉ. तरुण टम्टा, डॉ. संजीव खर्कवाल, डॉ. द्रौपदी गर्बियल, जानकी कनवाल, विद्या शुक्ला, विमल चौहान, पुष्पा वर्मा, गीता, शालिनी, कमल कुंजवाल, दुर्गा टम्टा और मनमोहन कनवाल, मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की, विकास जोशी, निखिल बिष्ट मंडल मंत्री एवं उपाध्यक्ष, मयंक पंत, विक्रम राठौर, ज्योति ढौंडियाल, भारत मेहरा, कविता गंगोला, अमिता साह आदि रहे।

पहल | ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल परिसर में एलुमनाई मीट 2025 का किया गया आयोजन

पुराने साथियों से मिलकर याद किए बीते हुए सुनहरे पल

संवाददाता भीमताल

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर में एलुमनाई मीट 2025। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर में आयोजित एलुमनाई मीट 2025 पुराने साथियों के पुनर्मिलन, हंसी और यादों के रंगों से सराबोर रही।

कार्यक्रम की शुरुआत विवि के निदेशक सेवानिवृत कर्नल अनिल नय्यर ने भावनात्मक संबोधन से हुई। उन्होंने सभी एलुमनाई को विश्वविद्यालय की उस प्रेरणादायक यात्रा से अवगत कराया, जब ग्राफिक एरा एक छोटे से कंप्यूटर सेंटर के रूप में आरंभ हुआ था और आज यह एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के रूप में स्थापित है। इस दौरान आयोजित यादों की सैर (कैंपस वॉक) ने सभी के दिलों में पुरानी यादों की बयार बहा दी। एलुमनाई अपने पुराने कक्षाओं, गलियारों और बगीचों में घूमते हुए उन अनमोल पलों को याद करने लगे, जब यही स्थान उनकी हंसी, दोस्ती और सपनों का केंद्र था। हर कोना जैसे बीते दिनों की कहानियाँ सुना रहा था।

इस दौरान उत्तराखंड की पारंपरिक पहाड़ी व्यंजनों का विशेष आयोजन किया गया, जिसने छात्रों को अपने कैंटीन के दिनों की याद दिला दी। इसके बाद "कहानियां और किस्से" शीर्षक एलुमनाई वार्ता सत्र में एलुमनाई ने अपने जीवन अनुभव और सफलता की कहानियां साझा कीं। इस अवसर पर कुमाऊं संस्कृति एवं विरासत केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा तैयार विशेष कॉफी टेबल बुक का विमोचन ग्राफिक एरा समूह के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) कमल घनशाला, पूर्व महानिदेशक प्रो. (डॉ.) आरसीएस मेहता, तथा डॉ. कमलेश जोशी, प्राचार्य, एपीएस रानीखेत एवं निदेशक, भीमताल परिसर ने संयुक्त रूप से किया। यह पुस्तक कुमाऊं की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित थी। रंगमंच सांस्कृतिक संध्या एवं ओपन माइक कार्यक्रम ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। एलुमनाई और वर्तमान विद्यार्थी एक साथ मंच पर उतरे और संगीत, गीत, नृत्य से सभी का मन मोह लिया। ग्राफिक एरा समूह के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) कमल घनशाला ने एक प्यार का नगमा है और ओ राही ओ राही जैसे प्रसिद्ध गीत प्रस्तुत किए। संचालन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की डॉ. निधि भट्ट पंत ने किया

सिटी ब्रीफ

नेत्र शिविर में 100 से ज्यादा लोगों ने लिया भाग

हल्द्वानी : नारायणी सेवा समिति, नारायणी सेना और ज्योति नेत्रालय की ओर से हीरानगर में नेत्र शिविर का आयोजन हुआ। नेत्र शिविर में डॉ. विभोर समेत अन्य डॉक्टरों ने लोगों के नेत्र जांच की। नारायणी सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष रूद्राक्ष सिंह बिष्ट में सौ से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि आंखों में दिक्कत होने पर अपनी ओर से कोई भी दवा न डालें बल्कि इसके लिए नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें। इस दौरान राजीव, कांग्रेस पार्टी प्रदेश सचिव राजेंद्र सिंह बिष्ट, युवराज सिंह संधू, महक चावला, भावेश बिष्ट, प्रवीण मेलकानी थे।

डॉ. अंबेडकर चेतना दिवस 14 को मनाएगा

हल्द्वानी : स्वाभिमान जागरण मंच की ओर से 14 अक्तूबर को डॉ भीमराव अंबेडकर के चेतना दिवस पर स्वाभिमान के प्रतीक रूपी प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक समीर आर्य ने बताया कि यह देश का पहला अनुसूचित जाति का सर्वदलीय प्रतिनिधि सभा पहली बार हल्द्वानी में होने जा रही है। इस कार्यक्रम के आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए मंच की ओर से रविवार को नैनीताल रोड स्थित गार्डन में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में इंदर पाल, भुवन आर्या, दिनेश आर्य, अरविंद आर्या, सुमित कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

मांग को लेकर 56वें दिन धरना जारी

हल्द्वानी : बागजाला गांव में आठ सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 56वें दिन भी जारी रहा। धरना दे रहे ग्रामीण मालिकाना हक देने, निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाने, पंचायत चुनावों के अधिकार बहाल करने, विकास कार्य शुरू करने और पेयजल योजना चालू करने जैसी मांगों पर अड़े हुए हैं। धरने को संबोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव डॉ. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों को आवास का हक और अधिकार देने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गरीबों को नोटिस थमाकर डराने का काम कर रही है। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि करीब दो माह से अधिक समय से ग्रामीण धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

सीवर-पेयजल कार्य में खराब सड़कें दुरुस्त करने के लिए 20 टीमें गठित

शहर के अलग-अलग वार्डों में सीसी निर्माण और सबसर्फेसिंग का किया जा रहा कार्य

यूयूएसडीए की ओर सड़क मरम्मत कार्य में जुटा रोड रोलर। ● अमृत विचार

बिठौरिया शिव शक्ति फेज 3 कालोनी में धरना देते स्थानीय लोग।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एडीबी सहायतित पेयजल व सीवरेज प्रोजेक्ट के तहत यूयूएसडीए की ओर से शहर की क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तेजी से की जा रही है। इसके लिए 20 टीमों को नियुक्त किया गया है जो अलग-अलग वार्डों में सीसी निर्माण और सबसर्फेसिंग (जीएसबी) का कार्य कर रही हैं। एजेंसी की ओर से अब तक 185 किमी सड़कों पर सीसी व डामरीकरण/सबसर्फेसिंग का कार्य हो चुका है, जिसमें 92 किमी स्थायी सड़क का पुनर्निर्माण शामिल है।

वार्ड 49 भट्ट कॉलोनी में सीसी सड़क, वार्ड 43 सत्या विहार और वार्ड 59 ड्रीम इंटरनेशनल स्कूल के पास बीटी सड़क का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। इसके अलावा वार्ड 5, 9, 34 से 40 तक सहित कुल 24 वार्डों की लगभग 93 किमी सड़कों पर सबसर्फेसिंग कर गड्ढा मुक्त किया गया है। वहीं, 35 किमी अतिरिक्त सड़कों को भी गड्ढा मुक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है।

नगर निगम कर रहा वार्डों की सड़कों की मरम्मत

नगर निगम की ओर से गड्ढों की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। निगम की ओर से शहर के विभिन्न वार्डों की 15 सड़कों की मरम्मत की जा रही है। जिसमें कुछ सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। डहरिया के सीएमटी कॉलोनी रोड हरिपुर सूखा में सड़के गड्ढों को टाइल्स से भर दिया गया है। एसटीएच लिंक रोड, दमुवाढूंगा ऑटो स्टैंड ऑटो स्टैंड के पास की सड़क, सुभाष नगर स्थित गंगा एन्क्लेव, अशोक टाउनशिप, बिठौरिया स्थित शिवालिक विहार, शारदा मार्केट अन्नपूर्णा विहार में मरम्मतीकरण पूरा हो चुका है। जबकि जय गोलू कॉलोनी भगवानपुर, साकेत कॉलानी नियर नटखट कॉलोनी, हीरा नगर स्थित जलवायु विहार, कठघरिया रोड स्थित पैंथन स्कूल के पास, हल्दीखाल रोड आदि में कार्य जारी है।

एचटी लाइन बिछाने का किया विरोध

हल्द्वानी : बिष्ट धड़ा बिठौरिया में महिलाओं और पहाड़ी आर्मी ने एचटी लाइन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे हमें परेशानी हो रही है, जिसका ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पहाड़ी आर्मी के महानगर अध्यक्ष भुवन पहाड़ी ने कहा कि विभागीय अधिकारियों के साथ ही नेताओं को जनता से बात करनी चाहिए। इसके बाद काम करना चाहिए। इस दौरान अंजलि भाकुनी, कीर्ति शर्मा, गीता बोरा, कविता बिष्ट, पार्वती बिष्ट, मंजू माझीला, राधा रावत आदि रहे।

सीजीएचएस पैनल में शामिल करने पर खुशी

हल्द्वानी, अमृत विचार : गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन, हल्द्वानी शाखा की मासिक बैठक अरुणोदय धर्मशाला में लीलाधर पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन महासचिव विजय तिवारी ने किया। बैठक की शुरुआत सामूहिक योगाभ्यास से हुई, जिसमें भस्त्रिका, कपालभाति, रेचक, अनुलोम-विलोम जैसे योग क्रियाओं का अभ्यास किया गया।

इसके बाद डीडी भट्ट, बीडी भट्ट, भगवत मेर, धर्मा नेगी, आरपी सिंह, एमएल साह, पीसी जोशी और लक्ष्मण गौनिया ने विविध मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। बैठक में राशिकरण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद प्रदेश सरकार के अस्पष्ट रुख पर असंतोष व्यक्त किया गया। वहीं, हल्द्वानी को सीजीएचएस पैनल में शामिल किए जाने पर खुशी जताई और इसे संगठन की बड़ी उपलब्धि बताया गया। साथ ही 7 नवंबर को बागेश्वर में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन और 17 दिसंबर को मनाए जाने वाले पेंशनर्स दिवस की तैयारियों पर चर्चा की। इस मौके पर आरएस कैड़ा, एनसी कांडपाल, बीडी पाठक, हरीश चंद्र आर्य, भुवन पांडे, सीएस मुनगली, योगेंद्र पांडे, कुंदन बंगारी, आनंद पाठक, गिरीश जोशी सहित अन्य पेंशनर्स उपस्थित रहे।

जवाहर नगर में लगे लाल निशान, लोगों में आक्रोश

जवाहर नगर में लाल निशान के खिलाफ प्रदर्शन। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

- आरोप, अमृत योजना के तहत लगाए हैं निशान

अमृत विचार: जवाहर नगर में आवासीय भवनों पर लाल निशान का स्थानीय लोगों और भीम आर्मी व अन्य संगठनों ने विरोध किया है। उन्होंने सरकार पर जनता को परेशान करने का आरोप लगाया।

अमृत योजना के अंतर्गत रेलवे ने जवाहर नगर में मंदिर मस्जिद और आवासीय भवनों पर लाल निशान लगा दिए हैं। भाकपा माले के जिला सचिव कैलाश पांडेय ने कहा कि सरकार को हम लोग विकास के लिए चुनते हैं, लेकिन सरकार विनाश कर रही है। विशिष्ट अतिथि केके बोरा ने कहा कि जब नेताओं को हमारा वोट लेना होता है तो हम वैध हो जाते हैं और जब हमें सुविधा देने का वक्त आता है तो हम अवैध हो जाते हैं। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान ने कहा कि सरकार आम जनता चुनती है, सरकार हमारी है और जब सरकार हमारी है तो यह जमीन भी हमारी है। अगर ऐसा न होता तो दिल्ली में सरकार झोंपड़ी की जगह पक्के मकान देने का वायदा न करती।

अन्य ने कहा कि सरकार अनेक तरह से गरीब लोगों को परेशान कर रही है, सत्यापन के नाम पर लोगों को परेशान किया जाता है। इस दौरान महेश चंद्र आर्य, पंकज आंबेडकर, जीतराम, आकाश भारती, हरीश लोधी, संजय कुमार टम्टा, नवीन मूलनिवासी, खीम चंद्र आर्य, राजू राजभर, नौशाद अहमद थे।

फिन स्विमिंग प्रतियोगिता के दौरान डाइव लगाते तैराक। ● अमृत विचार

उत्कृष्ट तैराक होंगे राष्ट्रीय टीम में शामिल

हल्द्वानी, अमृत विचार : इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित तरणताल में रविवार को राज्य स्तरीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से करीब 90 तैराकों ने भाग लिया और 25 प्रतिस्पर्धाओं में अपना दमखम दिखाया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तैराक आगामी राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के ऑब्जर्वर ए पंडित व हरियाणा अंडरवाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र रंधावा भी मौजूद रहे। निर्णायक मंडल में मोहम्मद रेहान सिद्दीकी, गौरव चंद, ललित बोरा, संजय धपोला, दीपक शाही, व प्रियंका आदि शामिल रहे। उत्तराखंड फिनस्विमिंग संघ के अध्यक्ष अनिल दीप महल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और इस सफल आयोजन के लिए महासचिव लेफ्टिनेंट रेहान सिद्दीकी व उनकी टीम को बधाई दी।

हीरानगर में हुआ नेत्र शिविर का आयोजन

हल्द्वानी, अमृत विचार: नारायणी सेवा समिति और ज्योति नेत्रालय ने मिलकर रविवार को हीरानगर स्थित योगा पार्क के पास वृहद नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विभोर की ओर से आमजन की नेत्र जांच की गई और नेत्र स्वास्थ्य से जुड़े उपयोगी सुझाव दिए गए।

नारायणी सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष रूद्राक्ष सिंह बिष्ट ने बताया कि शिविर पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें 100 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। कार्यक्रम में ज्योति नेत्रालय के अध्यक्ष राजीव व कांग्रेस प्रदेश सचिव राजेन्द्र सिंह बिष्ट की विशेष उपस्थिति और सहयोग रहा। शिविर में युवराज सिंह संधू, महक चावला, भावेश बिष्ट, प्रवीण मेलकानी, सक्षम खाती, कौशिक, भव्य भंडारी व हर्ष रहे।

वुडलैंड्स सेकेंडरी स्कूल में साइंस एग्जिबिशन ऑन व्हील का आयोजन

संवाददाता, हल्द्वानी

वुडलैंड्स स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षका।

अमृत विचार: वुडलैंड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को विज्ञान विषय पर आधारित एक अनूठा आयोजन किया गया। साइंस एग्ज़िबिशन ऑन व्हील नामक इस कार्यक्रम का आयोजन चिल्ड्रन साइंस सेंटर (सीएससी), इंदौर और ईशान शेखर फाउंडेशन (आईएसएफ), उत्तराखंड के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वीके सक्सेना, कमल शर्मा और अलका सक्सेना रहे, जिन्होंने छात्रों को विज्ञान के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद छात्रों ने विज्ञान के विभिन्न मॉडलों और प्रयोगों का अवलोकन किया। आयोजन का मुख्य आकर्षण रही मोबाइल साइंस बस, जिसमें छात्रों ने वैज्ञानिक सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझा। मैजिक शो के जरिये उन्हें जादू के पीछे छिपे विज्ञान से परिचित कराया गया। प्लैनेटेरियम शो के माध्यम से अंतरिक्ष की यात्रा कराई गई। वहीं, शनिवार को आयोजित आकाश दर्शन सत्र में छात्रों ने टेलीस्कोप से तारों और ग्रहों का अवलोकन कर ब्रह्मांड की सुंदरता को देखा। छात्रों ने विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को रोचक व सरल रूप में समझते हुए अपनी जिज्ञासा, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को और मजबूत किया।

नशे में फर्राटा भरने वाले 16 गिरफ्तार

हल्द्वानी, अमृत विचार : त्योहारी सीजन और सड़कों पर भीड़भाड़ को देखते हुए पुलिस का ड्रंक एंड ड्राइव अभियान तेजी से चल रहा है। एक बार फिर जिले के तमाम थानाक्षेत्रों में पुलिस ने आलाधिकारियों की निगरानी में अभियान चालाया और शराब पीकर वाहन चलाने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचाया।

एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से ऐसे 16 वाहन चालकों को गिरफ्तार किया गया, जो नशा करके वाहन चला रहे थे। इन्हें गिरफ्तार करने के साथ ही उनके वाहनों को भी सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 245 लापरवाह चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 23 वाहन सीज किए गए और 74,000 रुपए का जुर्माना जमा कराया गया।

रेडियो वार्ता से बढ़ाई जागरूकता

संवाददाता, हल्द्वानी

यूओयू में आयोजित रेडियो कार्यक्रम के दौरान मौजूद शिक्षक-शिक्षिकाएं।

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से आयोजित सूचना के अधिकार पर साप्ताहिक जनजागरूकता अभियान रविवार को संपन्न हुआ।

5 अक्टूबर से शुरू हुए कार्यक्रम के अंतर्गत हैलो हल्द्वानी 91.2 एफएम पर विशेष रेडियो वार्ताओं की श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसकी पहुंच ऐप और यूट्यूब चैनल के माध्यम से देश-विदेश तक रही। इस दौरान ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को आरटीआई अधिनियम की जानकारी देकर उसकी उपयोगिता समझाई गई। उल्लेखनीय है कि यूओयू देश का एकमात्र विवि है जो सूचना के अधिकार पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित करता है। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने सफल आयोजन पर स्कूल ऑफ लॉ की टीम को बधाई देते हुए कहा कि सूचना का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है।

निबंध, वाद-विवाद व पोस्टर प्रतियोगिता

महिला कॉलेज में 5 से 12 अक्टूबर तक आरटीआई सप्ताह आयोजन के अंतर्गत निबंध, वाद- विवाद, पोस्टर प्रतियोगिता हुई। साथ ही छात्रों की ओर से नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रियंका कांडपाल प्रथम, साक्षी फुलोरिया द्वितीय और शगुन तृतीय स्थान पर रहीं। वाद- विवाद प्रतियोगिता में मेघा (बीकॉम प्रथम सेमेस्टर) ने प्रथम, कल्पना पंत ने द्वितीय, वंशिका सागर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में भूमिका रौतेला प्रथम, खुशी साहू द्वितीय और प्रियंका कांडपाल और ज्योति पांडे तृतीय स्थान पर रहीं। इस मौके पर डॉ. श्वेता बिश्नोई, डॉ. विभा पांडे, डॉ. रितु सिंह, डॉ. नीता शाह, डॉ. प्रभा साह आदि रहीं।

कुमाऊं द्वार महोत्सव शुरू आज पहुंचेंगे सीएम धामी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में कुमाऊं द्वार महोत्सव का आगाज हो चुका है। आयोजकों ने रविवार को इसे लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की। आज (सोमवार) छोलिया नृत्य, लोकगायकों की प्रस्तुति के साथ ही नन्हीं कलाकार वैदेही की प्रस्तुति होगी। आज के कार्यक्रम में सीएम पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि रहेंगे।

कार्यक्रम के आयोजक गोविंद दिगारी ने बताया कि 14 अक्टूबर को स्टारनाइट में लोकगायक इंदर आर्या अपने गीतों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगे। कार्यक्रम के समापन दिवस यानी 15 अक्टूबर को लोकप्रिय गायक पवनदीप राजन अपनी प्रस्तुति देंगे। वह लोकगीतों के साथ ही बॉलीवुड के गीतों की प्रस्तुति भी देंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न तरह के स्टॉल भी लगाए गए हैं। जहां लोग खरीदारी कर सकते हैं। उन्होंने कलाकारों का उत्साह बढ़ाने और अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की। इस दौरान लोकगायक राकेश खनवाल, इंदर आर्या आदि मौजूद रहे। इधर, शाम को आयोजित कार्यक्रम में लोकनृत्य प्रतियोगिता हुई, जिसमें सीनियर वर्ग में मोहित विजेता जबकि जूनियर वर्ग में वैष्णवी भगत विजेता बनीं। इसके साथ ही पिथौरागढ़ के छोलिया कलाकारों की ओर से सोर घाटी पर आधारित प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया।

पल्स पोलियो बूथ का किया उद्घाटन

हल्द्वानी, अमृत विचार: राजकीय महिला अस्पताल में पल्स पोलियो बूथ का उद्घाटन हुआ। प्रथम दिन कई बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। उद्घाटन कुमाऊं स्वास्थ्य निदेशक डॉ. केके पांडे ने किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता अनिवार्य तौर पर अपने बच्चों को पोलियो की खुराक दें।

अस्पताल की सीएमएस डॉ. कांता किरण ने कहा कि महिला अस्पताल बड़ा टीकाकरण और पल्स पोलियो बूथ का केंद्र है। इस दौरान राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ कुलदीप मर्तोलिया, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय कुमार शर्मा, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश चंद्र जोशी, डॉ. मीनाक्षी सुमन, डॉ. निधि गोस्वामी, सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी अमित चौहान, वैक्सीनेटर शोभा टम्टा, नीमा नेगी रहे।

दिवाली उत्सव में खुशियां बांटतीं क्लब की सदस्याएं। ● अमृत विचार

इनर व्हील क्लब ने मनाया दिवाली उत्सव

हल्द्वानी, अमृत विचार : इनर व्हील क्लब राइजिंग स्टार ने रविवार को उत्साहपूर्वक दीवाली उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर क्लब की ओर से मां गायत्री फाउंडेशन को एलपीजी सिलेंडर दान स्वरूप भेंट किया गया, साथ ही जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, खिलौने और स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में क्लब की सदस्यों ने व्यवसायिक स्टॉल्स लगाकर अपने कौशल व उद्यमिता का प्रदर्शन किया, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला। उत्सव के दौरान संगीत, खेल, मनोरंजन और पुरस्कार वितरण जैसी गतिविधियों के माध्यम से दिवाली की खुशियां साझा की गईं। क्लब की ओर से सभी को सामाजिक समर्पण और उत्सव की भावना से दीवाली मनाने का संदेश दिया गया।

छात्रों को दी सुरक्षित निवेश की जानकारी

हल्द्वानी, अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सहयोग से फाइनेंशियल लिटरेसी एंड अवेयरनेस विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला में स्मृति पचौरी ने प्रतिभागियों को निवेश से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों, बाजार के मौलिक सिद्धांत और स्मार्ट निवेश रणनीतियों के बारे में बताया। बताया कि युवा निवेशक कैसे कम जोखिम में बेहतर निवेश निर्णय ले सकते हैं और वित्तीय धोखाधड़ी से बच सकते हैं। यहां डॉ. नवल किशोर लोहनी, डॉ. रोहित जोशी प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी आदि मौजूद रहे।

डॉ. राममनोहर लोहिया को किया याद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

डॉ. राम मनोहर लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित करते अब्दुल मतीन सिद्दीकी व सपाई।

अमृत विचार : महान समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की 58वीं पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। सपा प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी के कार्यालय, 17-आज़ाद नगर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए और लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने कहा, डॉ. राममनोहर लोहिया एक सच्चे और पक्के समाजवादी थे। उन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में महात्मा गांधी के नेतृत्व में एक मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्हें भविष्यदृष्टा बताते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव और देश-विदेश के भावी राजनैतिक स्वरूप के बारे में उन्होंने जो भी भविष्यवाणियां की थीं, वे लगभग सभी सही साबित हुईं। उनमें अन्याय व अत्याचार का विरोध करने का साहस बचपन से ही था। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलकर ही मुलायम सिंह यादव ने समाजवाद की अलख जगाई थी और अब अखिलेश यादव समाजवाद का झंडा बुलंद किए हुए हैं। गोष्ठी में जावेद सिद्दीकी, अरशद अय्यूब, जावेद मिकरानी, अलीम अंसारी, उमैर मतीन, इस्लाम मिकरानी, रेहान मलिक, संजय गुप्ता, आसिम सिद्दीकी, अनवर हुसैन, जाहिद खान, विक्की खान, दीपक अग्रवाल, सरताज अंसारी, एडवोकेट जावेद अहमद, नाजिम सलमानी, अथर खान, मोहम्मद अनस, मोहम्मद अरशद, अजहर मलिक आदि मौजूद रहे।

सड़क व फुटपाथ से हटाया अतिक्रमण

हल्द्वानी, अमृत विचार : त्यौहारों के मद्देनजर नगर निगम ने अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। सहायक नगर आयुक्त के नेतृत्व में गठित टीम ने रविवार को कालाढूंगी रोड, मुखानी रोड सहित प्रमुख बाजार क्षेत्रों में अभियान चलाया।

टीम ने सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाया और लगातार अनाउंसमेंट करते हुए लोगों से अपील की कि वे फुटपाथ को अवरुद्ध न करें। साथ ही, वाहन चालकों को सही ढंग से वाहनों की पार्किंग के निर्देश दिए गए ताकि जनता को कोई परेशानी न हो। निगम की ओर से यह अभियान त्यौहारों के दौरान सुचारु यातायात और पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए चलाया जा रहा है।

मेहंदी कैंप लगाकर दिया स्वरोजगार का संदेश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सेवा भारती उत्तराखण्ड प्रान्त हल्द्वानी इकाई की ओर से करवाचौथ पर्व के उपलक्ष्य पर 8 से 10 अक्टूबर तक मेहंदी कैंप का आयोजन किया गया। जिसके तहत शहर व आसपास के कुल 19 स्थानों पर बहनों ने एक-दूसरे के हाथों में मेहंदी लगाई। सरस मार्केट, कालूसिद्ध मंदिर, रेलवे बाजार, कृष्णा होटल, होली ग्राउंड, राजपुरा, तिकोनिया, शीश महल, नरिमन चौराहा, कुसुमखेड़ा, ऊंचापुल, जीतपुर नेगी, चौफला चौराहा समेत विभिन्न क्षेत्रों में लगे कैंपों में करीब 5 हजार से अधिक बहनों ने मेहंदी लगवाई। इस आयोजन के लिए सेवा भारती ने पिछले तीन माह से तैयारी की थी और 110 बहनों को मेहंदी का प्रशिक्षण दिया गया। पर्व के दौरान 82 बहनों ने मेहंदी लगाने का कार्य किया, जिससे लगभग 2 लाख रुपये की आय हुई। इस अवसर पर क्षेत्र सेवा प्रमुख धनी राम ने कहा कि ऐसे आयोजन बहनों को आत्मनिर्भर बनाते हैं और पर्व की गरिमा को बनाए रखते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला अध्यक्ष आनंद सिंह भाकुनी, उपाध्यक्ष हेमा पांडे, मंत्री सुदर्शन राणा, कोषाध्यक्ष गौरव गुप्ता, सह मंत्री जगदीश बृजवासी व सीमा राणा, लक्ष्मी मौर्य, प्रिया पंवार, रुद्राक्षी, यशिका, आकांक्षा, प्रियंका ने सहयोग दिया।

परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया

हल्द्वानी, अमृत विचार: संस्कार भारती की ओर से रविवार को नैनीताल रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में दीपावली परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति के माध्यम से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को जागृत करना रहा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर प्रचारक प्रभाकर, जिला प्रचारक जितेन्द्र व संस्था पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत संस्कार भारती ध्येय गीत का गायन किया गया। कार्यक्रम में प्रभाकर जोशी, डॉ. महेश पांडे, विभाषना पांडे और युक्तिदा पांडे ने नृत्य, शास्त्रीय गायन और काव्य पाठ की प्रस्तुतियां दीं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,13 अक्टूबर 2025

रुद्रपुर

स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने किया विशाल पथ संचलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजन, संघ से जुड़ी शाखाओं के स्वयंसेवकों ने दिया अनुशासन का परिचय

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सरस्वती शिशु मंदिर बाजपुर से रविवार को विशाल पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन में संघ से जुड़ी शाखाओं के स्वयंसेवकों ने अनुशासन और उत्साह के साथ भागीदारी की।

कार्यक्रम के दौरान पांचों बस्तियों विवेकानंद बस्ती में जिला कार्यवाह राजीव कौशिक, शिवाजी बस्ती में सह जिला कार्यवाह सुमित, माधव बस्ती में विभाग सेवा प्रमुख अरविंद राव, केशव बस्ती में जिला प्रचारक सौरभ, अभिमन्यु बस्ती में पूर्व बीजेपी संगठन मंत्री संजय मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। यह संचलन सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल से प्रारंभ हुआ और नगर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ श्रीराम भवन धर्मशाला परिसर में जाकर संपन्न हुआ। मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पथ संचलन के दौरान बैंड-बाजे की धुन पर पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर पूर्व सांसद बलराज पासी, जिला संचालक हरीश सक्सेना, नगर संघ चालक सुशील चालक, सह नगर संघ चालक आलोक गुप्ता, नगर कार्यवाह रोहित बंसल, महंत विकासनाथ महाराज, मंजीत सिंह राजू, राजेश कुमार, गौरव शर्मा, यशपाल राजहंस, सुखदेव सिंह नामधारी, सुरेंद्र नामधारी, गोविंद, जगदीश पांडेय, विकास गुप्ता, तनिकेत पासी, पियूष बंसल, सुरेंद्र जैन, जितेंद्र पासी, प्रबल राज पासी, तनिष्ठ पासी, जानू शुक्ला आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में निकले पथ संचलन में शामिल आरएसएस के स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

दिनेशपुर में ध्वज प्रणाम करते स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शिवाजी बस्ती में कार्यक्रम संपन्न

खटीमा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, शिवाजी बस्ती का विशेष कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कंजाबाग में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सौ से अधिक स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कंजाबाग में एक निजी प्रतिष्ठान में कार्यक्रम अध्यक्ष ढिल्लू राणा राणा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रमेश ओली ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और डॉन करने का अवसर है। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने संघ के शताब्दी वर्ष को समाज सेवा, संस्कार और संगठन विस्तार का वर्ष बनाने का संकल्प लिया। पूरा कार्यक्रम अनुशासन, उत्साह और सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन अमर सिंह मौनी और हेमन्त बसेड़ा ने किया।

राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटा है स्वयंसेवक संघ

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विजय दशमी उत्सव पर शस्त्र पूजन व पथ संचलन कार्यक्रम आयोजन किया। दौरान संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर आनंदखेड़ा प्रखंड स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष संघ का पंच परिवर्तन अभियान पूरे वर्ष भर चलेगा।

रविवार की शाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने नगर में पथ संचलन निकाला गया। इस दौरान अपने बौद्धिक में मुख्य वक्ता सहप्रांत प्रचारक चंद्रशेखर ने कहा कि संघ राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटा है। उन्होंने कहा की भारत की संस्कृति का गौरवमय इतिहास रहा है। आनंदखेड़ा प्रखण्ड की ओर से खुदीराम बोस स्टेडियम से पथ संचलन की शुरुआत हुई, जो आईटीआई से मुख्य बाजार, सुभाष चन्द्र बोस चौक, पंजाबी गली से नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए संचलन वापस स्टेडियम पर आकर समाप्त हुआ। इस दौरान सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासित नजर आए। इससे पहले खुदीराम बोस स्टेडियम में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सुबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की ने अपने संबोधन में कहा कि संघ की स्थापना 1925 में देश को अंग्रेजों से मुक्त कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए हुई थी। वर्तमान में संघ समाज में राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटा है। इस मौके पर गदरपुर संघ संचालक गोकुल खेड़ा, जिला मंत्री राजेंद्र सिंह मेहरा, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, नपं पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, पूर्व जिपंस मोहन सिंह पानू, इंद्रजीत मंडल, भोला शर्मा, नारायण शाहा, अमित नारंग, देव कुमार, विश्वजीत मंडल, राजेश नारंग, जिला प्रचारक भरत, मोहन खोलिया, विजय मंडल आदि सहित सैकड़ो स्वयंसेवक मौजूद रहे।

बताशे के कारखाने में की छापेमारी

- लाइसेंस व साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त पायी

संवाददता, रामनगर

अमृत विचार: आगामी दीपावली के पर्व के चलते एसडीएम प्रमोद कुमार व सीओ सुमित पांडे व फूड इंस्पेक्टर असलम खान की संयुक्त टीम ने गुलरघट्टी में मो. इकराम के बताशे के कारखाने का औचक निरीक्षण किया। मौके पर लाइसेंस व साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त पायी गयी।

टीम को व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं। अधिकारियों ने कारखाना मालिक को कारखाने में सीसीटीवी व अग्निरोधक यंत्र लगाने के निर्देश दिए। साथ ही बताशे की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि मौके पर कारखाने का बारीकी से निरीक्षण किया गया और साफ-सफाई के साथ-2 बताशे बनाने में उपयोग किए जाने वाले मसालों को जांचा गया। कारखाना स्वामी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर एसडीएम प्रमोद कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित पांडेय, वरिष्ठ खाद्य निरीक्षक असलम खान, वरिष्ठ उपनिरीक्षक मो युनुस, एसआई धर्मेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल तालिब हुसैन, कांस्टेबल संजय सिंह, चालक धर्मवीर सिंह, होमगार्ड संजय गोस्वामी, प्रशान्त आदि मौजूद रहे।

बताशा कारखाने का निरीक्षण करते एसडीएम। ● अमृत विचार

मृत्यु के बाद दो लोगों को रोशनी दे गए हरिओम

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: वसुधैव कुटुम्बकम् काशीपुर के तत्वावधान में क्षेत्र में 26वां नेत्रदान संपन्न हुआ।

शनिवार मध्य रात्रि हरिओम अग्रवाल के देहावसान के पश्चात उनके सुपुत्र नीरज अग्रवाल ने नेत्रदान की सहमति प्रदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। हरिओम अग्रवाल के नेत्रदान से दो नेत्रहीनों के नेत्र प्रकाशित होंगे और उनके प्रियजन उनकी स्मृति को अमरत्व प्रदान करेंगे। वसुधैव कुटुम्बकम काशीपुर के दायित्वधारियों की देखरेख में रुद्रपुर से आई टीम ने कागजी औपचारिकता पूरी कर

- वसुधैव कुटुम्बकम संस्था ने कराया नेत्रदान

ब्रह्मलीन हरिओम अग्रवाल के शरीर से दान की गई आंख की ऊपरी परत (कॉर्निया) प्राप्त कीं। संस्था के अध्यक्ष विकास जैन ने नेत्रदानी अग्रवाल परिवार का आभार व्यक्त किया और परम पिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की चिर शांति की प्रार्थना की। इस कार्य में संस्था के सदस्य अक्षत गोयल का विशेष सहयोग रहा। वसुधैव कुटुम्बकम् काशीपुर के अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि वसुधैब कुटुम्बकम् क्षेत्र के लोगो में नेत्रदान के लिये जागृति लाने को प्रयासरत है।

विवाहिता को पेट्रोल डालकर जलाया

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार : हरिद्वार जनपद के रोशनाबाद के गांव में ससुराल पक्ष द्वारा भारती नाम की विवाहिता को कथित तौर पर जिंदा जलाने के मामले का राज्य महिला आयोग ने संज्ञान लिया है।

उत्तराखंड राज्य महिला आयोग द्वारा जारी बयान के अनुसार, पीड़िता की बहन द्वारा जानकारी दी गयी कि शादी के शुरुआती महीने सामान्य रहे, परंतु इसके बाद भारती को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता की बहन ने बताया कि परिवार की ओर से कई बार समझौते के प्रयास किए गए, लेकिन अत्याचार रुकने का नाम नहीं लिया। पिता ने शिकायती

- 80 फीसदी तक झुलसी, महिला आयोग ने अपनाया कड़ा रुख

पत्र में आरोप लगाते हुए बताया कि विगत 24 सितम्बर को बेटी को जन्म देने के बाद से भारती पर अत्याचार और बढ़ गए। उसे गाली-गलौज, मारपीट और मारने तक की धमकी दी गयी। आरोप है कि बीती 11 अक्टूबर को पति और उसके ससुराल वालों ने कथित रूप से पेट्रोल डालकर भारती को जिंदा जला दिया, जिससे वह 80 प्रतिशत तक झुलस गई और गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती है।

उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि, इस मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल को तुरंत और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यह अत्यंत निंदनीय और मानवता को झकझोर देने वाली घटना है। किसी भी कीमत पर आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे। हर दोषी को कानून के तहत कठोरतम सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है, साथ ही हरिद्वार पुलिस को निर्देशित किया है कि किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाए, यह मामला महिला सुरक्षा और न्याय की कसौटी बने। थानाध्यक्ष सिडकुल ने जानकारी दी कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पीड़िता का उपचार एम्स ऋषिकेश में चल रहा है। मामले की उच्चस्तरीय जांच की जा रही है।

प्रथम कुमाऊं कप फुटबॉल स्पर्धा का शुभारंभ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के डीएसए मैदान में नगर पालिका मनोरंजन क्लब की ओर से आयोजित प्रथम कुमाऊं कप फुटबॉल प्रतियोगिता का रविवार को नगर पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल ने शुभारंभ किया। उद्घाटन मैच अयारपाटा व यूके बॉयज के मध्य खेला गया जिसमें दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं।

आयोजकों ने बताया कि सोमवार (आज) से प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 50 हजार रुपये नगद व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 25 हजार रुपये व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। यहां उदघोषक दीपक कुमार, रेफरी मो.अयूब, देवेन्द्र बोरा व ब्रजेश बिष्ट और स्कोरर जनक बिष्ट रहे। इस दौरान भारतीय शहीद सैनिक स्कूल के प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता, सभासद मनोज साह जगाती समेत खीमराज देऊपा, डॉ मनोज सिंह बिष्ट, ललित मोहन पांडे, प्रतियोगिता के अध्यक्ष गोपाल सिंह नेगी, सचिव विलाल अली समेत हंसा दत्त बहुगुणा, मो. आरिफ , मोहन सिंह चिलवाल, विकास टांक, मंजीत सहदेव, अजय साह, मोहित लाल साह, रोहित भाटिया, मो.असलम, अमित टांक, रितेश कपिल, आशु भारती, दयाल सिंह, आनंद कार्की, सुरेश सनवाल, सुरेश कांडपाल, रवि जोशी, अनिल लाल, दीपक कुंवर, राजेन्द्र उप्रेती तथा नवीन जलाल आदि मौजूद रहे।

नैनीताल में कुमाऊं कप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करतीं पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल। ● अमृत विचार

आरटीआई कानून को किया जा रहा कमजोर

देहरादून : उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष करन माहरा ने सूचना का अधिकार अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ पर रविवार को कहा कि कांग्रेस का संकल्प, पारदर्शिता और जवाबदेही की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि, डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार और सोनिया गांधी के नेतृत्व में 12 अक्टूबर 2005 को ऐतिहासिक सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम अस्तित्व में आया। यह यूपीए सरकार के अधिकार-आधारित एजेंडा की पहली कड़ी थी, जिसके अंतर्गत मनरेगा (2005), वन अधिकार अधिनियम (2006), शिक्षा का अधिकार (2009), भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवज़ा का अधिकार अधिनियम (2013) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) जैसे ऐतिहासिक कानून शामिल रहे। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य शासन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना था।

विकास व पर्यावरण को पूरक बनाएं

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल गुरमीत सिंह ने रविवार को दून विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस के 24वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया।

राज्यपाल ने कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय असंतुलन और असमान विकास जैसी चुनौतियों के स्थायी समाधान और नई दिशा की तलाश में है। ऐसे समय में यह सम्मेलन केवल एक अकादमिक विमर्श नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक चेतना, साझी जिम्मेदारी और पर्यावरणीय जागरूकता का सशक्त आह्वान है। विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पूरक बनाना ही सच्चा सतत विकास है। कहा कि जलवायु परिवर्तन आज केवल वैज्ञानिक मुद्दा नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अति-दोहन इसके प्रमुख कारण हैं। इस संकट से निपटने के लिए केवल नीतियां या तकनीक पर्याप्त नहीं होंगी, बल्कि हमें जीवनशैली में परिवर्तन, जनसहभागिता और प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहकर नीतियां बनानी होगी। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रख्यात विद्वानों ने विभिन्न सत्रों में सामाजिक कल्याण, अर्थशास्त्र, रोजगार, उद्योग, कृषि, तकनीकी, पर्यावरण और नगरीकरण जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष एस. महेंद्र देव, नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद मौजूद रहे।

दून विवि में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

1.18 करोड़ के नशीले पदार्थ जब्त

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में 'नशा मुक्त देवभूमि अभियान' के तहत पिछले 24 घंटे के दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों से 1.18 करोड़ के स्मैक, गांजा और अन्य नशीले पदार्थ बरामद करने के साथ चार नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है।

एएनटीएफ कुमाऊं और ऊधमसिंह नगर जिले की नानकमत्ता पुलिस ने रविवार को एक तस्कर को गिरफ्तार कर करीब 45 लाख रुपये की स्मैक बरामद की है। एएनटीएफ और नानकमत्ता पुलिस ने ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 151.17 ग्राम स्मैक बरामद की। आरोपी की पहचान बलदेव सिंह निवासी गुलाब सिंह का मजरा, कैलाखेड़ा के रूप में हुई। आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसने नानकमत्ता निवासी प्रिंस सिंह से हेरोइन प्राप्त की थी। आरोपी की मां सुरेंद्र कौर उर्फ जमुना के खिलाफ पहले से ही नानकमत्ता पुलिस स्टेशन में स्मैक तस्करी का मामला दर्ज है।

नयी टिहरी में मुनिकारेती पुलिस ने अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े एक तस्कर को गिरफ्तार करीब 201 ग्राम स्मैक बरामद की है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 60 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान योगेश मित्तल उर्फ योगेश गुप्ता निवासी रुड़की के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह स्मैक शहजाद अली निवासी लंढौरा, हरिद्वार से लेकर आया था और इसे आगे बेचने की फिराक में था। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। अल्मोड़ा पुलिस ने एक कार से साढ़े तेरह लाख रुपए का गांजा बरामद किया। हालांकि आरोपी चालक तस्कर फरार होने में कामयाब हो गया।

हरिद्वार में लक्सर पुलिस ने मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली दवाओं की आपूर्ति करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी समीर अली एवं आरिफ को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से 168 अवैध नशीले कैप्सूल, नकदी एवं मोबाइल फोन बरामद किए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी आरिफ मेडिकल स्टोर की आड़ में युवाओं को नशीली दवाएं बेचता था। दोनों के खिलाफ धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

कंपनियों में आईटीआई प्रशिक्षित युवतियों की मांग बढ़ी

हल्द्वानी : राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में हुनरमंद युवतियों की भारी मांग है। अशोक लीलैंड, बजाज, हैवल्स, नेस्ले जैसी प्रमुख कंपनियों को प्रशिक्षित आईटीआई पास लड़कियों की आवश्यकता है, लेकिन उपलब्धता कम होने के कारण यह स्थिति उद्योगों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। बीते तीन महीनों में करीब 20 बड़ी कंपनियों ने 5,000 से अधिक आईटीआई प्रशिक्षित युवतियों की मांग रखी है। फिटर, टर्नर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, फैशन डिजाइनिंग टेक्नोलॉजी, कॉस्मेटोलॉजी, कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर एंड सेक्रेटेरियल असिस्टेंट, ड्राफ्ट्समैन जैसे ट्रेड में प्रशिक्षित युवतियों की सबसे अधिक मांग है। डाबर, अशोक लीलैंड, बजाज ऑटो, टाटा मोटर्स, रेकिट बेनकिसर इंडिया लिमिटेड, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, हैवेल्स, पैनासोनिक, डिक्सन और अंबर जैसी नामचीन कंपनियों में महिला प्रशिक्षुओं के लिए 5,000 से ज्यादा पद खाली हैं।

श्रीराम सेवक सभा के मनोज साह बने अध्यक्ष

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल की प्राचीनतम एवं प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था श्री राम सेवक सभा मल्लीताल की त्रिवर्षीय निर्वाचन प्रक्रिया रविवार को संपन्न हुई। यह चुनाव वर्ष 2025 से 2028 तक के कार्यकाल के लिए आयोजित किया गया।

निर्वाचन प्रक्रिया के प्रथम चरण में 15 सदस्यीय कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित हुई। इसके बाद द्वितीय चरण में हुई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक में सर्वसम्मति से मनोज साह को अध्यक्ष, अशोक साह को उपाध्यक्ष, जगदीश चंद्र बवाड़ी को महासचिव, राजेंद्र सिंह बिष्ट को उपसचिव, विमल चौधरी को प्रबंधक एवं बिमल कुमार साह को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त चंद्र प्रकाश साह, ललित साह, राजेंद्र बजेठा, राजेंद्र लाल साह, देवेंद्र लाल साह, कैलाश जोशी, भीम सिंह कार्की, मनोज साह मनदा एवं आलोक चौधरी कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए। बताते चले कि मनोज साह लगातार चौथी बार अध्यक्ष एवं जगदीश चंद्र बवाड़ी लगातार तीसरी बार महासचिव बने हैं। निवर्तमान पदाधिकारियों को भी दूसरे कार्यकाल के लिए आम सहमति से चुना गया। इस अवसर पर प्रो. ललित तिवारी, हरीश सिंह राणा, समाजसेवी प्रदीप जेठी, मोहित लाल साह, भूपेंद्र सिंह बिष्ट, गिरीश जोशी और कमलेश ढौंडियाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

नैनीताल में श्री राम सेवक सभा की नई कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

नौकरी करने गई युवती लापता, रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर : मुरादाबाद रोड स्थित एक अस्पताल में नौकरी करने गई युवती घर नहीं लौटी। पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। मानपुर रोड, मो. पक्काकोट, काशीपुर निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी 21 साल की पुत्री इमेज आई हॉस्पिटल, मुरादाबाद रोड में नर्स का कार्य करती है तथा रोजाना अस्पताल आती-जाती है। बताया कि उनकी पुत्री रोजाना सात बजे घर आती थी लेकिन 28 सितंबर की शाम वह अस्पताल से वापस नहीं आयी। बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री को अपने रिश्तेदारों में भी बहुत तलाश किया किन्तु वह नहीं मिली है। उन्होंने पुलिस से उनकी पुत्री को तलाश करने की गुहार लगाई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज उसकी तलाश शुरु कर दी है।

रुपए न देने पर कुत्ते से कटवाया, बाद में समझौता

हल्द्वानी : पहले से ही विवादों में रहने वाले एक पेट्रोप पंप कर्मी के बेटे ने एक और घटना को अंजाम दे डाला। एक दुकानदार के रुपये न देने पर उसने न सिर्फ दुकान में तोड़फोड़ की बल्कि अपने पिटबुल डॉग से भी कटवा दिया। मामला पुलिस तक पहुंचा और बाद में मामले में समझौता हो गया। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि टीपीनगर चौकी क्षेत्र में एक दुकान है। वायरल वीडियों में पीड़ित दुकानदार कह रहा है कि एक पेट्रोप पंप मालिक का बेटा उनकी किराए की दुकान पर पहुंचा।

कृषि मेले नवाचार व ज्ञान के आदान-प्रदान का माध्यम

मुख्यमंत्री धामी ने किया पंतनगर विवि में किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन, संवाद कार्यक्रम को किया संबोधित

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को पंतनगर विश्वविद्यालय में आयोजित 118वें अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। सीएम ने विवि द्वारा उत्पादित नवीन दलहनी प्रजातियों का लोकार्पण और पंतनगर प्रवाह पुस्तक का विमोचन किया।

मेले में आयोजित रजत जयंती राज्य स्थापना गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के किसान मेले और कृषि प्रदर्शनी में 400 से अधिक स्टॉल्स में से 200 से अधिक स्टॉल देश के विभिन्न राज्यों से आए कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्योगों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों द्वारा लगाए गए हैं। ऐसे आयोजन मात्र कृषि उत्पादों और यंत्रों के प्रदर्शन तक सीमित नहीं होते, बल्कि ये किसानों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों के बीच ज्ञान, अनुभव और नवाचार के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम भी होते हैं। इस प्रकार के कृषि मेलों के माध्यम से जहां एक ओर हमारे किसान भाई एक ही स्थान पर नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक यंत्रों और नई शोधों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, वहीं उन्हें विशेषज्ञों के अनुभवों से सीखने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी मिलता है।

पंतनगर विवि में पुस्तक का विमोचन करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और साथ में मौजूद कुलपति व विधायक। ● अमृत विचार

किसान हित में सरकार ने यह किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसानों को तीन लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज के उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि उपकरण खरीदने को फार्म मशीनरी बैंक योजना के माध्यम से 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। हमने किसान हित में नहरों से सिंचाई को पूरी तरह मुफ्त करने का काम किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पॉलीहाउस के निर्माण हेतु 200 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान भी किया है। जिसके अंतर्गत अब तक राज्य में लगभग 115 करोड़ रुपए की सहायता से करीब 350 पॉलीहाउस स्थापित किए जा चुके हैं। हम गेहूं खरीद पर किसानों को 20 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस दे रहे हैं, वहीं गन्ने के रेट में भी 20 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की है। हमने उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये की लागत से उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन-फेड फार्मिंग प्रोजेक्ट भी स्वीकृत किया है। कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा, त्रिलोक सिंह चीमा, सुरेश गाड़िया, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

वक्ताओं ने रखे विचार

पंतनगर : इस अवसर पर प्रदेश में नकल विरोधी कानून और समान नागरिक संहिता पर संवाद कार्यक्रम में इन दोनों विषयों पर जीबी पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की छात्रा पूजा जोशी ने समान नागरिक संहिता, नीति शर्मा ने किसान मेले की प्रगति एवं छात्र निध अवस्थी ने नकल विरोध कानून पर अपने विचार साझा किए जबकि स्मृद्धि किसान उत्पादक संगठन की सीमा रानी ने अपने सफल खेती के अनुभव साझा किए।

सीएम ने यह खास बातें कहीं

- आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक विधियों से खेती को बनाएं अधिक उत्पादक, टिकाऊ और लाभकारी।
- प्रदेश के किसानों के लिए तीन लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण, 80% तक सब्सिडी पर कृषि उपकरण उपलब्ध।
- नहरों से सिंचाई पूरी तरह मुफ्त, पॉलीहाउस निर्माण के लिए 200 करोड़ का प्रावधान।
- गेहूं पर 20 रुपये प्रति क्विंटल बोनस, गन्ना मूल्य में 20 रुपये की वृद्धि।
- राज्य में 1000 करोड़ रुपये की लागत से 'उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन-फेड फार्मिंग प्रोजेक्ट' स्वीकृत।
- सेब, कीवी, मिलेट और ड्रैगन फ्रूट नीति से बागवानी को नई दिशा, 80% तक सब्सिडी का लाभ किसानों को।
- कृषि को विकास का प्रमुख इंजन मानते हुए किसान क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाई गई 5 लाख रुपये तक।

कुलपति ने जताया आभार

कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने यूसीसी व नकल विरोधी कानून लागू करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में विश्वविद्यालय शोध व प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। पूरे प्रदेश में इंटिग्रेटेड फार्मिंग पर कार्य किया जा रहा है। आज प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2 लाख 61 हजार हो गई है जो 26 प्रतिशत ग्रोथ रेट पर है। मेले में 507 स्टॉल लगाए गए हैं। अभी तक लगभग 20 हजार किसानों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

हाट बाजार में सामान खरीदने आईं तीन महिलाओं के पर्स चोरी

बाजपुर: साप्ताहिक हाट बाजार में सामान खरीदने आईं तीन महिलाओं के उचक्कों ने पर्स उड़ा दिए। पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। रविवार को नगर में साप्ताहिक हाट बाजार लगता है। दीपावली पर्व की तैयारियों में जुटे लोगों की बाजार में बड़ी संख्या में भीड़ जुट रही है। रविवार को बेरिया रोड पर लगे कपड़ा बाजार में खरीदारी करने पहुंची ग्राम चकरपुर निवासी सोनम पत्नी संजय एक दुकान पर कपड़ा खरीद रही थी। सोनम के अनुसार उसने थैले पर हाथ मारा तो उसका पर्स गायब था और थैले का कुछ हिस्सा कटा हुआ था। यह देख उसके होश उड़ गए। पर्स में 1200 रुपये के अलावा मोबाइल, आधार कार्ड आदि कागजात थे। इसी बीच पता चला कि सोनम की तरह की दो अन्य महिलाओं के पर्स भी गायब हो गए हैं। मामले को लेकर कोतवाली पहुंची सोनम ने लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की, जबकि दो अन्य पीड़ित महिलाएं शिकायत करने कोतवाली नहीं पहुंची। वहीं घटना की जानकारी के बाद पुलिस कर्मियों ने बाजार में चोरों की तलाश की, लेकिन उन्हें पकड़ पाने में सफलता नहीं मिल पाई है। पुलिस आसपास पक्की दुकानों व आवास में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

रुद्रपुर में बत्ती गुल गिरोह सक्रिय

- मीटर के तार चोरी को दे रहा अंजाम, हैंडलूम कारोबारी का काटा तार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : शहर में अभी बाइक चोरी की घटनाएं थमी भी नहीं थी कि अब इलाके में बत्ती गुल गिरोह सक्रिय हो गया है। गिरोह के सदस्य बड़ी-बड़ी दुकानों के विद्युत मीटर के महंगे तारों को काट लेते हैं और महज तार चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे ही सिविल लाइंस स्थित हैंडलूम कारोबारी की दुकान का भी मीटर तार चोरी हो गया। पुलिस ने घटना की जानकारी लेने के बाद तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सिविल लाइंस स्थित सुमित ठुकराल की हैंडलूम की बड़ी दुकान है।

घटनास्थल का मौका मुआयना करती पुलिस। ● अमृत विचार

रोजमर्रा की भांति जब रविवार की सुबह दुकान खोली, तो दुकान की बत्ती गुल थी। काफी देर तक फर्म स्वामी को यह समझ में नहीं आया कि विद्युत आपूर्ति ठप क्यों पड़ी है। जब पड़ताल की तो देखा कि फर्म के बाहर लगे विद्युत मीटर की महंगी कॉपर तार को काट कर चोरी कर लिया गया है, जबकि तार में हाईटेंशन विद्युत भी दौड़ रहा था। सूचना मिलने पर व्यापारी नेता संजय जुनेजा और आदर्श कॉलोनी पुलिसकर्मी भी घटनास्थल पहुंचे और जानकारी लेने के बाद आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। बताया कि इससे पहले भी दुकान के अलावा आसपास के इलाकों में तार चोरी की घटना हो चुकी है और चोरी को अंजाम नशेड़ियों का गिरोह कर रहा होगा।

पति पर गला दबाकर हत्या के प्रयास का आरोप

बाजपुर : ग्राम नंदपुर नरकाटोपा निवासी एक महिला ने अपने पति पर नशे की हालत में गला दबाकर हत्या का प्रयास करने एवं पिछले दो वर्ष से उसके साथ गाली-गलौज एवं मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका पति नशे का आदी है। कई बार समझाने के बावजूद वह नहीं सुधरा और आए दिन परिवार के साथ गाली-गलौज करता रहता है। आरोप है कि तीन अक्टूबर से लगातार तीन दिन तक उसके साथ मारपीट की गई। पांच अक्टूबर की सायं करीब छह बजे आरोपित शराब के नशे में धुत होकर घर आया और गाली-गलौज करने लगा, विरोध किया तो चुन्नी से गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। शोर सुनकर पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने मौके पर पहुंच गई जिसके चलते उसकी जान बच पाई। इतना ही नहीं पति ने पड़ोसी महिला के साथ भी छेड़छाड़ कर दी। अगले दिन वह अपने मायके चली गई।

धर्मांतरण प्रकरण की बदली गई जांच अधिकारी

- विहिप-बजरंग दल ने काटा जमकर हंगामा

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार:-धर्मांतरण प्रकरण में लापरवाही बरतने के खिलाफ विहिप और बजरंग दल भड़क गया और कोतवाली में प्रदर्शन कर महिला जांच अधिकारी को हटाने का मुद्दा उठाया। हंगामा काटते वक्त कार्यकर्ताओं का कहना था कि महिला दरोगा ने जांच में कोताही बरती और युवती को भटकने पर विवश किया। जांच अधिकारी को हटाने और अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद मामला शांत हुआ।

रविवार को हिंदूवादी संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कोतवाली में प्रदर्शन किया और हंगामा काटते हुए महिला जांच अधिकारी पर धर्मांतरण और फरेब प्रकरण में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि मुस्लिम युवक ने नाम व धर्म बदलकर युवती को प्रेमजाल में फंसाया। जबरन शारीरिक संबंध बनाने के बाद गोमांस और नमाज पढ़ा कर धर्मांतरण का भी दबाव बनाया। जब पीड़िता जांच अधिकारी नेहा राणा से गुहार लगा रही थी, उस वक्त महिला दरोगा ने जांच में कोताही बरती और पीड़िता को भटकने पर विवश किया। उन्होंने कोतवाल से तत्काल जांच अधिकारी बदलने और अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा उठाया। इस पर कोतवाल मनोज रतूड़ी ने थाना ट्रांजिट कैंप की महिला दरोगा नेहा ध्यानी को जांच अधिकारी नियुक्त किया। वहीं धर्मांतरण, हिंदू बताकर प्रेम जाल में फंसाने, शारीरिक संबंध बनाने के अभियुक्त अली खान हजरत नगर काशीपुर निवासी नजम बारसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मौके पर सुल्तान सिंह, जोगिंदर सिंह, रोहन भटनागर, सनी राठौर मौजूद रहे।

कोतवाली में प्रदर्शन करते विहिप व बजरंग दल कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

रुद्रपुर में पुतला फूंकते सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

फिलिस्तीन में नरसंहार के खिलाफ फूंका पुतला

रुद्रपुर : 12 अक्टूबर को इजरायल द्वारा फिलिस्तीन पर जारी नरसंहार के दो वर्ष पूरे होने पर इंकलाबी मजदूर संगठन और क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन के बैनर तले सिडकुल की यूनियनों, मजदूर संगठनों, सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने शहर स्थित गांधी पार्क में सभा की। इसके पश्चात इजरायली शासकों व अमरीकी साम्राज्यवाद का पुतला दहन किया गया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि दो वर्ष पूर्व आज ही के दिन इज़रायली जियनवादी शासकों ने फिलिस्तीन पर हमला कर दिया था। इजरायली जियनवादी शासकों का यह घृणित कृत्य 1948 से ही जारी है। इस मौके पर कैलाश भट्ट, दिनेश, सुरेन्द्र ,दुर्गा प्रसाद, मुकुल,धीरज जोशी, सावित्री, कृष्ण कुमार,राजेंद्र प्रसाद, हरेंद्र सिंह, विजय पाल, भानु भगवारदास,मंगलसैन, बाबू, राजकुमारी, प्रेम वती, राज श्री आदि मौजूद रहे।

मारपीट करने पर विवाहिता का गर्भपात

संवाददाता, किच्छा

- निकाह के ढाई वर्ष बाद विवाहिता को घर से निकाला
- दहेज लोभियों ने पीड़िता से की 5 लाख नगद और कार देने की मांग

अमृत विचार: दहेज लोभी ससुरालियों ने 5 लाख रुपये की नगदी और कार की डिमांड करते हुए विवाहिता को निकाह के ढाई वर्ष बाद धक्के मार कर घर से बाहर निकाल दिया। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर गर्भवती विवाहिता से आरोपियों द्वारा मारपीट किए जाने से उसका गर्भपात हो गया। कई बार विवाहिता को प्रताड़ित कर दहेज की मांग पूरी करने का दबाव बनाया गया। पीड़िता का आरोप है कि पति ने दहेज की मांग जल्द पूरी न होने पर प्रेमिका से निकाह करने की धमकी दी है। स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न किए जाने पर पीड़िता ने न्यायालय में शरण ली और अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने महिला के पति सहित सास -ससुर एवं देवर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर 7, मोहल्ला राजा मस्जिद, किच्छा निवासी मीना बेगम ने कहा कि उसका निकाह मुस्लिम रीति रिवाज से मोहल्ला सराय मौसी तिस्सुआ, थाना फतेहगंज, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश निवासी नसरुद्दीन के साथ 28 सितंबर 2022 को हुआ था। पीड़िता के अनुसार निकाह में मायके पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। बताया कि निकाह के कुछ समय बाद ही पति नसरुद्दीन, ससुर मुन्ने, सास भूरी बेगम एवं देवर अजरुद्दीन ने कम दहेज पर नाराजगी जाहिर करते हुए 5 लाख नगद और कार की डिमांड शुरू कर दी और छोटी-छोटी बात पर पीड़िता को परेशान एवं प्रताड़ित करने लगे। ससुरालियों का कहना था कि कम दहेज के कारण समाज में उनकी बदनामी हुई है। बताया कि सितंबर महीने में पीड़िता के गर्भवती होने की जानकारी पति एवं सास ससुर को दिए जाने के बाद उन्होंने बच्चों के जन्म से पूर्व दहेज की मांग पूरी होने तक मां बनने का फैसला लेने से मना कर दिया। आरोप है कि ससुरालियों ने पीड़िता पर कई बार गर्भपात कराने का दबाव बनाया और असफल होने पर नवंबर महीने में पति नसरुद्दीन सहित सास ससुर व देवर ने लात घूंसों से पीड़िता की पिटाई की और पेट में लात मारने के चलते पीड़िता का गर्भपात हो गया। ससुरालियों द्वारा कई बार उसके साथ मारपीट की गई और 28 मार्च 2025 को आरोपियों द्वारा पीड़िता के साथ मारपीट किए जाने के बाद ससुर ने अपना फोन देकर मायके पक्ष को फतेहगंज बुलाने को कहा। जिसके बाद पीड़िता ने अपने बहनोई रफीक के फोन पर मामले की जानकारी दी और 1 अप्रैल को पीड़िता की मां रहीसन बेगम, भाभी सबीना बेगम एवं बहनोई रफीक पीड़िता के ससुराल पहुंचे तथा आरोपियों ने पीड़िता को धक्के मारकर घर से निकाल दिया।

32.40 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर दबोचा

संवाददाता, रुद्रपुर

- पुड़िया बनाकर करता था होम डिलीवरी, आरोपी को न्यायालय में किया पेश

अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने रात्रि चौकसी के दौरान एक स्मैक सप्लायर को दबोच लिया और कब्जे से स्मैक भी बरामद की। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बगवाड़ा चौकी प्रभारी सुरेंद्र रिंगवाल पुलिस टीम के साथ रात्रि चौकसी कर रहे थे। जैसे ही वह बगवाड़ा मंडी पुलिया के नजदीक पहुंचे ही थे कि एक युवक सकपका कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम नदीम निवासी गांव शिमला माधोटांडा पीलीभीत बताया। तलाशी लेने पर 32. 40 ग्राम स्मैक भी बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह स्मैक का आदी है। ज्यादा पैसा व लत को पूर्ण करने के लिए स्मैक की पुड़िया बनाकर होम डिलीवरी करता है। बताया कि स्मैक यूपी में राह चलते व्यक्ति से खरीदी थी। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आक्रोश भाजपा पर तमाम गंभीर आरोप लगाते हुए वोट चोरी के मामले में जनता को जागरूक करने का संकल्प लिया

किच्छा में महिला कांग्रेस ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कांग्रेस राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर किच्छा में "वोट चोर - गद्दी छोड़" अभियान के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया। इस दौरान कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं ने भाजपा पर तमाम गंभीर आरोप लगाते हुए घर-घर जाकर वोट चोरी के मामले में जनता को जागरूक करने का संकल्प लिया।

महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुनीता कश्यप के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उधम सिंह नगर - नैनीताल लोकसभा क्षेत्र प्रभारी जया कर्नाटक एवं कांग्रेस की प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने शिरकत कर महिलाओं को जागरूक किया। आयोजित कार्यक्रम में महिला कांग्रेस द्वारा बनाए गए बड़े बैनर पर लोकसभा प्रभारी जया कर्नाटक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने हस्ताक्षर कर अभियान की शुरुआत की। लोकसभा प्रभारी जया कर्नाटक ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा पूरे देश में वोट चोरी के मामले में मुहिम छेड़ी गई है तथा बिहार में वोट चोरी कर भाजपा ने सत्ता हासिल कर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में जीवित मतदाताओं को मतदाता सूची में मृत घोषित कर दिया गया। जबकि मृत लोगों को जीवित दर्शाकर फर्जी रूप से वोटिंग करने का भाजपा ने अनैतिक कृत्य कर सत्ता हासिल की है। उन्होंने कहा कि सैकड़ो लोगों के नाम बिहार में मतदाता सूची से गायब मिले हैं। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा पूरे देश में जनता को भाजपा का असली चेहरा दिखाने के लिए हस्ताक्षर एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर चोरी के माध्यम से सरकार द्वारा युवाओं के भविष्य की चोरी की जा रही है, भाजपा शासन में आम जनता, किसान, व्यापारी एवं युवा वर्ग त्रस्त हो गया है तथा महिला सुरक्षा का दावा करने वाली भाजपा के शासन में महिला उत्पीड़न के मामले में इजाफा हुआ है और घटनाओं में भाजपाइयों की संलिप्तता सामने आई है। कार्यक्रम का संचालन महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता कश्यप ने किया। इससे पूर्व महिलाओं ने नगर आगमन पर लोकसभा प्रभारी जया कर्नाटक, प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा एवं युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष राधा आर्य का फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। मौके पर कांग्रेसी नेता ओमप्रकाश दुआ, शमा अरोड़ा, पुष्प लता, सुमन देवी, निशा सक्सेना, बलवीर कौर, पाखी कश्यप, रितु सिंह मौजूद रहीं।

किच्छा में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत करती लोकसभा प्रभारी एवं अतिथि।

युवा कांग्रेस का सदस्यता अभियान 9 नवंबर से होगा शुरू

काशीपुर : उत्तराखंड में युवा कांग्रेस का सदस्यता अभियान 9 नवंबर से 10 दिसंबर तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के साथ-साथ संगठन में चुनाव संबंधी प्रक्रिया भी चलेगी। चुनाव में कुल 6 पदों प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष तथा चार ब्लाक अध्यक्ष पर निर्वाचन की प्रक्रिया होगी। रविवार को प्रेस वार्ता कर युवा कांग्रेस संगठन द्वारा भेजे गए जिला प्रभारी विनय प्रताप सिंह भोपर ने यह जानकारी दी। बताया कि अभियान में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा सदस्यता ले सकेंगे और साथ ही वोट भी कर सकेंगे। सदस्यता के साथ ही वोटिंग प्रक्रिया भी संपन्न होगी। नामांकन प्रक्रिया 24 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक चलेगी। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव एवं पार्षद अब्दुल कादिर ने कहा कि काशीपुर विधानसभा क्षेत्र में हजारों युवाओं को युवा कांग्रेस से जोड़ा जाएगा।

कांग्रेस में शामिल लोगों को पटका पहनाते कांग्रेस प्रदेश सचिव नवतेज पाल सिंह।

कांग्रेस की सदस्यता ली, सरकार को नाकाम बताया

सितारगंज : सितारगंज में रविवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। कांग्रेस प्रदेश सचिव नवतेज पाल सिंह ने पटका पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलायी। हल्दुआ निवासी फतेह सिंह ने भी अपने साथियों व समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस नेता नवतेज पाल सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है। सरकार सभी वर्गों का भरोसा खो चुकी है। युवा रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। राज्य में नौकरियां बेची जा रही हैं। सिडकुल में भी स्थानीय युवाओं को रोजगार देने से मना किया जा रहा है। किसानों के साथ खुली लूट हो रही है। 12 दिन में सरकारी कांटों में तौल नहीं के बराबर हुई है। सरकारी अधिकारी व महकमे कार्यकर्ता की भांति कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में राज्य की जनता प्रदेश की भाजपा सरकार को उखाड़ फेकेगी। इस मौके पर एहसान मंसूरी, अजीम, सलीम, रवि कुमार, दीपराज आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

सिटी ब्रीफ

देव ने कबड्डी चैम्पियनशिप में किया प्रतिभाग

खटीमा : केआईटीएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के छात्र देव कश्यप को अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयी कबड्डी चैंपियनशिप में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय की टीम में खेलने का अवसर मिला। देव को प्रतिभाग करने का मौका मिलने पर खुशी का इजहार करते हुए मैनेजिंग डायरेक्टर कमल सिंह बिष्ट ने कहा कि हमारे कॉलेज के छात्र लगातार एसएसजे विश्वविद्यालय के खेलों में भाग ले रहे हैं।

नाबालिग वारंटी को दबिश देकर पकड़ा

बाजपुर : उच्चाधिकारियों के दिशा-निर्देश पर वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने वर्ष 2023 के किसी मामले में नामजद फरार चल रहे 17 वर्षीय नाबालिग को उसके घर मनवाला ठाकुरद्वारा मुरादाबाद उप्र में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है, जिसे रविवार को आरोपी को सक्षम न्यायालय में पेश किया गया है।

काशीपुर के रामलीला मैदान में लगा दीपावली मेला

महापौर दीपक बाली ने चैरिटी मेले का किया शुभारंभ, मेले में साड़ियां, सौन्दर्य, ज्वैलरी के स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : रामलीला परिसर में कुमायूं वैश्य महासभा महिला शाखा के तत्वावधान में दीपावली अवसर पर आयोजित चैरिटी मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर दीपक बाली ने दीप प्रज्ज्वलित और फीता काट कर किया। चैरिटी मेले में साड़ियां, सौन्दर्य, ज्वैलरी, सजावटी वस्तुओं समेत खाने पीने के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने हैं।

महापौर बाली ने स्टॉलों का भ्रमण किया। इस अवसर पर महासभा अध्यक्षा प्रीति अग्रवाल ने बताया कि यह चैरिटी मेला कन्याओं के विवाह तथा अन्य सामाजिक कार्यों के सहायतार्थ लगाया गया है। इस अवसर पर कुमायूं वैश्य महासभा महिला महामंत्री अनीता बंसल, कोषाध्यक्ष कविता गोयल, विमल अग्रवाल, सुधा जिंदल, सविता अग्रवाल, ऊषा संगल, आदर्श अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, केजीसीसीआई अध्यक्ष उद्यमी पवन अग्रवाल, एसपी गुप्ता, एसके अग्रवाल, सुशील बंसल, डॉ. एके गोयल आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में मेले का शुभारंभ करते महापौर दीपक बाली। ● अमृत विचार

खटीमा के दीपावली मिलन समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत करते आयोजक।

लायंस क्लब सिटी ने किया दीपावली मिलन समारोह

खटीमा : लायंस क्लब खटीमा सिटी द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां लक्ष्मी-गणेश की वंदना से किया गया। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गेम्स और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। क्लब अध्यक्ष हरमीक सिंह ने कहा कि क्लब का उद्देश्य समाजसेवा के साथ-साथ सद्भाव और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज और संगीत के साथ हुआ। इस अवसर पर क्लब सचिव विवेक अग्रवाल, विनीत गुप्ता, कोषाध्यक्ष राहुल कंसल, राजकुमार गुंबर, संजय गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, जितेंद्र बत्रा, अमित अग्रवाल, डॉ. विनोद कुमार, भुवन जोशी, इकबाल अहमद आदि उपस्थित रहे।

खटीमा में आयोजित दीपावली मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मन मोहा

खटीमा : भारत विकास परिषद् के तत्वावधान में दिव्यांगों के सहायतार्थ आयोजित चार दिवसीय दीपावली मेले के पहले दिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। वहीं मेलार्थियों ने स्टॉलों पर जमकर खरीदारी की। तराई बीज निगम के प्रांगण में शनिवार देर शाम मेले का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, परिषद के शाखा अध्यक्ष नीरज वर्मा, मेला चेयरमैन विशाल गोयल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। नगर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों सहित युवा कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। संचालन प्रांतीय महासचिव हरीश शर्मा और शाखा सचिव विवेक अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर प्रांतीय संरक्षक हरीश जोशी, शाखा संरक्षक अचल शर्मा, रोहिताश अग्रवाल, नीरज खन्ना, सुखजीत सिंह खिंडा, वरुण अग्रवाल, संजय कपूर, पवन उप्रेती, नीरज रस्तोगी, दीपक बत्रा, भुवन उप्रेती, सुनील रैदानी, संतोष अग्रवाल, विक्रम गुलाटी, संतोष अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, दलजीत सिंह खिंडा, अतुल अरोड़ा, चंचल अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, सुखजीत खिंडा, मंजू खन्ना, मंजू गोयल, अमृता महल, माला शाही, रितु बत्रा, ऋतु गुप्ता, नीता कपूर, रेणु वर्मा मौजूद रहे।

टनकपुर को हराकर फाइनल में पहुंची डायमंड क्लब की टीम

● स्वर्गीय शेर सिंह धामी स्मृति चतुर्थ फुटबाल प्रतियोगिता

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : स्वर्गीय शेर सिंह धामी की स्मृति में आयोजित चतुर्थ फुटबाल प्रतियोगिता का रविवार को पहला सेमी फ़ाइनल मैच टनकपुर और डायमंड क्लब के बीच खेला गया। जिसमें डायमंड क्लब ने 5-0 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया।

लोहियाहेड के गांधी मैदान में आयोजित मैच के पहले सेमीफाइनल मैच के लिए डायमंड क्लब खटीमा और टनकपुर की टीमें मैडम में उतरी। जहां मुख्य अतिथि डीएम चंपावत मनीष कुमार और स्वास्तिक अस्पताल में एमडी डॉ. विवेक अग्रवाल ने मैच का शुभारंभ करते हुए खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

डायमंड क्लब के खिलाड़ियों ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए पहला गोल किया। जिसके बाद मैच पूरी तरह इकतरफा रहा। डायमंड क्लब के खिलाड़ियों ने एक के बाद कुलपंच गोल कर टनकपुर की टीम को 5-0 से बुरी तरह रौंद दिया।। इस अवसर पर आयोजक जिपं सदस्य सागर सिंह धामी, गोविंद मेहता, रमेश जोशी, भगवान धामी, हरीश रुमाल, गुड्डू धामी आदि मौजूद रहे।

खटीमा के लोहियाहेड के मैदान में खेले गए फुटबॉल मैच का दृश्य। ● अमृत विचार

भतीजों पर खेत की मेढ़ काटने का आरोप

बाजपुर : बुजुर्ग किसान ने अपने ही भतीजों पर खेत की मेढ़ काटकर पेड़ लगाने, फसल को नुकसान पहुंचाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

पीड़ित ने पुलिस चौकी सुल्तानपुर पट्टी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।ग्राम हसनपुर उत्तरी, तहसील स्वार, जिला रामपुर (उप्र) निवासी चौखेलाल ने पुलिस को बताया कि उसका ग्राम पिपलिया, तहसील बाजपुर में 10 बीघा चार बिस्सा खेत है। आरोप है कि दो भतीजों ने खेत की मेढ़ काट दी और अपनी ओर सटाकर पेड़ लगा दिए हैं। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज की और मारपीट पर आमादा हो गए। बुजुर्ग किसान ने बताया कि आरोपियों ने उनकी खड़ी मक्के की फसल में ट्रैक्टर-ट्राली व हैरो निकालकर नुकसान भी पहुंचाया है।

कबड्डी में हरिद्वार, यूएस नगर फाइनल जीता

● 23वीं उत्तराखंड सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : 23वीं उत्तराखंड सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में ऊधम सिंह नगर, जबकि बालिका वर्ग में हरिद्वार की टीम ने फाइनल मुकाबला जीता।

समर स्टडी हॉल स्कूल में दो दिवसीय उत्तराखंड सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ सहोता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. रवि सहोता द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रथम सेमीफाइनल मैच बालिका वर्ग में ऊधम सिंह नगर व टिहरी के बीच खेला गया। जिसमें टिहरी टीम 46-40 से, दूसरा सेमीफाइनल मैच देहरादून व हरिद्वार के बीच खेला गया। जिसमें हरिद्वार की टीम ने 48-13 से विजय हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया।

बालिका वर्ग में फाइनल मैच हरिद्वार व टिहरी के बीच खेला गया। जिसमें हरिद्वार की टीम 54-21 से विजयी रही। वहीं बालक वर्ग में प्रथम सेमीफाइनल मैच देहरादून व पौड़ी के बीच खेला गया। जिसमें देहरादून 44-20 से, जबकि दूसरा सेमीफाइनल मैच टिहरी व ऊधम सिंह नगर के बीच खेला गया। जिसमें ऊधम सिंह नगर टीम ने 39-24 से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच देहरादून व ऊधम सिंह नगर के बीच खेला गया। जिसमें ऊधम सिंह नगर टीम ने 40-18 से जीत हासिल की। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में गुडमोहर शाह रेफरी इंचार्ज, प्रवीण टिहरी, आदेश डबराल देहरादून, प्रवीण चौहान देहरादून, नरेंद्र चौहान देहरादून, रवि राठी हरिद्वार, समीर हरिद्वार, सुमित कुमार हरिद्वार, शालिनी आर्य, विमल पांडे व पलक ऊधम सिंह नगर रहे। यहां पर नरेंद्र सिंह पूर्व उपाध्यक्ष कबड्डी एसोसिएशन, चेतन अरोरा, प्रदीप सपरा, अर्पण शर्मा, शशांक सिंह, डॉ. योगेश चौहान, मनु अग्रवाल मौजूद रहे।

काशीपुर में विजेता खिलाड़ियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

मिनी मैराथन में दौड़े छात्र

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : डीएवी पब्लिक स्कूल बाजपुर में रविवार को विश्व शांति, सद्भावना, सेवा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'रन फार डीएवी मिनी मैराथन' का आयोजन किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र अधिकारी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को हरी झंडी दिखाकर दौड़ के लिए रवाना किया। प्रातः आठ बजे शुरू हुई यह दौड़ डीएवी स्कूल से बेरिया रोड होते हुए शिवपुरी तक पहुंची। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ के दौरान बालिका वर्ग में तनु प्रिया त्यागी (कक्षा 11) प्रथम, दीपिका (कक्षा 10वीं) द्वितीय व जगदीप कौर (कक्षा 7) तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार बालक वर्ग में करण मौर्य (कक्षा 11) प्रथम, मनीष गढ़िया (कक्षा 12) द्वितीय व माधव शर्मा (कक्षा 11) तृतीय स्थान पर रहे। इस मौके पर प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र अधिकारी ने कहा कि रन फार डीएवी अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक संतुलन के साथ पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस मौके पर सागर भट्ट, गौरव शर्मा, प्रदीप नड्डा, आकाश यादव, अशोक शर्मा, मनप्रीत कौर, मीरा, हरीश द्विवेदी, निर्मला, हेमा पांडे आदि मौजूद रहे।

मिनी मैराथन में हिस्सा लेते डीएवी पब्लिक स्कूल की छात्राएं।

एग्रोवोल्टिक परियोजना का किया शुभारंभ

● मेयर दीपक बाली ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास के लिये मील का पत्थर साबित होगी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : बाजपुर रोड स्थित सत्येंद्र चंद गुड़िया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज में प्रदेश के पहले एग्रोवोल्टिक परियोजना का शुभारंभ कर बीज रोपे गये। इस दौरान मेयर दीपक बाली ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास के लिये मील का पत्थर साबित होगी। वहीं परिसर में खेल सप्ताह का भी शुभारंभ किया गया।

रविवार को संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के मध्य खेल सप्ताह का मेयर दीपक बाली, सीएसआईआर देहरादून के पूर्व निदेशक डॉ. अंजना रे एवं अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती संस्थान के संस्थापक स्व. सत्येंद्र चंद्र गुड़िया और संस्थान के प्रेरणा स्रोत स्व. पंडित नारायण दत्त तिवारी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

खेल सप्ताह के तहत आयोजित प्रतियोगिता में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, क्रिकेट, चेस, कैरम, रिले रेस, आर्म रेसलिंग, रस्सा काशी, एथलेटिक्स अन्य खेल आयोजित होंगे। वहीं संस्थान परिसर में प्रदेश के पहले एग्रोवोल्टिक परियोजना के लिए बीज रोपित कार्यक्रम आयोजित हुआ। आईआईपी देहरादून के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नीरज आत्रेय ने बताया कि सीएसआईआर देहरादून एवं भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रही है। इस परियोजना का उद्देश्य किसान की आय को दोगुना करना है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगभग 900 वर्ग फीट में सोलर पैनल भी लगाया गया है। जिसके नीचे खेती की जा रही है। इस प्रकार की योजनाओं से जहां एक ओर खेती को बढ़ावा मिल रहा है। वहीं जैविक ईंधन और इस्तेमाल करे हुए ईंधन से विभिन्न प्रकार की योजनाएं पूर्व में संचालित है अब यह परियोजना का शुभारंभ किया गया है। यह प्रदेश की पहली परियोजना है। संचालन संस्थान की प्राचार्य डॉक्टर निमिषा अग्रवाल ने किया। यहां डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय, लता शर्मा, मेजर मुनिशकांत शर्मा, उमेश जोशी एडवोकेट, निशित गुड़िया, महेंद्र लोहिया, विनोद मेहरोत्रा, राजेश कुमार एडवोकेट, संदीप चतुर्वेदी एडवोकेट, संजय भाटिया, डॉक्टर आरके सिंह, पूजा सिंह, अनुपम शर्मा, लवप्रीत सिंह, छात्र संघ अध्यक्ष जतिन शर्मा, गौरव अरोरा, इकबाल अदीब आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में एग्रोवोल्टिक परियोजना का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

कार्बेट रामनगर व डायमंड एफसी खटीमा फाइनल में

संवाददाता, खटीमा

● स्व. देवसिंह मेमोरियल तृतीय फुटबॉल टूर्नामेंट

● आज होगा मुकाबला, सेमीफाइनल में टनकपुर हारा

अमृत विचार : स्व. देवसिंह मेमोरियल तृतीय फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में कॉर्बेट एफसी रामनगर की टीम ने पेनाल्टी शूट में 4-2 से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसका मुकाबला आज डायमंड क्लब खटीमा से होगा।

टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल के कार्बेट एफसी रामनगर और टनकपुर एफसी के बीच खेला गया। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में दोनों ही टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। जिसके बाद पेनाल्टी शूट का सहारा लिया गया। जिसमें कार्बेट रामनगर ने टनकपुर को 4-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। डायमंड क्लब खटीमा पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी है। सोमवार को के कार्बेट और डायमंड एफसी के बीच फाइनल मुकाबला खेल जाएगा। रेफरी की भूमिका सुजीत, विशाल बत्रा और शुभम कन्याल ने निभाई। वहीं जानती को मैच का आंखों देखा हाल रंजीत मेहरा ने सुनाया। टूर्नामेंट में हेमचंद जोशी, केशव भट्ट, इंद्रनाथ गोस्वामी और डॉ. विवेक कुमार सक्सेना अतिथि रहे। इस अवसर प्रवीण भंडारी, कमल सामंत, आशु बिष्ट, पीयूष बोरा, प्रेम सिंह पोखरिया, गणेश धामी, रमेश खनका, राहुल भंडारी, चंद्रशेखर भट्ट, सुरेश चंद आदि मौजूद रहे।

आकर्षण

चौखुटिया के कलाकार मनीष ममगई ने शूर्पणखा का ऐसा सजीव अभिनय किया कि दर्शक भावविभोर हो उठे

हरिपुरा-हरसान की रामलीला में रावण ने किया सीता का हरण

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : पर्वतीय सांस्कृतिक विकास कला समिति हरिपुरा-हरसान द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में रविवार की रात चौखुटिया (अल्मोड़ा) के कलाकार मनीष ममगई ने शूर्पणखा का ऐसा सजीव अभिनय किया कि दर्शक भावविभोर हो उठे।

मंचन के दौरान शूर्पणखा ने जब श्रीराम और लक्ष्मण को रिझाने का प्रयास किया, तो लक्ष्मण ने उसकी नाक काट दी। प्रतिशोध में आए उसके भाई खर-दूषण भी श्रीराम-लक्ष्मण के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए। तत्पश्चात रावण ने भिक्षुक का वेश धारण कर माता सीता का हरण किया और रास्ते में आए जटायु का वध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान रामलीला समिति की ओर से राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा, डीएफओ रानीखेत संतोष कुमार पंत, वन क्षेत्राधिकारी टांडा रूपनारायण और वन क्षेत्राधिकारी बन्नाखेड़ा नवल किशोर कपिल को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हरसान ग्राम प्रधान उर्मिला पंत, हरिपुरा ग्राम प्रधान प्रमोद जोशी, समिति अध्यक्ष अशोक पंत, सचिव यशपाल कोरंगा, कोषाध्यक्ष प्रकाश जोशी, निदेशक चंद्र शेखर पंत, उपाध्यक्ष कुंदन बोरा, सचिव भागवत जोशी मौजूद रहे।

बाजपुर में हरिपुरा हरसान की रामलीला में शूर्पणखा के किरदार में मंचन करते चौखुटिया के मनीष।

खटीमा के कुटरी में लक्ष्मण द्वारा नाक काटे जाने की जानकारी रावण को देती सूर्पनखा।

रामलीला के छठे दिन भरत मिलाप से भाव विभोर हुए दर्शक

खटीमा : आदर्श रामलीला कमेटी कुटरी, नदन्ना, पचोरिया के तत्वावधान में कुटरी में आयोजित रामलीला के छठे दिन भरत मिलाप, शत्रुघ्न का मंथरा पर कुपित होने, सूर्पनखा नासिक छेदन, खर दूषण वध और सूर्पनखा द्वारा रावण दरबार के दरबार में पहुंचकर घटना से रावण को अवगत कराने के साथ हो लीला का मंचन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक भुवन कापड़ी ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों का अनुकरण करने से मौजूदा हालातों से निपटने का एक उचित माध्यम बताया। इस अवसर पर रमेश रौतेला, नरेन्द्र आर्य, देव बहादुर चंद, ग्राम प्रधान माया जोशी, बीडीसी नेहा जोशी, लक्ष्मी चंद, गीत ज्याला, माया चंद, प्रवीण सिंह बिष्ट, बसंत बल्लभ जोशी, नरेंद्र बिष्ट, पूरन जोशी, गोपाल बिष्ट आदि मौजूद थे।

काशीपुर में मंदिरों की सफाई करते हिंदू वाहिनी संगठन के लोग। ● अमृत विचार

हिंदू वाहिनी संगठन ने की मंदिर परिसरों की सफाई

काशीपुर : डी-बाली ग्रुप की मैनेजिंग डायरेक्टर एवं महापौर दीपक बाली की धर्मपत्नी उर्वशी दत्त बाली के मार्गदर्शन में हिंदू वाहिनी संगठन ने दीपावली के आगमन से पूर्व शहर के प्रमुख मंदिरों शनि मंदिर, नागनाथ मंदिर, मोटेश्वर महादेव मंदिर, मां बाला सुंदरी मंदिर, चामुंडा मंदिर में स्वच्छता अभियान चला कर मंदिर परिसरों की सफाई की। उर्वशी दत्त बाली ने कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज के बच्चों में सभी धर्मों के प्रति जागरूकता और सेवा की भावना फैलाने का संदेश है। इस अवसर पर मंदिरों की सफाई अभियान में लगे श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था सांसद प्रतिनिधि एवं भाजपा के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राहुल पैंगिया की ओर से की गई। यह अभियान हिन्दू वाहिनी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आनंद तिवारी और महामंत्री रुचिन शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया और सफाई अभियान की शुरुआत शनि मंदिर से की गई। यहां संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, मंत्री संचित मिश्रा, संगठन मंत्री महेन्द्र प्रताप सिसोदिया, मंत्री अभिषेक शर्मा, सचिव योगेश चौहान आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

सर्पदंश से पीड़ित सात वर्षीय बच्चे की उपचार के दौरान मौत

टनकपुर : नगर के आंबेडकर नगर निवासी एक बच्चे की सर्पदंश से मौत हो गई। शनिवार की रात सांप के काटने पर स्वजनों ने उसे उपचार के लिए आनन-फानन में उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उसने रविवार को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में दम तोड़ दिया। वार्ड नंबर तीन निवासी सात वर्षीय दीपक पुत्र राम लड़िते घर के बाहर आंगन में खेल रहा था। इस दौरान उसे सांप ने डस लिया। स्वजनों ने उसकी जान बचाने का भरसक प्रयास किया लेकिन बचा नहीं पाए।

कीटनाशक पदार्थ का सेवन करने से युवक की हालत गंभीर

टनकपुर : नगर के वार्ड नंबर पांच नई बस्ती निवासी एक व्यक्ति ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। उपचार के लिए उसे उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। धर्मेंद्र (25)) पुत्र भजन लाल, निवासी भैरोंकला, पूरनपुर, जिला पीलीभीत (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी वार्ड नंबर पांच टनकपुर ने रविवार को अज्ञात कारणों से घर में रखा कीटनाशक गटक लिया। हालत बिगड़ने पर स्वजन उपजिला चिकित्सालय ले गए। डा. जितेंद्र जोशी ने बताया कि युवक ने ज्यादा मात्रा में जहरीला पदार्थ खाया है। उसकी हालत स्थिर बनी हुई है।

टनकपुर-चम्पावत राष्ट्रीय राजमार्ग पर खाई में गिरी कार, पांच घायल

टनकपुर : टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर अमोड़ी के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कार में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए टनकपुर उपजिला चिकित्सालय भेजा गया। सभी यात्री पिथौरागढ़ जनपद के बताए जा रहे हैं। रविवार को अपरान्ह दो बजे करीब काशीपुर से पिथौरागढ़ जा रही कार संख्या- यूके 05 ई-8191 अमोड़ी से चार किलोमीटर आगे चम्पावत की तरफ अनियंत्रित होकर लगभग 25 फीट गहरी खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही चल्थी चौकी प्रभारी राकेश कठायत के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को खाई से निकलने के बाद प्राथमिक उपचार के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि कार में चालक को झपकी आने से हादसा हुआ।

कार से 54 किलो गांजा बरामद, तस्कर फरार

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज, तस्कर की तलाश जारी

- एसएसपी ने कहा- नशे के खिलाफ सख्त अभियान जारी रहेगा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस टीमों की ओर से लगातार नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। भतरौंजखान पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने एक कार से 54 किलो गांजा बरामद किया। हालांकि गांजा तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए।

पुलिस टीम ने रामनगर रोड स्थित पीलीकोटी के पास चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक स्विफ्ट कार डीएल-5-सीएफ-9911 को रुकने का इशारा किया। लेकिन चालक कार को तेज रफ्तार से भगा ले गया। शक होने पर पुलिस टीम ने पीछा किया। जिस पर चालक छोटी घट्टी तिराहे से करीब 100 मीटर पहले कार को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। कार की तलाशी लेने पर पुलिस को चार कट्टों में कुल 54.378 किलो गांजा बरामद हुआ है। फरार तस्कर के विरुद्ध थाना भतरौजखान में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस तस्कर की तलाश में जुट गई है। यहां पुलिस टीम में चौकी प्रभारी भिकियासैंण संजय जोशी, हेड कांस्टेबल आनंद त्रिपाठी, नारायण सिंह, कांस्टेबल गणेश दत्त शामिल रहे। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने कहा कि नशा तस्करों के विरुद्ध जिलेभर में संघन अभियान जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा।

भतरौंजखान पुलिस की गिरफ्त में कार और 54 किलो गांजा। ● अमृत विचार

यूजी और पीजी में प्रवेश के लिए खोला समर्थ पोर्टल

अल्मोड़ा, अमृत विचार : सोबन सिंह जीना विवि के अधीन परिसर और महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए समर्थ पोर्टल को फिर से खोल दिया गया है। यूजी और पीजी में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी सोमवार तक पोर्टल में पंजीकरण करा सकते हैं। दरअसल, सोबन सिंह जीना विवि में प्रवेश के लिए बीते दिनों पोर्टल को बंद कर दिया गया था।

ऐसे में विवि में प्रवेश के इच्छुक कई विद्यार्थी प्रवेश नहीं ले पाए। विद्यार्थी लगातार पोर्टल को खोलने की मांग कर रहे थे। अब इन विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है।

विद्यार्थियों की परेशानी को देखते हुए समर्थ पोर्टल को एक बार फिर खोल दिया गया है। नोडल अधिकारी डा. मनोज बिष्ट ने बताया कि स्नातक और स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए विद्यार्थी 13 तक पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से तय समय तक पंजीकरण कराने की अपील की है।

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित स्वाला में डीएम ने किया रात्रि निरीक्षण

- यातायात व्यवस्था को हर समय सुचारु बनाए रखने के दिए निर्देश

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : टनकपुर चम्पावत राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित स्वाला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं मार्ग चौड़ीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार ने देर रात्रि में स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को यातायात व्यवस्था को हर समय सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्ग निर्माण कार्य के दौरान भी किसी प्रकार की यातायात बाधा उत्पन्न न हो, इसके लिए पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने स्वाला में पानी के निकासी को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए,ताकि मार्ग में यातायात में समस्या न उत्पन्न हो और भारी वाहनों सहित सभी वाहनों का सुचारु आवागमन बना रहे। उन्होंने मार्ग को शीघ्र समतल करने, साइड ड्रेनेज को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। जिससे भारी वाहन भी आसानी से यातायात कर सके। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग सहित पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित स्वाला का रात्रि में निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार।

रात्रि कालीन चिकित्सा सेवाओं का भी लिया जायजा

चम्पावत : डीएम मनीष कुमार ने देर रात्रि जिला चिकित्सालय चम्पावत का निरीक्षण कर रात्रि कालीन चिकित्सा सेवाओं की स्थिति, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं एवं चिकित्सकों व स्टाफ के कार्य प्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने ब्लड बैंक की स्थिति, नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता और अस्पताल परिसर की स्वच्छता की भी समीक्षा की। डीएम ने अस्पताल तक आने वाले मार्ग को शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए ताकि मरीजों एवं आमजन को आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एम एस हियांकी सहित चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम के दौरान यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

यूथ कांग्रेस संगठनात्मक चुनाव की तैयारी, अल्मोड़ा रानीखेत में समन्वयक उदय महंतों ने की बैठक

रानीखेत : भारतीय युवा कांग्रेस संगठनात्मक चुनाव उत्तराखंड जनपद अल्मोड़ा व रानीखेत के समन्वयक उदय महंतों यहां यूथ कांग्रेस की एक बैठक में पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं ने उनका शाल उड़ाकर तथा माल्यार्पण कर स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत एक नए युग की शुरुआत देख रहा है जहां युवा नेता सीधे सदस्यता से चुने जाएंगे। उन्होंने कहा इस अभियान को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की लोकतांत्रिक और युवा वादी सोच से दिशा मिली है। इस चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से इमानदार कर्मठ और समर्पित युवाओं को राजनीति की मुख्य धारा में लाना संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागेदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि चुनाव से पहले अभ्यर्थियों के लिए और ओरिएंटेशन वह प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। बैठक में यूथ विधानसभा अध्यक्ष अंकित पंत, अमित रावत,रुद्र मेहरा, नीरज रावत, असलान शेख,अभय पवार, दीपक ससोटियाल, सोहेल खान भास्कर मेहरा आदि मौजूद रहे।

तिमली पिपुड़ा पुल के समीप खाई में गिरी कार, चार घायल

अल्मोड़ा : तिमली पिपुड़ा पुल के समीप बीती रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से 50 फीट नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में कार में सवार चार लोग घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात डायल 112 को हादसे की सूचना मिली। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान कार संख्या यूके 04 एई 2425 सड़क से लगभग 50 फीट नीचे खाई में गिरी हुई थी। हादसे में कार में सवार डा. राहुल वर्मा, डा. मनन वर्मा, डा. अनिरुद्ध वैद्य, मार्केटिंग ऑफिसर प्रशांत घायल हो गए। पुलिस द्वारा सभी घायलों को खाई से बाहर निकाला गया। आपातकालीन वाहन से सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्याल्दे उपचार के लिए भेजा गया।

लायंस क्लब का दीपावली मेला शुरू

- बच्चों ने डांस प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा
- पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार ने मेले का किया शुभारंभ

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : टनकपुर गांधी मैदान में 24 वाँ तीन दिवसीय लायंस दीपावली मेला का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष एडवोकेट विपिन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर लायंस दीपावली मेले का शुभारंभ किया।

उन्होंने लायंस क्लब द्वारा समय-समय पर जनहित में किए गए कार्यों की सराहना की। लायन लेडी रोली मेहरोत्रा द्वारा ध्वज वंदना का पाठ किया गया। लायंस क्लब अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल द्वारा मुख्य अतिथियों व लोगों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उन्होंने आने वाले दीपोत्सव की बधाई देते हुए लायंस क्लब द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी । क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन वैभव अग्रवाल द्वारा मुख्य अतिथि को पटका पहनाकर एवं अध्यक्ष लायन अनुराग अग्रवाल द्वारा स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। लायंस दीपावली मेले के डायरेक्टर लायन रुचित मेहरोत्रा ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया एवं सचिव लायन गौरव अग्रवाल ने उपस्थित अतिथियों एवं जनता का आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब टनकपुर द्वारा पत्रकारों, व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों, पालिका के सभासदों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रथम दिवस के मेले में 5 वर्ष से 15 वर्ष के बच्चों द्वारा डांस प्रतियोगिता में अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया, विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मण्डल में शुभी शर्मा,गौतम रावत एवं सचिन विश्वकर्मा रहे। मंच संचालन लायन विनय अग्रवाल एवं लायन नरेश अग्रवाल द्वारा किया गया।मंच संचालन में लायन गौरव अग्रवाल लायन पुनीत शारदा एवं लायन अर्पित शर्मा ने सहयोग किया।

टनकपुर गांधी मैदान में दीप प्रज्वलित कर लायंस दीपावली मेले का शुभारंभ करते पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार। ● अमृत विचार

राशन तो है, पर पकाने वाला नहीं दिव्यांग लोक कलाकार की दुर्दशा

- दिव्यांग बुजुर्ग दंपति की सुध लेने वाला कोई नहीं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : उम्र के आखिरी पड़ाव पर पहुंचे दिव्यांग लोक कलाकार दंपति की सुध लेने वाला कोई नहीं हैं। पति-पत्नी की दिनचर्या दयनीय स्थिति में है। दोनों की न तो किसी संगठन और न ही प्रशासन ने सुध ली है। इससे दोनों एक कमरे में अपने जीवन के अंतिम दिन गुजारने को मजबूर हैं।

भैसियाछाना ब्लॉक के पीपली गांव निवासी 75 साल के संतराम जन्म से ही आंखों से दिव्यांग हैं। भगवान ने उन्हें मधुर कंठ तो दिया, लेकिन देखने को आंखें नहीं दीं। जब तक उनके शरीर में जान थी वह मेले, पर्व, त्योहारों में जगह-जगह जाकर गीत गाते रहे और लोगों का मनोरंजन करते रहे। इससे उनकी आजीविका चलती रही। वहीं, उनकी 71 वर्षीय की पत्नी आनंदी देवी भी उनका साथ दिया करती थीं। बाद में दोनों बीमार रहने लगे। इससे उनका मेलों, पर्वों में आना-जाना मुश्किल हो गया। बीमारी हो या भूख, स्वयं लड़कर अपने दिन गुजार रहे हैं। उनकी हालत को देखने और समझने वाला कोई नहीं है। यहां तक रिश्तेदारों ने भी उनसे किनारा कर लिया है। प्रशासन ने कभी उनकी सुध तक नहीं ली। स्थानीय लोग बीमारी में उनके लिए दवा का इंतजाम कर दिया करते हैं। हंस फाउंडेशन की ओर से उन्हें हर माह राशन उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन आनंदी देवी बीमार हैं और संतराम आंखों से दिव्यांग होने से खाना बनाने में सक्षम नहीं हैं। इससे मुंह के सामने राशन होने के बाद भी खाना नहीं खा पा रहे हैं।

दिव्यांग लोक कलाकार संतराम और आनंदी देवी। ● अमृत विचार

दोनों को वृद्धाश्रम भेजने की उठी मांग

दोनों को लगातार देखभाल की जरूरत है। अगर उन्हें वृद्धाश्रम में रख लिया जाए तो उनकी परेशानी काफी हद तक दूर हो सकती है। वृद्धाश्रम में उन्हें दो वक्त का खाना मिल पाएगा। साथ ही बीमारी में उन्हें दवा और देखरेख भी मिल सकेगी।

पर्यावरण संरक्षण, सुधार व जागरूकता पर प्रदर्शनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

- विद्यार्थियों ने सेंसर और एआई आधारित मॉडल प्रदर्शित किए
- कंप्यूटर विज्ञान विभाग में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार : एसएसजे परिसर अल्मोड़ा के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में बीसीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, सुधार एवं जागरूकता विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया।

प्रदर्शनी में छात्रों ने पर्यावरण, जल संरक्षण, अपशिष्ट निस्तारण और ऊर्जा नवीकरण से जुड़े विषयों पर तकनीकी प्रयोग करते हुए सेंसर और एआई आधारित मॉडल प्रदर्शित किए। भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए एआइ तकनीक का भी प्रयोग होगा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कुल आठ चल प्रतिमानों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का निरीक्षण विभागाध्यक्ष डॉ. पारुल सक्सेना, नोडल समर्थ डॉ. मनोज कुमार बिष्ट, डॉ. सुशील चंद्र भट्ट, डॉ. अनामिका पंत, डॉ. सुमित खुल्बे, डॉ. रवींद्र नाथ पाठक, डॉ. पारस नेगी और डॉ. प्राची जोशी ने किया।

अतिथि व्याख्याता डॉ. जोया शाह ने विद्यार्थियों को प्रतिमानों के निर्माण में सैद्धांतिक और व्यावहारिक सहयोग दिया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में सीजे यादव, अनूप सिंह बिष्ट, कमल जोशी, नंदन सिंह, मनोज सिंह मेर सहित एमएससी, बीएससी और बीसीए के विभिन्न सेमेस्टर के विद्यार्थी एवं विभागीय शोधार्थी भी मौजूद रहे।

डॉ. आराधना बनीं जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति का जिला संग्रहालय सभागार में आठवां जिला सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे उठाए। महिलाओं पर हो रहे हमलों और नफरत की राजनीति के खिलाफ संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

पर्यवेक्षक समिति की राज्य अध्यक्ष अधिवक्ता सुनीता पांडे ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिवेश आम आदमी को उसके नागरिक अधिकारों से कोसों दूर कर रहा है। कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निर्णय लेने के फैसलों पर बेड़ियां कस रही है। प्रगतिशील ताकतों और महिला आंदोलनों को कुचलने के प्रयास किए जा रहे हैं। डा. विजया ढौंडियाल ने कहा राज्य बनने के 25 साल बाद भी मुजफ्फर नगर कांड के दोषियों को सजा नहीं मिल पाई है, जबकि राज्य बनने में महिलाओं का संघर्ष एवं बलिदान अहम रहा है, लेकिन पहाड़ में महिलाएं चौतरफा बोझ से दबी हुई है। डॉ. आराधना शुक्ला ने कहा की आज के दिन की सबसे बड़ी जरूरत है कि महिलाएं संवैधानिक अवसरों का इस्तेमाल करते हुए अपने आत्मसम्मान के लिए एकजुट होकर अधिकारों को हासिल करें। सम्मेलन में जिला समिति की 17 सदस्यीय नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष पद पद डा. आराधना शुक्ला, सचिव ऋतु रावत, कोषाध्यक्ष राधा नेगी को मनोनीत किए गए। वहीं सम्मेलन में जिले की विगत तीन वर्षों की सांगठनिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। यहां आशा भारती, जय पांडे, कांता नेगी, पार्वती रावत, नीमा, जयंती, सरस्वती, भगवती आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में आयोजित जिला सम्मेलन के दौरान मौजूद समिति से जुड़ीं महिलाएं।

उत्साह

अंतराग्नि में बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान के गीतों ने भरा जोश, महोत्सव के अंतिम दिन युवाओं ने दिखाई प्रतिभा, जीते इवेंट्स

महोत्सव में धूम मचाले और क्रेजी किया रे पर झूमे आईआईटियंस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : आईआईटी कानपुर के युवा सांस्कृतिक महोत्सव अंतराग्नि में रविवार को बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान ने सुर-संगीत का जलवा बिखेरा। बॉलीवुड के अपने फेमस गानों के जरिये युवाओं को झुमाया।

देर रात तक चले इस इवेंट में युवा झूमते रहे। अंतराग्नि में सुबह से शुरू हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में देशभर से आई टीमों ने प्रदर्शन किया। अंतिम दिन हुए फाइनल राउंड में युवाओं ने प्रतियोगिता अपने नाम कर प्रतिभा का लोहा मनवाया। अमृत विचार इस उत्सव का मीडिया पार्टनर है।

मंच पर सुनिधि चौहान के आते ही आईआईटियंस ने उनका उत्साह के साथ स्वागत किया। उन्होंने एक के बाद एक हिट गीतों को सुना बॉलीवुड सिंगर ने युवाओं के बीच अपनी छाप बनाई।

युवाओं ने पसंद के गीतों की फरमाइश भी की। उनके लोकप्रिय गीत 'शीला की जवानी' जैसे ही मंच से गाया तो उत्साह के साथ श्रोताओं ने दर्शक दीर्घा से ही गुनगुनाना शुरू कर दिया। इसी तरह 'देसी गर्ल', 'कमली-कमली' जैसे गीतों के जरिये माहौल भव्य हो गया। इसके बाद सुपरहिट गीत 'धूम मचाले', व 'क्रेजी किया रे,' पर युवा उत्साह में झूम उठे। इसके बाद 'बीड़ी जलइले पिया' और 'डांस पे चांस' जैसे गीतों पर युवा जमकर झूमें।

आईआईटी के वार्षिक उत्सव अंतराग्नि में गानें सुनातीं सुनिधि चौहान।

स्पोर्ट्स और फिल्म

बीजीएसआई और रियल क्रिकेट टूर्नामेंट में गेमर्स ने रोमांचक मुकाबले पेश किए। कहानी स्क्रीनिंग' में लघु फिल्मों ने दर्शकों को भावनाओं की दुनिया में ले जाकर हर दिल को छू लिया। 'किरदार' के नाट्य मंचन ने हास्य, संवेदना और सामाजिक विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उधर 'फोटोस्टोरी' और 'वांडरलस्ट' में फोटोग्राफरों ने यात्राओं और पलों को तस्वीरों में कैद कर दर्शाया कि एक फ्रेम में हजार कहानियां छिपी होती हैं। इसके बाद 'ग्रूव एंड सूद' में कुंज सिंग्स और प्रतीक हरबोला के सुरीले गीतों ने रात में शांति और सुकून भर दिया। 'बॉयलर रूम' सत्र ने कैंपस की ऊर्जा को एक बार फिर चरम पर पहुंचा दिया।

जिटरबग में रहा जोश

नृत्य मंच पर 'जिटरबग' में जोश और लय का अद्भुत मेल रहा। आधुनिक और स्ट्रीट डांस फॉर्म्स के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। उत्साह से भरा 'कलर रन' पूरे कैंपस में रंग और खुशी बिखेर गया। प्रतिभागी इंद्रधनुषी रंगों में नहाए हुए स्वतंत्रता और उत्सव की भावना को जी रहे थे।

नुक्कड़ नाटक और 'मंडला आर्ट'

सुबह की शुरुआत नुक्कड़ नाटक फाइनल्स से हुई। जहां प्रतिभागियों ने सामाजिक मुद्दों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। उनकी दमदार आवाज और भावनाओं ने दर्शकों को प्रभावित किया। इसके बाद 'अंतराग्नि आइडल' फाइनल ने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों ने शास्त्रीय से लेकर आधुनिक गीतों तक अपनी अद्भुत गायकी से तालियां बटोरीं। वहीं, 'बैटल ऑफ आर्ट' में कलाकारों ने सीमित समय में कैनवास पर जादू बिखेर दिया। बौद्धिक माहौल में 'मेला क्विज' और 'दृष्टिकोण' के सत्र हुए, जहां ज्ञान, इतिहास और विचारों की गहराइयों में प्रतिभागियों ने अपनी समझ दिखाई।

चतुर्थ दिवस में राम बनवास की मार्मिक लीला का मंचन

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार : पचपकरिया बमनपुरी रामलीला मंचन के चतुर्थ दिवस मंथरा केकई संवाद, केकई का कोप भवन में जाना, दशरथ केकई संवाद, राम बनवास तक की लीला का मंचन हुआ।

चतुर्थ दिवस की रामलीला मंचन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा, पूर्व कनिष्ठ बलॉक प्रमुख निर्मला मोनी, प्रतिष्ठित व्यापारी समाज सेवी ललित चौधरी, पूर्व प्रधान गंगा गुरुंग, बन विभाग के रेंजर रविन्द्र लाल विश्वकर्मा, समाज सेवी लक्ष्मी देवी ने किया। चतुर्थ दिवस की रामलीला मंचन में मंथरा केकई संवाद, केकई का कोप भवन में जाना, दशरथ केकई संवाद, राम बनवास तक की लीला का मंचन किया गया। वस्त्र आभूषण सभी उतारूं, रूप भयानक अपनो बनाऊं। राम के पात्र की भूमिका में अमित कापड़ी, लक्ष्मण ध्रुव पाल, सीता रोशन भट्ट, दशरथ देवराज देउपा, केकई सुहानी, मंथरा भानु प्रताप, सुमंत प्रकाश कापड़ी, कोशल्या भावना कापड़ी आदि थे।

कैकई दशरथ संवाद का दृश्य।

सपने देखने का अधिकार, पहला मौलिक अधिकार होना चाहिए।
–महाश्वेता देवी, साहित्यकार

उम्मीद की खेती

कृषि प्रधान देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान खेती का है, परंतु इसकी हिस्सेदारी घटती जा रही है। ऐसे में मोदी सरकार का फोकस कृषि क्षेत्र को आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी बनाने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री की कृषि क्षेत्र में की गई घोषणाएं दीर्घकालिक, दूरदर्शी सोच को दर्शाती हैं। 'पीएम धन-धान्य कृषि योजना' के साथ दलहन आत्मनिर्भरता मिशन देश के किसानों की स्थिति में सार्थक बदलाव ला सकती हैं। फिलहाल किसानी अब भी घाटे का सौदा है। देखना यह है कि अगले छह वर्षों तक चलने वाली ये योजनाएं किसानी में क्या क्रांति लाती हैं। 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की इन योजनाओं ने किसानों में नई उम्मीदें जगाई हैं, क्योंकि ये केवल वित्तीय घोषणाएं नहीं, बल्कि कृषि को पुनः भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बनाने का प्रयास प्रतीत होती हैं।

प्रधानमंत्री धन धान्य योजना के अंतर्गत 100 से कम उपज वाले जिलों को लक्षित करना और निर्धारित करना कि राष्ट्रीय औसत उपज से 25 प्रतिशत कम उत्पादन वाले इन जिलों की पैदावार को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाया जाए, एक सराहनीय कदम है। वहां के किसानों को बुनियादी ढांचा और वित्तीय सहायता प्रदान कर, फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर, सिंचाई, भंडारण और प्रसंस्करण सुविधाएं उपलब्ध कराने से जलवायु-सम्मत, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बल मिलेगा। कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने की यह कोशिश कालांतर में किसानों की आजीविका और आमदनी दोनों में वृद्धि करेगी। खेती के लिए कर्ज देने से किसानों को सुविधा तो मिलती है, पर यह चिंता भी रहती है कि कर्जग्रस्तता और आत्महत्याएं न बढ़ें। केवल कर्ज देना पर्याप्त नहीं, उसके साथ सुदृढ़ बीमा, फसल मूल्य स्थिरता और विपणन की गारंटी भी आवश्यक है। यदि किसान को यह भरोसा हो कि उसकी फसल का न्यूनतम मूल्य मिलेगा और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सरकार उसके साथ खड़ी होगी, तभी कृषि ऋण विकास का सशक्त साधन बन सकता है।

देश में दालों की खपत बढ़ रही है, लेकिन उत्पादन में स्थायित्व नहीं है। दशकों से दलहन उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद यह क्षेत्र धान-गेहूं जैसी गारंटी नहीं पा सका। यदि मिशन के तहत बीज सुधार, न्यूनतम समर्थन मूल्य की विश्वसनीयता और निर्यात नीति में स्थिरता लाई गई, तो आत्मनिर्भरता का लक्ष्य अब दूर नहीं रहेगा। इन सरकारी योजनाओं की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि खेती 'मुनाफे का धंधा' बनने की ओर बढ़े। इसके लिए केवल धन वितरण या अवसंरचना निर्माण पर्याप्त नहीं। किसानों को प्रशिक्षण, तकनीक, जल प्रबंधन और बाजार तक सीधा संपर्क भी चाहिए। साथ ही ग्रामीण युवाओं को कृषि-आधारित उद्योगों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि पलायन रुके और गांवों में रोजगार सृजित हों। इससे उस नरेटिव को तोड़ने में सफलता मिलेगी जिसमें कहा जाता है कि सरकार कॉरपोरेट दबाव में खेती को धीरे-धीरे खत्म करना चाहती है। योजना अगर नियोजित तरीके से लागू हुई, खेत, बाजार और किसान के बीच भरोसे का पुल बना तो कृषि फिर से अर्थव्यवस्था की आत्मा बना सकती है।

प्रसंगवश

ज़ोहो: मजदूरी से असली IT क्रांति तक का सफर

आईटी सेक्टर के आने पर कहा गया था कि भारत में तकनीकी क्रांति आ गई है, लेकिन सच यह है कि वह ज़्यादातर आईटी मजदूरी की क्रांति थी, जहां भारतीय युवा पश्चिमी कंपनियों के लिए कोडिंग और सपोर्ट का काम करने लगे। मेहनत हमारी थी, मगर मालिकाना हक किसी और का था। श्रीधर वेंबू ने इस मानसिकता को चुनौती दी। उनकी कंपनी ज़ोहो सिर्फ एक बिजनेस मॉडल नहीं, बल्कि यह इस सोच की क्रांति है कि तकनीक का केंद्र गांव भी बन सकते हैं और प्रतिभा डिग्री या अंग्रेजी की मोहताज बिल्कुल नहीं।

उपेंद्र चौधरी
वरिष्ठ पत्रकार

वेंबू अमेरिका में रहकर करोड़ों कमा सकते थे, लेकिन उन्होंने ठान लिया कि अगर रोजगार गांव तक नहीं जा रहा, तो हम ही उद्योग गांव तक ले जाएंगे। जहां बाकी आईटी कंपनियां बड़े शहरों में टॉवर बना रही थीं, वहीं ज़ोहो ने तमिलनाडु के छोटे कस्बों और गांवों में दफ्तर खोले। वहां के युवाओं को ज़ोहो ने बिना डिग्री, बिना अंग्रेजी और महंगे कॉलेज के बिना खुद ट्रेनिंग देकर काम दिया। आज ज़ोहो के हजारों कर्मचारी ऐसे गांवों से आते हैं, जिनका आईटी से कोई संबंध पहले नहीं था।

ज़ोहो ने तीन बड़े बदलाव किए। असली टैलेंट की पहचान की। गांव के युवाओं को सिखाकर इंटरनेशनल प्रोडक्ट बनवाए गए। आउटसोर्सिंग नहीं, अपना प्रोडक्शन किया जाए। ज़ोहो ने माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी कंपनियों को टक्कर देने वाले सॉफ़्टवेयर खुद तैयार किए। गांवों में रोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए शहरों को बोझ से बचाकर विकास को गांवों तक पहुंचाया गया।

जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर भारी टैरिफ लगाए, तो दुनिया की टेक कंपनियों में हड़कंप मच गया। सप्लाई चेन से लेकर सर्विस डिलीवरी तक सब पर असर पड़ा। कई कंपनियों ने लागत बढ़ने की वजह से विस्तार रोक दिया, लेकिन ज़ोहो ने इस संकट को मौका बना लिया। अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियां चीन के विकल्प खोजने लगीं। ऐसे में भारत एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरा। फिर ज़ोहो जैसे स्वदेशी और स्वतंत्र मॉडल की ओर दुनिया का ध्यान गया।

ज़ोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में मज़बूती से स्थापित किया। यहीं से यह साबित हुआ कि भारत सिर्फ 'बैक ऑफिस' नहीं, बल्कि नए वैश्विक समाधान का निर्माता है और उस निर्माण की जड़ें गांव में भी हो सकती हैं।

अभी तक भारतीय आईटी सेक्टर की पहचान यही थी कि 'काम हम करें, मालिकाना हक उनका हो।' वेंबू ने इसे उलट दिया। बिना विदेशी फंड और बिना शेयर मार्केट के दबाव के ज़ोहो आज 190 से ज़्यादा देशों में सेवाएं दे रहा है। अब यह संभव है कि सरकारी स्कूल का बच्चा ग्लोबल सॉफ्टवेयर बनाए। गांव की लड़की अंतर्राष्ट्रीय टीम संभाले। बिना एमबीए और आईआईटी के लोग प्रोडक्ट डिज़ाइनर बनें। कंपनी विदेशी निवेश के बिना भी बढ़े। यह दान नहीं, दूरदर्शी आत्मनिर्भरता के बूते संभव है।

पहली आईटी लहर ने भारत के शहरों को काम दिया। ज़ोहो वाली यह लहर भारत के गांवों को आत्मविश्वास दे रही है। इतना ही नहीं यह निम्नलिखित तीन मिथक को भी तोड़ती है। पहली, नवाचार सिर्फ शहरों में होता है। दूसरा टैलेंट की भाषा सिर्फ़ अंग्रेजी है और तीसरा सफलता के लिए निवेशक ज़रूरी हैं। ज़ोहो ने यह दिखाया कि लाभ, उत्पाद और अपना देसी मानव संसाधन को साथ लेकर भी विश्वस्तरीय सफलता हासिल की जा सकती है।

तालिबान-भारत रिश्ता, चीन के लिए झटका

नवीन गुप्ता
बरेली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक और कूटनीति ने चीन और पाकिस्तान को चौंका दिया है। अफगानिस्तान में पहले दूतावास की पूर्ण रूप से बहाली की घोषणा और फिर अफगानिस्तान द्वारा खनिज पदार्थों की माइनिंग के लिए भारत को निमंत्रण यह बताने के लिए काफी है कि अब यह नया भारत है। अब तक चीन की कोशिश थी कि वह अफगानिस्तान के खनिज पदार्थों का खनन अकेले ही करे, लेकिन भारत के दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने चीन के मंसूबे पर पानी फेर दिया और पाकिस्तान को भी यह बता दिया कि सदियों पुराने भारत-अफगानिस्तान के रिश्ते में कहीं कोई बाधा नहीं है। इस रिश्ते में गर्मजोशी सदैव बनी रहेगी।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत ने दूतावास को बंद कर दिया था, हालांकि अब दूतावास फिर से सक्रिय होने जा रहा है। इसका लाभ दोनों देशों को मिलेगा। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के भारत दौरे ने बहुत कुछ बदल दिया है। मुत्ताकी ने भी भारत में नए राजनयिक भेजने की घोषणा की है। यहां चीन के साथ दोस्ती करने में जुटे पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। चीन भी इस रिश्ते से सकते में है, क्योंकि मुत्ताकी ने अफगानिस्तान में भारतीय माइनिंग कंपनियों के लिए दरवाजे जो खोल दिए हैं। चीन अर्से से इस कोशिश में लगा था कि अफगानिस्तान के खनिज पदार्थों का खनन वह अकेले करेगा, लेकिन उसकी मंशा पर पानी फिर गया है।

> भारत के दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने चीन के मंसूबे पर पानी फेर दिया और पाकिस्तान को भी यह बता दिया कि सदियों पुराने भारत-अफगानिस्तान के रिश्ते में कहीं कोई बाधा नहीं है।

अफगानिस्तान की सोना, कोयला, कॉपर, आयरन, लीथियम और यूरेनियम का अकूत भंडार है। इसके साथ ही तेल और गैस के भी पर्याप्त भंडार हैं। चीन की कंपनियां वहां खनन तो करना चाहती हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से वे वहां कदम रखने से कतराती हैं। फिलहाल चाइना मेटलर्जिकल ग्रुप कॉर्पोरेशन, गोचिन, शिंगजियांग सेंट्रल एशिया पेट्रोलियम एंड गैस आदि कंपनियां वहां खनन कर रही हैं। तालिबान के कब्जे के बाद चीन ने लगभग सात बिलियन डॉलर निवेश किया है।

2023 में शिंगजियांग सेंट्रल एशिया पेट्रोलियम एंड गैस कंपनी ने तेल भंडार विकसित करने के उद्देश्य से 450 मिलियन डॉलर का समझौता तालिबान सरकार से किया था। चीन ने तालिबान सरकार पर बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में काबुल को शामिल करने का दबाव भी बनाया है, लेकिन इसमें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। खनिजों के खनन में भारत को मिले अवसर से भारत और अफगानिस्तान के बीच संबंध और मजबूत होंगे। अफगानिस्तान के विकास में भारत का योगदान भी बढ़ेगा, जो दीर्घकालिक साझेदारी की नींव रखेगा। साथ ही यह निवेश भारत को मध्य एशिया में एक मजबूत भू-राजनीतिक स्थिति प्रदान करने में मदद करेगा। इससे क्षेत्र में न सिर्फ भारत का प्रभाव बढ़ेगा, बल्कि चीन, पाकिस्तान के प्रभाव का मुकाबला करने में भी मदद मिलेगी।

अफगानिस्तान 34 प्रांतों में बंटा हुआ है। यहां के बदख्शां प्रांत में लगभग दो हजार टन सोना, अमू दरिया बेसिन में प्रांत में करीब 400 मिलियन टन कोयला, नूरिस्तान व अन्य इलाकों में लीथियम, कोबाल्ट, नियोडिमियम, हिंदूकुश क्षेत्र में 1,300 मिलियन टन संगमरमर का भंडार है। इसी इसी तरह, लोगर प्रांत में लगभग 60 मिलियन टन तांबा तो बामियान प्रांत में 22 सौ मिलियन लौह अयस्क का भंडार है। इन खनिजों पर दुनिया के कई देशों की निगाह है। अब भारत की कंपनियां भी इन खनिजों में बड़ी हिस्सेदार होंगी।

भारत-अफगानिस्तान के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। भारत ने वहां 500 से अधिक परियोजनाओं पर तीन अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। भारत सरकार वहां सड़क, बिजली, बांध, अस्पताल आदि का निर्माण कर रही है। 2023 में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तो संसद में भारत और अफगानिस्तान के ऐतिहासिक रिश्तों का बखान किया था। रूस ने तालिबान सरकार को मान्यता दे रखी है।

चीन ने अफगानिस्तान में अपना एक राजदूत भी नियुक्त कर रखा है। 40 से ज्यादा देशों ने किसी न किसी रूप में अफगानिस्तान से कूटनीतिक या अनौपचारिक संबंध बना रखे हैं। अब इस श्रेणी में भारत भी शामिल हो गया है, हालांकि तालिबान सरकार को अभी भारत ने मान्यता तो नहीं दी है, लेकिन अपना दूतावास पूर्ण रूप से खोलने का निर्णय जरूर ले लिया है। ईरान के बलूचिस्तान में स्थित चाबहार बंदरगाह को भारत और ईरान मिलकर विकसित कर रहे हैं। चाबहार भारत और अफगानिस्तान के लिए व्यापार और कनेक्टिविटी का एक महत्वपूर्ण रास्ता है, जो पाकिस्तान को बायपास करके मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करता है।

अफगानिस्तान के साथ आने से भारत को लाभ होगा। चाबहार बंदरगाह का विकास और उसमें अफगानिस्तान द्वारा भारत को सहयोग करना पाकिस्तान-चीन के लिए बड़ा झटका होगा। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे यह चाबहार बड़ा खतरा है। चाबहार बंदरगाह की वजह से भारत को पाकिस्तान से गुजरे बिना अफगानिस्तान और मध्य एशिया अपने उत्पाद पहुंचाने और वहां से लाने में आसानी होगी। अफगान विदेश मंत्री द्वारा चाबहार परियोजना पर सहयोग देने की घोषणा मात्र से ही पाकिस्तानी हुक्मरान असहज दिख रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान की प्रासंगिकता कम होगी। मुत्ताकी ने भारत के साथ व्यापारिक संबंधों में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए एक व्यापार समिति के गठन का एलान किया है। यह समिति भारत के साथ मिलकर बाधाओं को दूर करेगी। इससे दोनों देशों में व्यापार बढ़ेगा।

आमने

मैं किसी भी सैन्य अधिकारी का अनादर नहीं कर रहा, लेकिन स्वर्ण मंदिर को फिर से लेने के लिए यह गलत तरीका था। कुछ साल बाद, हमने सेना को बाहर रखकर इसे लेने का सही तरीका दिखाया। मैं मानता हूं कि इंदिरा गांधी ने उस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई।
–पी चिदंबरम, कांग्रेस नेता

सामने

ऑपरेशन ब्लू स्टार सही था या गलत, यह अलग बात है, लेकिन पी चिदंबरम को 50 साल बाद कांग्रेस पार्टी, यानी इंदिरा गांधी पर हमला करने और यह दावा करने की क्या जरूरत है कि उन्होंने गलत कदम उठाया? वह वही कर रहे हैं जो बीजेपी और प्रधानमंत्री कर रहे हैं।
–राशिद अलवी, कांग्रेस नेता

कॉपर बनेगा भविष्य की ऊर्जा का 'नया सोना'

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दुनिया आज बहुत तेजी से पुरानी ऊर्जा यानी कोयला और तेल से हटकर स्वच्छ और नई ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। इस बदलाव में जो धातु सबसे ज़्यादा चमक रही है, वह है कॉपर। विशेषज्ञ अब इसे 'नया सोना' कह रहे हैं, क्योंकि यह आने वाले समय में हर उद्योग और हर देश की ऊर्जा का सबसे जरूरी हिस्सा बनने वाला है। आज हर इलेक्ट्रिक गाड़ी, सोलर पैनल, पवन चक्की और बिजली के तारों में कॉपर का इस्तेमाल होता है। कॉपर बिजली को बहुत तेजी से प्रवाहित करता है, इसलिए इसे ऊर्जा की नस कहा जा सकता है। आने वाले 10 सालों में जब दुनिया इलेक्ट्रिक और ग्रीन एनर्जी की ओर जाएगी, तब कॉपर की मांग बहुत ज़्यादा बढ़ जाएगी।

इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक दुनिया में कॉपर की कमी लगभग 1.5 लाख टन तक हो सकती है। यानी मांग अधिक होगी और आपूर्ति कम। इसी वजह से कॉपर की कीमतें बढ़ रही हैं। अक्टूबर 2025 में लंदन मेटल एक्सचेंज पर कॉपर की कीमत 10,700 डॉलर प्रति टन के पार चली गई, जो अब तक के ऊंचे स्तरों में से एक है। यह स्थिति दिखाती है कि आने वाले वर्षों में कॉपर की मांग और कीमत दोनों में तेजी बनी रहेगी।

> दुनिया आज बहुत तेजी से पुरानी ऊर्जा यानी कोयला और तेल से हटकर स्वच्छ और नई ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। इस बदलाव में जो धातु सबसे ज्यादा चमक रही है, वह है कॉपर।

भारत की स्थिति इस बदलाव के केंद्र में है। कभी स्वदेशी उत्पादन के बल पर आत्मनिर्भर दिखने वाला भारत अब Refining कॉपर का शुद्ध आयातक बन चुका है। 2018 में वेदांता कंपनी की तूतीकोरिन (तमिलनाडु) यूनिट बंद होने के बाद भारत की घरेलू आपूर्ति में तेज गिरावट आई और आयात निर्भरता बढ़ गई। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने लगभग 10.7 अरब डॉलर मूल्य का कॉपर आयात किया, जबकि निर्यात केवल 2.3 अरब डॉलर के आसपास रहा। इससे देश की विदेशी मुद्रा पर बोझ बढ़ा और भारत एक शुद्ध आयातक देश बन गया।

भारत के पास विशाल संभावनाएं हैं। देश में अनुमानित 12.2 मिलियन मीट्रिक टन कॉपर के भंडार हैं, जिनमें से लगभग 18% को उपयोगी भंडार माना गया है। अब सरकार चाहती है कि भारत फिर से कॉपर उत्पादन में आत्मनिर्भर बने। इसके लिए कई बड़ी कंपनियां निवेश कर रही हैं। अडानी ग्रुप गुजरात के कच्छ में पांच लाख टन क्षमता वाली कॉपर स्मेल्टर यूनिट बना रहा है, जिसे आगे चलकर 10 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा। वहीं जेएसडब्ल्यू ग्रुप ओडिशा में 0.5 मिलियन टन क्षमता की नई कॉपर फैक्ट्री लगाने की तैयारी में है। इन प्रोजेक्ट्स के शुरू होने से भारत की कॉपर उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता घटेगी।

वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की कॉपर मांग 1,522 किलो टन थी, जो पिछले वर्ष से 16% ज्यादा थी। अनुमान है कि 2030 तक भारत की मांग तीन मिलियन टन और 2047 तक नौ मिलियन टन तक पहुंच सकती है। इस तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को खनन, Refining और Manufacturing तीनों क्षेत्रों में तेजी से काम करना होगा।

कॉपर उद्योग के विस्तार से भारत की GDP को सीधा फायदा होगा। इससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और औद्योगिक विकास में तेजी आएगी। ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से भी यह कदम महत्वपूर्ण है, क्योंकि घरेलू स्तर पर कॉपर की उपलब्धता बढ़ने से भारत अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के उतार-चढ़ाव से कम प्रभावित होगा। निवेशकों के लिए भी यह समय सुनहरा अवसर है। अगर कोई निवेशक आज कॉपर से जुड़ी कंपनियों में निवेश करता है, तो आने वाले पांच से दस साल में उसे अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, जो भारत की सबसे बड़ी कॉपर कंपनी है, ने FY2024 में 2,071 करोड़ की आय दर्ज की, जो पिछले साल से 20% अधिक है। इसका मार्केट वैल्यू अब लगभग 23,500 करोड़ है। इसके शेयर ने पिछले तीन सालों में 213% और पिछले पांच सालों में 900% तक की बढ़त दी है। यह साबित करता है कि जब वैश्विक मांग और घरेलू नीति साथ चलती हैं, तो कॉपर कंपनियों के मुनाफे और शेयर मूल्य दोनों तेजी से बढ़ते हैं।

सिर्फ हिंदुस्तान कॉपर ही नहीं, बल्कि अडानी कॉपर ट्यूब्स और जेएसडब्ल्यू मेटल्स जैसे नए खिलाड़ी भी इस उद्योग में कदम रख रहे हैं। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और निवेशकों को नए अवसर मिलेंगे। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि 2026 तक कॉपर की कीमतें 12,000 डॉलर प्रति टन तक जा सकती हैं। ऐसे में जिन कंपनियों के पास खनन लाइसेंस, Refining संयंत्र और निर्यात करार होंगे, वे भविष्य में 'गोल्डन मल्टीबैगर' साबित हो सकती हैं। हालांकि यह भी सच है कि यह उद्योग पूंजी-गहन है और कीमतों में उतार-चढ़ाव रहेगा, इसलिए निवेशकों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

कॉपर सिर्फ एक धातु नहीं, बल्कि भारत के लिए आर्थिक ताकत और ऊर्जा सुरक्षा का प्रतीक बन रहा है। अगर भारत ने सही नीति, निवेश और नवाचार का संतुलन बनाया, तो वह कॉपर उत्पादन में आत्मनिर्भर बन कर दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है। यह समय है जब भारत को 'कॉपर क्रांति' को अपनाना चाहिए, क्योंकि आने वाले दशक में कॉपर ही भविष्य की ऊर्जा का असली सोना साबित होगा।

सोशल फोरम

गुरुदत्त ने 'प्यासा' के एक सीन में लिए थे 104 टेक

गुरुदत्त ने तीन दफा अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया था। गुरुदत्त साहब के दोस्त व उनकी टीम का अभिन्न हिस्सा और दिग्गज सिनेमैटोग्राफर रहे वीके मूर्ति जी ने एक दफा एक वेबसाइट को दिए एक इंटरव्यू में गुरुदत्त जी से अपनी पहली मुलाकात व उनकी शख्सियत के बारे में कई बातें शेयर की थीं। उन्होंने कहा था, मैं गुरुदत्त से पहली दफा तब मिला था जब मैं फेमस स्टूडियो में असिस्टेंट कैमरामैन के तौर पर काम कर रहा था। उन्हीं दिनों अपनी फिल्म बाजी बनाने के लिए देवानंद के 'नवकेतन फिल्म्स' ने वो स्टूडियो किराए पर लिया। एक दिन मैंने गुरुदत्त को एक खास सीन के लिए एक अलग तरह का शॉट लेने की सलाह दी।

किस्सा टीवी
फेसबुक

वो शॉट जरा मुश्किल था। गुरुदत्त बोले कि उनका कैमरामैन वो नहीं कर पाएगा। मैंने उनसे कहा कि अगर आपका कैमरामैन मुझे ये शॉट लेने की परमिशन दे दे तो मैं इसे कैप्चर करना चाहूंगा। गुरुदत्त ने कहा कि आप दो से तीन टेक ही ट्राय कीजिएगा, मगर मैंने वो शॉट एक ही टेक में ले लिया। उस दिन पैकअप होने के बाद गुरुदत्त मेरे पास आए और बोले कि क्या तुम मेरी अगली फिल्म में मेरे साथ काम करोगे? और यूं गुरुदत्त के साथ मेरा सफर शुरू हो गया। वो बहुत महान डायरेक्टर थे। बहुत क्रिएटिव थे और अपने काम में बहुत रुचि रखते थे।

आर पार फिल्म की मेकिंग के दौरान मेरी और गुरुदत्त की तगड़ी लड़ाई हो गई थी। बाद में वो मेरे पास आए और उन्होंने बताया कि उन पर ये फिल्म जल्दी पूरी करने का बहुत प्रेशर है। उन्होंने ये भी कहा कि हमें एक-दूजे के साथ को-ऑपरेट करना चाहिए और जल्दी काम फिनिश करना चाहिए। उसके बाद हमने हमेशा अच्छी तरह काम किया। कभी हमारी बहस नहीं हुई। वो बहुत सामान्य, बहुत ही खुशमिजाज इंसान थे। वो किसी मिडिल क्लास इंसान की तरह जीते थे। सफलता मिलने के बाद भी उनमें कोई बदलाव नहीं आया था। हम दोनों अक्सर डोसा और भेलपूरी खाने जाते रहते थे। स्टूडियो कंपाउंड में क्रिकेट खेलते थे।

प्यासा फिल्म के एक सीन में गुरुदत्त ने 104 टेक लिए थे। उस सीन में डायलॉग जरा लंबा था और वो बार-बार डायलॉग भूल रहे थे। मगर जब तक सीन परफेक्टली शूट नहीं हुआ तब तक वो रुके नहीं। उन्हें वो सीन एकदम परफेक्ट चाहिए था।

सामयिकी

त्योहार पर सेहत से खिलवाड़ और नैतिकता का सवाल

हर त्योहार पर मिलावटखोरों की चांदी हो जाती है। पैसा बनाने के चक्कर में वह अपने ही देश के लोगों की सेहत और जान से खिलवाड़ करते हैं। अहम सवाल यह है कि क्या भारतीय दुकानदारों का नैतिक पतन इस दर्जे गिर चुका है कि वह तमाम रोक-थाम के बावजूद मिलावटी सामान बेचने से बाज नहीं आते हैं। कुछ घटनाएं ध्यान खींचती हैं। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को विजयदशमी के दिन कई जगहों पर योजनाबद्ध तरीके से छापा मारकर मिलावटी देशी घी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में 1,625 किलोग्राम मिलावटी देशी घी जब्त किया गया और छह आरोपी गिरफ्तार हुए।

मनोज अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

करावल नगर के शिव विहार से 33 टिनों में कुल 520 किलोग्राम नकली देशी घी और मिलावट में इस्तेमाल होने वाले केमिकल व दवाएं बरामद कीं। पुराना मुस्तफाबाद में छापा मारने के बाद 44 टिनों में 665 किलोग्राम नकली घी, केमिकल, गैस सिलेंडर आदि बरामद किया गया।

निजी स्वार्थों से प्रेरित मिलावटखोर अधिक लाभ कमाने के लालच में खाद्य पदार्थों में हानिकारक वस्तुओं की मिलावट करके लोगों के स्वास्थ्य से खेल रहे हैं। 15 सितंबर को दिल्ली की उत्तरी बाहरी जिला पुलिस ने फैक्टरी का भंडाफोड़ करके वहां से लगभग 7600 लीटर मिलावटी घी बरामद करके फैक्टरी के सुपरवाइजर को गिरफ्तार किया, जबकि फैक्टरी का मालिक फरार है।

23 सितंबर को जयपुर (राजस्थान) की फूड सेफ्टी टीम ने चांदपोल बाजार स्थित एक गोदाम पर छापा मार कर वहां से विभिन्न प्रसिद्ध ब्रांडों के लेबल लगाकर बेचा जाने वाला 884 लीटर नकली देसी घी बरामद किया। 23 सितंबर को ही जयपुर (राजस्थान) की फूड सेफ्टी टीम ने मालवीय नगर में एक पिकअप वैन को जब्त कर, उसमें से 400 किलोग्राम मिलावटी पनीर बरामद करके उसे नष्ट करवाया।

26 सितम्बर को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोहन पापड़ी के गोदाम पर दबिश देकर वहां भारी मात्रा में नकली पापड़ी जब्त करके फैक्टरी को सील कर दिया। 28 सितंबर को निजामपुर (उत्तर प्रदेश) में नकली मिठाई बनाने वाली फैक्टरी को सील किया गया, जहां घटिया सामग्री से बड़े पैमाने पर पेड़ा, बर्फी और टाफियां आदि बनाई जा रही थीं।

28 सितंबर को ही खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने एक पिकअप वैन में भरकर अलवर (राजस्थान) से जयपुर ले जाया जा रहा 110 किलो मिलावटी पनीर नष्ट करवाया। इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया। 29 सितंबर को राजस्थान के बानसूर और कोटपूतली में खाद्य विभाग ने 600 लीटर नकली दूध और 375 लीटर मिलावटी घी जब्त किया।

30 सितंबर को गुरुग्राम (हरियाणा) के फर्रुखनगर में खाद्य सुरक्षा विभाग तथा सीएम फ्लाइंग की संयुक्त टीम ने विभिन्न दुकानों पर छापे मार कर 2000 किलो से अधिक मिलावटी पनीर और खोया (मावा) जब्त किया तथा सैंपल की रिपोर्ट आने से पहले बरामदगी वाले प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। 30 सितंबर को कोटपूतली (राजस्थान) के विराटनगर में बड़ी कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने एक पिकअप से 1100 किलो सिंथेटिक पनीर बरामद करके उसे मौके पर ही नष्ट करवा दिया और एक आरोपी को हिरासत में लिया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार दूध, घी तथा पनीर जैसे खाद्य पदार्थों में मिलावट से पाचन तंत्र, लिवर तथा किडनी पर सीधा असर पड़ता है। मिलावटी वस्तुएं खाने से अनेक गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। मिलावटी घी तथा पनीर के सेवन से कैंसर तक भी हो सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

बजट फ्रेंडली ईवी स्कूटर

पेट्रोल के बढ़ते दामों और पर्यावरण संकट को देखते हुए बीते कुछ सालों से भारतीय ऑटो मार्केट में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऑटो कंपनियां भी अब स्टाइल से लेकर परफॉर्मेंस और पर्सनालिटी के बेहतरीन कॉम्बिनेशन वाले नए-नए मॉडल्स पेश कर रही हैं, जिससे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स पर स्विच करने वालों को अब बजट, स्पीड या फिर फीचर्स को लेकर समझौता नहीं करना पड़ रहा है। ऐसे में अगर आप भी इलेक्ट्रिक स्कूटर्स खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आज हम आपको 2025 के पांच ऐसे स्कूटर्स के फीचर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके और आपके पॉकेट के लिए बेस्ट रहेंगे।

एथर 450 एस

एथर 450 एस एक स्मार्ट, फीचर-लोडेड और प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक है। इस स्कूटर में कंपनी ने 2.9 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया है, जो एक एफिशिएंट मोटर के साथ आता है। इस मॉडल की मोटर 5.4 केडब्ल्यु बैटरी की पावर और 22 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह करीब 115 किमी की क्लेम्ड रेंज और 90 किमी प्रति घंटे की स्पीड देता है। इसकी कीमत कि बात करें तो, इस मॉडल की कीमत वेरिएंट और जगह के हिसाब से अलग-अलग है। इस मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत 1,20,841 से 1.44 लाख रुपये है। इसमें 7-इंच का कलर एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। स्कूटर का डीपव्यु डिस्प्ले रीयल टाइम नेविगेशन, राइड मोड और कनेक्टेड फीचर्स ऑफर करता है।

टीवीएस ऑरबिटर

टीवीएस ऑरबिटर एक किफायती और फीचर से लैस इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 115-158 किमी की रेंज कवर करता है। साथ ही 3.1 केडब्ल्युएच बैटरी और मिड-माउंटेड मोटर द्वारा ऑपरेटेड 68 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड देता। फीचर्स की बात करें

तो एक मल्टी-कलर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ आता है। यह ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, हिल-होल्ड असिस्ट, क्रूज कंट्रोल, यूएसबी चार्जिंग, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, थेफ्ट अलर्ट और ओटीए अपडेट सहित कई फीचर्स हैं। इसके अलावा यह 34 लीटर अंडरसीट स्टोरेज कैपेसिटी भी ऑफर करता है, जो दो हाफ फेस हेलमेट और डुअल राइड मोड को स्टोर करने में सक्षम है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 99,000 रुपये है। जगह के अनुसार कीमत में बदलाव हो सकता है।

हीरो विडा वी 2 प्रो

हीरो विडा वी 2 प्रो 3.94 केडब्ल्युएच बैटरी और 6 केडब्ल्यु मोटर से लैस है, जो 25 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। हीरो का यह स्कूटर सिंगल चार्ज में 165 किमी रेंज ऑफर करता है, जिसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटे है। इसमें रिमूवेबल बैटरी है, जिसे आप घर या ऑफिस कहीं भी आसानी से चार्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें 4 राइड मोड, रिजेनरेटिव ब्रेकिंग और एक बड़ा टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स हैं। इसे आप 1.20 लाख की शुरुआती कीमत पर खरीद सकते हैं। हालांकि जगह के अनुसार कीमत बदल सकती है।

बजाज चेतक 3501

बजाज चेतक 3501 की 3.5 केडब्ल्युएच बैटरी 153 किमी तक चलती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 73 किमी प्रति घंटे है। इसमें 35 एल अंडर सीट कैपेसिटी, एंटी थेफ्ट अलर्ट, ओवरस्पीड अलर्ट, आईपी 67-रेटेड बैटरी पैक और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसे कई फीचर्स हैं। इस स्कूटर की शुरुआती कीमत 1.22 लाख रुपये है। जगह के अनुसार गाड़ी की कीमत में बदलाव हो सकता है।

डैशकैम : सड़क सुरक्षा का स्मार्ट तरीका

भारत में सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या के साथ ही सड़क हादसों के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे माहौल में कार मालिकों के लिए अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। यही वजह है कि अब लोग अपनी गाड़ियों में डैशकैम लगवाने की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। यह छोटा सा कैमरा अब सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा उपकरण बन चुका है। डैशकैम न सिर्फ आपकी ड्राइविंग को सुरक्षित बनाता है, बल्कि किसी भी विवाद में आपका मौन गवाह साबित होता है। यह एक बार का निवेश है, जो लंबी अवधि में आपकी सुरक्षा और मानसिक सुकून दोनों सुनिश्चित करता है।

क्या है डैशकैम

डैशकैम एक छोटा डिजिटल कैमरा होता है, जिसे आमतौर पर कार के डैशबोर्ड या विंडशील्ड पर लगाया जाता है। यह ड्राइविंग के दौरान लगातार वीडियो रिकॉर्ड करता है। किसी एक्सीडेंट, ट्रैफिक विवाद या सड़क पर हुई दुर्घटना की स्थिति में फुटेज महत्वपूर्ण सबूत के तौर पर काम आते हैं। कई देशों में डैशकैम फुटेज को कानूनी साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है और अब भारत में भी इसके उपयोग को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है।

क्यों जरूरी है कार में डैशकैम

डैशकैम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सड़क हादसे में अक्सर यह तय करना मुश्किल होता है कि गलती किसकी थी। ड्राइवर की या सामने वाले की। ऐसे में डैशकैम की वीडियो रिकॉर्डिंग विवाद को सुलझाने में निर्णायक साबित होती है। साथ ही यह इंश्योरेंस क्लेम प्रक्रिया को भी आसान बनाता है। कई बार कार पार्किंग में खरोंच लग जाए या कोई वाहन टकरा जाए, तो डैशकैम फुटेज से जिम्मेदारी तय करने में मदद मिलती है।

टिप्स

डैशकैम खरीदने से पहले जानें ये जरूरी बातें

हाई वीडियो क्वालिटी

कैमरे की रिजॉल्यूशन कम से कम फुल एचडी (1080 एमपी) या उससे बेहतर होनी चाहिए ताकि नंबर प्लेट और सड़क की डिटेल्स साफ दिखें।

स्टोरेज कैपेसिटी

बड़ी मेमोरी सपोर्ट वाला डैशकैम चुनें, जिससे पुरानी रिकॉर्डिंग को बार-बार डिलीट न करनी पड़े। कई मॉडल्स में लूप रिकॉर्डिंग फीचर होता है, जो पुराना डेटा खुद ही ओवरराइट कर देता है।

बैटरी और पावर सपोर्ट

सुनिश्चित करें कि कैमरे में अच्छा बैटरी बैकअप हो या वह कार के पावर सॉकेट से सीधे जुड़ सके।

जीपीएस और कनेक्टिविटी फीचर्स

जीपीएस वाला डैशकैम लोकेशन और स्पीड डेटा के साथ वीडियो सेव करता है। वहीं, वाई-फाई या ब्लूटूथ सपोर्ट से फुटेज मोबाइल में आसानी से ट्रांसफर किया जा सकता है।

नाइट विजन और वाइड एंगल लेंस

कम रोशनी में भी साफ रिकॉर्डिंग के लिए नाइट विजन और वाइड एंगल व्यू (120-170 डिग्री) वाले कैमरे ज्यादा कारगर रहते हैं।

डबल चैनल रिकॉर्डिंग

अगर बजट अनुमति देता है, तो फ्रंट और रियर दोनों व्यू रिकॉर्ड करने वाला डैशकैम खरीदें। इससे पीछे से होने वाली टक्करें भी रिकॉर्ड हो जाती हैं।

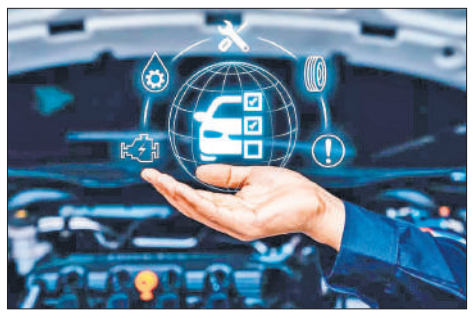

कार नहीं दे रही मनचाहा माइलेज अपनाएं ये उपाय

आज के समय में कार सिर्फ एक जरूरत नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत में लाखों लोग हर दिन कार से सफर करते हैं, लेकिन अक्सर उनकी शिकायत होती है कि गाड़ी का माइलेज उम्मीद से कम मिलता है। अक्सर सर्विस सेंटर जाकर भी कई बार कोई खास सुधार नहीं दिखता। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बिना कोई अतिरिक्त खर्च किए कार का एवरेज कैसे बढ़ाया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं कुछ आसान और असरदार टिप्स, जिसको अपनाकर आप अपनी कार का माइलेज बढ़ा सकते हैं।

नियमित सर्विस

आप अगर अपनी कार से अच्छा माइलेज चाहते हैं, तो उसकी सर्विसिंग में लापरवाही न करें। समय पर सर्विस न कराने से इंजन ऑयल खराब हो जाता है और ऑयल फिल्टर चोक होने लगता है। इससे इंजन पर दबाव बढ़ता है और फ्यूल खपत भी ज्यादा होती है। समय पर सर्विस कराने से इंजन की परफॉर्मेंस बनी रहती है और माइलेज बेहतर होता है।

टायर प्रेशर पर ध्यान दें

कार के टायरों में सही मात्रा में हवा होना माइलेज के लिए बेहद जरूरी है। अगर टायरों में हवा कम है, तो इंजन पर ज्यादा लोड पड़ता है और गाड़ी को चलाने में अधिक फ्यूल लगता है। इसलिए हफ्ते में एक बार टायर प्रेशर जरूर चेक करें और कंपनी द्वारा बताई गई सीमा के अनुसार हवा भरवाएं।

कंट्रोल स्पीड में चलाएं कार

गाड़ी को बहुत तेज चलाना ईंधन की खपत को बढ़ा देता है। बेहतर होगा कि कार को हमेशा नियंत्रित और नर्माल स्पीड में चलाएं। आमतौर पर 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार सबसे संतुलित मानी जाती है। इस स्पीड पर इंजन कम पावर लेता है और कार अच्छा एवरेज देती है।

बदलें छोटी-छोटी आदतें

ड्राइविंग के दौरान अचानक ब्रेक लगाना, ज्यादा एक्सीलेरेटर देना या क्लच को लगातार दबाए रखना। ये सब गलत आदतें हैं, जो माइलेज कम करती हैं। इसके अलावा, अगर कार लंबे समय तक खड़ी है, तो इंजन बंद कर दें। इससे फ्यूल बचेगा और एवरेज में सुधार होगा।

25 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ेगा पर्यटन क्षेत्र

भोपाल। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि पर्यटन क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है और इसके सालाना 25 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की उम्मीद है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने शनिवार को मध्य प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एमपी ट्रैवल मार्ट को संबोधित कर रहे थे।

अमृत विचार

हल्द्वानी, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 1800, बासमती- 9300, परमल- 3000, **दाल दलहन :** काला चना- 7400, साबुत चना दाल- 6500, मूंग साबुत- 8500, राजमा- 12000- 14500, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 6000

उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10300, अरहर दाल- 11000, लोबिया/ करमानी- 8200

नोट : दाम प्रति क्विंटल में

बिजनेस ब्रीफ

फ्लिपकार्ट को फेमा केस बंद करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फ्लिपकार्ट को फेमा उल्लंघन का मामला बंद करने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी को अपनी गलती स्वीकार करनी होगी और जुर्माना भरना होगा। ईडी ने पिछले हफ्ते फ्लिपकार्ट को फेमा के कंपाउंडिंग नियमों के तहत यह विकल्प दिया था। एक सूत्र ने बताया कि ईडी ने फ्लिपकार्ट को कंपाउंडिंग का विकल्प दिया है। ईडी ने फ्लिपकार्ट से अपनी गलती स्वीकार करने, जुर्माना भरने और उससे जुड़े विक्रेता नेटवर्क को खत्म करने को कहा है।

भारत से 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात

नई दिल्ली। भारत ने इस साल सितंबर तक समाप्त हुए चीनी विपणन सत्र में लगभग 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। चीनी व्यापार संगठन ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (एआईएसटीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। चीनी का विपणन सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। 2024-25 के लिए भारत में चीनी निर्यात की अनुमति 20 जनवरी 2025 को दी गई थी, जिसमें कुल 10 लाख टन चीनी निर्यात करने की मंजूरी शामिल थी। एआईएसटीए के अनुसार, मिलों ने 2024-25 के विपणन सत्र के फरवरी से सितंबर के बीच कुल 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है।

फिलिप्स भारत में लाएगी वैश्विक उत्पाद

मुंबई। वैश्विक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी कंपनी फिलिप्स भारत में अपने पुरुष सौंदर्य और मातृ एवं शिशु देखभाल उत्पादों की श्रृंखला को मजबूत करना जारी रखेगी। इसके अलावा वह घरेलू बाजार में अपने वैश्विक उत्पादों की पेशकश को भी आगे बढ़ाएगी। फिलिप्स इंडिया ने यह भी कहा कि बाजार में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर रुझान तेजी से बढ़ रहा है और कंपनी प्रीमियम खंड में 75 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देख रही है।

स्वदेशी एआई को वित्तीय डेटा उपलब्ध कराएगा आईसीएआई

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ योजना पर चल रही बातचीत

कैंडोलिम (गोवा), एजेंसी

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का शीर्ष निकाय, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई), भारत के स्वदेशी कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल को सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय और आर्थिक आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) के साथ बातचीत कर रहा है। मंत्रालय देश का अपना बड़ा भाषा मॉडल (एलएलएम) विकसित करने के लिए काम कर रहा है। आईसीएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संस्थान भारत में विकसित किए जाने वाले एलएलएम (बड़े भाषा मॉडल) को सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय और आर्थिक आंकड़े उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है। आईसीएआई के चार लाख से अधिक सदस्य हैं।

अधिकारी ने बताया कि हम इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहे हैं। आईसीएआई का प्रस्ताव है कि भारत में विकसित किए जा रहे एलएलएम को वित्तीय और आर्थिक डेटा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि संस्थान के पास कंपनियों के बही-खाते, ऑडिट रिपोर्ट जैसी प्रमाणित जानकारी है, जो एआई मॉडल के लिए उपयोगी हो सकती है। आईसीएआई का कहना है कि वे प्रामाणिक और सटीक वित्तीय डेटा देने में सक्षम हैं।

घरेलू एमडीपी के वित्तपोषण पर बन रही रिपोर्ट

देश में बड़ी स्वदेशी बहु-विषयक साझेदार फर्म (एमडीपी) की स्थापना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आईसीएआई एक रिपोर्ट तैयार कर रहा है। यह रिपोर्ट ऐसी फर्मों को वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमताएं बढ़ाने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने पर केंद्रित होगी। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के तहत सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि देश में ऐसी बहु-विषयक साझेदार फर्म तैयार की जाएं जो ऑडिटिंग और परामर्श सेवाओं को एक साथ प्रदान कर सकें और वैश्विक स्तर पर सक्रिय हों। आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने रविवार को कहा कि सरकार के स्तर पर चर्चा हो रही है और संबंधित मुद्दों की समीक्षा की जा रही है। वैश्विक परामर्श और लेखा परीक्षा उद्योग का मूल्य लगभग 240 अरब अमेरिकी डॉलर है और इसमें विदेशी कंपनियों का दबदबा है। सरकार स्वदेशी पेशेवर सेवा क्षेत्र की बड़ी कंपनियां बनाने के प्रयास कर रही है, और विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते भारतीय कंपनियों के लिए विस्तार के नए अवसर भी प्रदान कर रहे हैं।

दूरसंचार नेटवर्क विस्तार में स्थानीय प्राधिकरण बाधक

नई दिल्ली। दूरसंचार बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए जरूरी मंजूरियां देने में स्थानीय प्राधिकरणों की देरी, मनमाने शुल्क और असंगत प्रक्रियाओं के कारण डिजिटल नेटवर्क के विस्तार में बाधा आ रही है।

दूरसंचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने भारत मोबाइल कांग्रेस 2025 में राज्य के आईटी मंत्रियों के साथ एक बैठक में राज्य सरकारों से एकल खिड़की प्रणाली को चालू करने, समयबद्ध ढंग से मंजूरी देने, तर्कसंगत लागत आधारित शुल्क सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निकायों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य की आईटी नीतियों को नए विकास के साथ जोड़ने के लिए भी कहा। पेम्मासानी ने कहा कि राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन 2.0 ने महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिसके तहत 2030 तक देश के सभी गांवों में 100 प्रतिशत ब्रॉडबैंड देने हैं।

महिला-पुरुष अंतर पाटने पर काम कर रहा एसबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **महिला कर्मियों की संख्या 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य**

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीति तैयार की है। बैंक का लक्ष्य पांच साल के भीतर अपने महिला कार्यबल को बढ़ाकर 30 प्रतिशत तक करने का है। एसबीआई के उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) किशोर कुमार पोलुदासु ने कहा कि अगर हम अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की बात करें, तो महिलाएं लगभग 33 प्रतिशत हैं, लेकिन कुल मिलाकर, वे कुल कार्यबल का 27 प्रतिशत हैं। इसलिए, हम इस प्रतिशत को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेंगे ताकि विविधता और बेहतर हो सके।

उन्होंने कहा कि बैंक इस अंतर को पाटने और अपने कार्यबल में 30 प्रतिशत महिलाओं के अपने मध्यम अवधि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कदम उठा रहा है। एसबीआई के कुल कर्मचारियों की संख्या 2.4 लाख से अधिक है, जो देश के किसी भी संगठन और बैंकिंग उद्योग में सबसे अधिक है। उन्होंने आगे कहा कि बैंक एक ऐसा कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां महिलाएं सभी स्तरों पर आगे बढ़ सकें और लक्षित कार्यक्रमों के माध्यम से एसबीआई नेतृत्व, कार्य-जीवन संतुलन और कार्यस्थल पर सम्मान को बढ़ावा देता है।

पोलुदासु ने कहा कि बैंक कामकाजी माताओं के लिए क्रेश भत्ता प्रदान करता है। इसके अलावा मातृत्व अवकाश या विस्तारित बीमारी अवकाश से लौटने वाली महिला कर्मचारियों की सहायता के लिए परिवार संपर्क चलाता है।

निवेश को बढ़ावा देगा भारत-ब्रिटेन समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विशेषज्ञ बोले-निर्यात के साथ कारोबार में भी होगी वृद्धि**

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता देश के निर्यात को बढ़ावा देने और ब्रिटेन से निवेश आकर्षित करने में मदद करेगा। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। वृहद आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर 24 जुलाई को हस्ताक्षर किए गए थे और इसके अगले साल लागू होने की संभावना है।

डेलॉयट इंडिया के भागीदार गुलजार डिडवानिया ने कहा कि सीईटीए पर हस्ताक्षर से निर्यात को बढ़ावा मिलने, निवेश आकर्षित करने और कपड़ा, वाहन कलपुर्जा, जूते-चप्पल और फार्मास्युटिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लगभग 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात के लिए शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलने से भारत को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि समझौते का एक प्रमुख आकर्षण सेवा क्षेत्र भी है, जहां यह ब्रिटेन के बाजार में भारतीय आईटी, वित्तीय, स्वास्थ्य सेवा और पेशेवर सेवा प्रदाताओं के लिए व्यापक अवसर खोलेगा। इसके अतिरिक्त, डिडवानिया ने कहा कि यह समझौता कुशल पेशेवरों की सुगम आवाजाही को सुगम बनाएगा, प्रतिभाओं की पारस्परिक मान्यता को बढ़ावा देगा और शिक्षा, नवोन्मेषण और अनुसंधान में सहयोग को मजबूत करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि यह समझौता 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद करेगा।

रल्हन ने कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रमुख क्षेत्रों, खासकर एमएसएमई और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर खोलता है। यह न केवल शुल्क कम करता है, बल्कि सेवाओं और निवेश के लिए नियामकीय बाधाओं को भी कम करता है।

टाटा मोटर्स और मारुति की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी इंडिया की खुदरा बिक्री में पिछले महीने सालाना आधार पर बढ़ोतरी हुई है। वहीं दूसरी ओर सितंबर में हुंदै मोटर इंडिया और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है।

- **हुंदै और टोयटा किर्लोस्कर की घटी**

टाटा की बाजार हिस्सेदारी पिछले साल की समान अवधि की तुलना में बढ़कर 13.75 प्रतिशत हो गई। पिछले साल टाटा ने 32,586 वाहन बेचे थे और कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 11.52 प्रतिशत रही थी। मारुति सुजुकी इंडिया ने सितंबर में कुल 1,23,242 वाहन बेचे, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी 41.17 प्रतिशत हो गई। सितंबर, 2024 में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 40.83 प्रतिशत रही थी।

एनएसई पर रोज 17 करोड़ साइबर हमले

मुंबई, एजेंसी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को प्रतिदिन लगभग 17 करोड़ साइबर हमलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में निर्बाध परिचालन सुनिश्चित करने को एक्सचेंज को चौबीसों घंटे काम करने के लिए 'साइबर योद्धाओं' की एक समर्पित टीम की आवश्यकता होती है। एनएसई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एक दिन में सबसे अधिक 40 करोड़ साइबर हमलों का सामना करना पड़ा था। इसे डीडीओएस सिमुलेशन के रूप में डिजाइन किए गया था। हालांकि, साइबर हमलावर कर्मियों, मशीनों और उन्नत प्रौद्योगिकी के समन्वित प्रयासों के कारण कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाए।

एनएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक्सचेंज पर हर दिन लाखों साइबर हमले होते हैं। लेकिन हमारी तकनीकी टीमें, उनकी प्रणाली और तकनीक विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करके चौबीसों घंटे इन हमलों का मुकाबला करती हैं। उन्होंने कहा कि साइबर हमलों की संख्या प्रतिदिन 15 करोड़ से 17 करोड़ के बीच है, जिससे टीमों और प्रणालियों के लिए यह कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। दोनों साइबर सुरक्षा केंद्रों की तकनीकी टीमें लगातार सक्रिय रहती हैं और वित्तीय बाजार के बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर होने वाले हमलों को बेअसर करने और उन्हें रोकने के लिए उन्नत सॉफ्टवेयर से लैस हैं।

ट्रेडिंग सदस्यों की नियमित होती है ऑडिट

अधिकारी ने कहा कि तकनीकी रूप से दक्ष कर्मियों, मशीनों और तकनीक से युक्त मजबूत साइबर सुरक्षा संरचना, एनएसई के संचालन को सुरक्षित बनाती है। एनएसई ने अपने संचालन के लिए मजबूत आंतरिक साइबर सुरक्षा उपाय लागू किए हैं और एनएसई अकादमी के माध्यम से एक साइबर सुरक्षा बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, ट्रेडिंग सदस्यों को नियमित रूप से साइबर सुरक्षा और साइबर-जुझारू क्षमता ऑडिट करवाना पड़ता है, जिसके परिणाम एक्सचेंज को प्रस्तुत किए जाते हैं। सुरक्षा व्यवस्था में ई-मेल, बाहरी डेटा, पेन ड्राइव और डिस्ट्रिब्यूटिड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमलों से सुरक्षा के लिए सख्त प्रोटोकॉल शामिल हैं।

- **योद्धाओं की टीम सुनिश्चित करती है निर्बाध परिचालन**

आतिथ्य, यात्रा सेवाओं की मांग में जबर्दस्त उछाल

नई दिल्ली। दिवाली के लंबे सप्ताहांत से पहले इस त्योहारी मौसम में आतिथ्य और यात्रा सेवा प्रदाताओं की मांग में जबर्दस्त वृद्धि देखी जा रही है। शहरी और मनोरंजन स्थलों के लिए अच्छी बुकिंग दर्ज की गई है, और इंटरसिटी बस सेवाओं में बुकिंग का स्तर 95-100 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार मध्यम स्तर के होटल और मध्यम बाजार के घरेलू ग्राहकों के लिए एक प्रमुख प्रेरक के रूप में कार्य कर रहा है, जिससे यात्रियों के लिए कम प्रसिद्ध स्थलों की खोज करना आसान हो गया है। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) के अध्यक्ष के बी काचरू ने कहा कि शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि होटल में बुकिंग बढ़ी है। यह परिवार, दोस्तों के साथ छुट्टियां बिताने और त्योहार मनाने के लिए यात्रियों के उत्साह को दर्शाता है।

राष्ट्रीय

संविधान ने सुनिश्चित किया है कि भारत मजबूत और एकजुट रहे

- **महाराष्ट्र में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधान न्यायाधीश गवई बोले**

रत्नागिरि, एजेंसी

न्याय के विकेंद्रीकरण के लिए आवाज उठाई

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि पिछले 22 वर्षों में एक न्यायाधीश के रूप में, मैंने न्याय के विकेंद्रीकरण के लिए आवाज उठाई है और यह सुनिश्चित किया है कि कई न्यायिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हों। मुझे सबसे अधिक संतोष कोल्हापुर सर्किट बेंच (मुंबई उच्च न्यायालय की) और यह मंडणगड न्यायालय भवन को देखकर हुआ है, जो दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है। इसे एक सपने के साकार होने जैसा बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने मंडणगड न्यायालय भवन परियोजना में तेजी लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद दिया।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने रविवार को कहा कि संविधान ने यह सुनिश्चित किया है कि देश मजबूत और एकजुट रहे, जबकि पड़ोसी देश अशांति और उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के मंडणगड तालुका में एक न्यायालय भवन का उद्घाटन करने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि यह भवन ऐसे क्षेत्र में बना है, जिसमें संविधान के मुख्य निर्माता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब आंबेडकर का पैतृक गांव अंबावडे भी शामिल है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि युद्ध और शांति, दोनों ही स्थितियों में देश एकजुट रहा है और विकास के पथ पर अग्रसर रहा है। हमने आंतरिक आपातकाल भी देखा है, लेकिन हम मजबूत और एकजुट रहे हैं।

यह डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान के कारण है, जो हमें उन पड़ोसी देशों से अलग करता है, जहां अशांति का माहौल है। श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल में नेपाल में अशांति के कारण सरकारों में बदलाव हुआ है, साथ ही दंगों और आगजनी के कारण नागरिकों को बड़े पैमाने पर परेशानी का सामना करना पड़ा है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत से लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद की जाती है, फिर भी न्यायपालिका को सभी तक न्याय सुनिश्चित करने के लिए धन के संदर्भ में कार्यपालिका से सहयोग प्राप्त करना होता है। हाल में नासिक, नागपुर, कोल्हापुर और दरियापुर में न्यायालय भवनों का उद्घाटन हुआ है।

तस्कर से 2.82 करोड़ के सोने के बिस्कुट बरामद

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक तस्कर को पकड़ा और उसके कब्जे से 20 किलोग्राम सोने के बिस्कुट जब्त किए। अर्धसैनिक बल द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि होरंदीपुर सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की 32वीं बटालियन को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली कि सीमा के पास मुस्लिमपारा गांव का एक भारतीय नागरिक बांग्लादेश से लाए गए अवैध सोने की तस्करी होरंदीपुर इलाके से करने योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात जवानों को सतर्क कर दिया गया। इसमें बताया गया कि शनिवार सुबह करीब छह बजे बीएसएफ जवानों ने बांस के घने जंगल के पीछे एक व्यक्ति को घूमते देखा।

लड़कियां रात में बाहर न घूमें : ममता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार की घटना पर रविवार को दुख जताया। उन्होंने कहा कि छात्राओं को रात में बाहर नहीं घूमना चाहिए। खासकर सुनसान इलाकों में सतर्क रहना चाहिए। कहा कि निजी कॉलेजों को छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पुलिस को कड़ी से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

दरअसल, दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार मामले में भाजपा और अन्य विरोधी पार्टियां ममता सरकार पर सवाल उठा रही हैं। ओडिशा के सीएम ने भी बंगाल की सीएम से सख्त कार्रवाई करने की मांग की जिसके बाद ममता बनर्जी ने यह बयान दिया है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की कथित घटना को स्तब्धकारी करार दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। बारिश और भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित उत्तर बंगाल में राहत एवं पुनर्वास कार्यों का जायजा लेने के लिए रवाना होने से पहले ममता ने कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उनकी सरकार का ऐसी घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं करने का रुख है। ममता ने कहा कि पीड़िता जिस संस्थान की छात्रा है, वह (संस्थान) भी इस घटना के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि निजी कॉलेजों को अपने परिसरों के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं, खासतौर पर राज्य के बाहर की छात्राओं को छात्रावास के नियमों का पालन करना चाहिए।

गैंगरेप मामले में तीन गिरफ्तार, एक हिरासत में

पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा से सामूहिक बलात्कार में संलिप्तता के आरोप में रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस घटना में संदिग्ध भूमिका के कारण एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों की पहचान अभी उजागर नहीं की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बेहद संवेदनशील मामला है और हम आगे की जानकारी बाद में देंगे। तीनों आरोपियों के मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को पुलिस ने परानागंज काली बाड़ी श्मशान घाट से सटे जंगल में अपराध स्थल की घेराबंदी कर दी।

- **मुख्यमंत्री ने कहा-निजी कॉलेज लें छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी**

आरएटी की फिर जांच करेगी एयर इंडिया

मुंबई, एजेंसी

- **डीजीसीए ने दिए निर्देश, बोइंग से भी मांगी रिपोर्ट**

विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने एयर इंडिया से कहा है कि उन सभी विमानों में आरएटी (रैम एयर टर्बाइन) की दोबारा जांच की जाए, जिनके पावर कंडीशनिंग मॉड्यूल (पीसीएम) को एयरलाइन ने हाल में बदला है। सुरक्षा नियामक ने साथ ही अमेरिकी विमान विनिर्माता बोइंग से बिना कमांड वाले आरएटी की तैनाती के संबंध में लागू किए जाने वाले निवारक उपायों पर एक व्यापक रिपोर्ट मांगी है।

गौरतलब है कि हाल में एयर इंडिया 787 विमानों से जुड़ी दो घटनाओं में आरएटी प्रणाली सक्रिय हो गई थी। आमतौर पर विमान के दोनों इंजन, इलेक्ट्रॉनिक तंत्र और हाइड्रोलिक प्रणाली खराब होने पर आरएटी सक्रिय होता है। पायलटों के समूह फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने नागर विमानन मंत्री को एक पत्र लिखकर सरकार से एयर इंडिया के पूरे बी787 विमान बेड़े को उड़ान भरने से रोकने और एयरलाइन का विशेष ऑडिट करने का आग्रह किया है। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एयर इंडिया को उन सभी विमानों के आरएटी की फिर से जांच करने की सलाह दी गई है, जिनके पीसीएम मॉड्यूल को हाल ही में बदला गया था। पीसीएम एक महत्वपूर्ण विद्युत घटक है, जो विमान की बिजली उत्पादन प्रणाली से विभिन्न ऑनबोर्ड प्रणालियों और उपकरणों में विद्युत शक्ति को भेजता और नियंत्रित करता है। बोइंग को पीसीएम मॉड्यूल में बदलाव के बाद दुनिया भर के विमान संचालकों से प्राप्त सेवा संबंधी किसी भी कठिनाई की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया है।

सबरीमला में सोना गायब होने में बोर्ड पर सवाल

कोच्चि। सबरीमला मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) से गायब हुए सोने को लेकर टीडीबी की सतर्कता रिपोर्ट ने 2019 के बोर्ड को सवालों के घेरे में ला दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोना चढ़ी तांबे की चादरों को तत्कालीन बोर्ड के सदस्यों की जानकारी के बिना अतिरिक्त सोना चढ़ाए जाने के लिए चेन्नई ले जाना असंभव था। रिपोर्ट के आधार पर केरल उच्च न्यायालय ने विस्तृत जांच के लिए एक एसआईटी के गठन का निर्देश दिया था।

33 लाख छात्रों को पढ़ा रहे एकल-शिक्षक स्कूल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **देश में ऐसे एक लाख विद्यालय, यूपी में सर्वाधिक छात्र नामांकित**

देश भर में 33 लाख से ज्यादा छात्र एकल-शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूलों में नामांकित हैं। आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे अधिक है, जबकि इनमें से उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक छात्रों का नामांकन है।

शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे थे जिनका संचालन एकल शिक्षक द्वारा किया जाता था, ऐसे स्कूलों में 33,76,769 छात्र नामांकित थे। यानी, औसतन प्रत्येक स्कूल में करीब 34 छात्र थे। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) पर 30:1 और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) पर 35:1 का छात्र-शिक्षक अनुपात अनिवार्य करता है।

देश में सबसे अधिक 'एकल-शिक्षक' वाले स्कूल आंध्र प्रदेश में हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। हालांकि, एकल शिक्षक वाले स्कूलों में छात्रों के नामांकन के मामले में उत्तर प्रदेश इस सूची में शीर्ष पर है। उसके बाद झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश का स्थान है। एकल शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या 2022-23 के 1,18,190 से घटकर 2023-24 में 1,10,971 हो गई, जो लगभग छह प्रतिशत की गिरावट है।

शिक्षकों की तैनाती का किया जा रहा प्रयास

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार स्कूलों के विलय और स्कूलों के एकीकरण, जिसे अक्सर स्कूलों का युक्तिकरण कहा जाता है, के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम संभव उपयोग सुनिश्चित करने पर काम कर रही है। अधिकारी ने कहा कि एकल शिक्षक वाले स्कूल शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करते हैं और इसलिए शिक्षकों की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शून्य छात्र नामांकन वाले स्कूलों से एकल शिक्षक वाले स्कूलों में शिक्षकों को फिर से तैनात करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

सेशेल्स: पैट्रिक हर्मिनी होंगे नए राष्ट्रपति

विक्टोरिया। सेशेल्स में विपक्ष के नेता पैट्रिक हर्मिनी ने शनिवार को दूसरे चरण के मतदान में मौजूदा नेता वेवल रामकलावन को हराकर राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया। रविवार तड़के जारी आधिकारिक परिणाम के अनुसार, हर्मिनी को 52 .7 प्रतिशत वोट मिले, जबकि रामकलावन को 47 .3 प्रतिशत वोट मिले। हर्मिनी 'यूनाइटेड सेशेल्स पार्टी' का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने 2020 में सत्ता गंवाने से पहले चार दशकों तक देश का नेतृत्व किया था। रामकलावन ने लिनयोन डेमोक्रेटिक सेसेलवा पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रपति पद के लिए दो सप्ताह पूर्व हुए मतदान में कोई स्पष्ट विजेता नहीं मिलने के बाद दूसरे चरण का मुकाबला हुआ था जिसमें मुख्य दावेदार रामकलावन और हर्मिनी थे।

सूडान : ड्रोन हमलों में 60 से ज्यादा की मौत

खार्तूम। पश्चिमी सूडान के एल फशर शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स की ओर से ड्रोन हमलों में शनिवार को 60 से ज्यादा नागरिक मारे गए। एल फशर में प्रतिरोध समितियों के समन्वय ने एक बयान में कहा कि दार अल-अरक़म आश्रय स्थल को एक रणनीतिक ड्रोन और आठ से ज्यादा आग लगाने वाले बमों से निशाना बनाया गया, जिससे शवों के ढेर ऐसे बिखरे पड़े थे जिसका वर्णन करना मुश्किल है। एक चिकित्सा सूत्र ने बताया कि आरएसएफ ने सुबह दार अल-अरक़म आश्रय स्थल और ओमदुरमान इस्लामिक विश्वविद्यालय पर व्यवस्थित ड्रोन हमले किए, जिसमें बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित 30 से ज्यादा नागरिक मारे गए।

चीनी दल ने फिलीपींस के जहाज को टक्कर मारी

मनीला। चीनी तट रक्षक के एक जहाज ने रविवार को विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपीनी निवासियों के एक द्वीप के पास लंगर डाले फिलीपींस सरकार के एक जहाज पर पहले तो जोरदार पानी की बौछार की और फिर उसे टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। हालांकि इस घटना में फिलीपींस के मछुआरों को सहायता प्रदान करने वाले मत्स्य बेड़े का हिस्सा रहे 'बीआरपी दातु पगबुया' जहाज के फिलीपीनी चालक दल के सदस्यों में से किसी को भी चोट नहीं आई। मनीला, बीजिंग और चार अन्य देशों के बीच लंबे समय से जारी क्षेत्रीय विवादों के बीच ताजा घटना में चीन के तट रक्षक बल ने फिलीपींस के कब्जे वाले थिटू द्वीप के पास पगबुया को निशाना बनाया।

नेपाल: सोने की तस्करी में पकड़े गए प्रतिनिधि सभा के पूर्व अध्यक्ष महरा

कांठमांडू, एजेंसी

● महरा पर 8.5 करोड़ के सोने की तस्करी में लिप्त होने का है आरोप

नेपाल के प्रतिनिधि सभा के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण बहादुर महरा को सोने की तस्करी में कथित संलिप्तता को लेकर रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

नेपाल पुलिस के अनुसार, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के 67 वर्षीय उपाध्यक्ष को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने ललितपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि महरा को 8.55 करोड़ नेपाली रुपये मूल्य का सोना बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जिसे तीन साल पहले त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर रखा गया था। तब दुबई से आ रहे एक चीनी नागरिक को काठमांडू हवाई अड्डे पर इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के अंदर छिपाकर सोने की तस्करी करने पर गिरफ्तार किया गया था। महरा को उस वक्त बाजार में सोना बेचने में आपराधिक गिरोहों और हवाई अड्डा के कुछ अधिकारियों की मदद में लिप्त पाया गया था। प्रतिनिधि सभा भारतीय लोकसभा की तरह नेपाल में संसद का निचला सदन होती है।

महाशक्तियों के बीच गहराता शीतयुद्ध

चीन और अमेरिका

विश्व की दो सबसे बड़ी महाशक्ति चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के मुख्य कारण तकनीकी और आर्थिक प्रतिस्पर्धा के साथ चीन की सैन्य शक्ति में वृद्धि है। चीन का दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण है। माना जा रहा है कि चीन ने तकनीकी वर्चस्व पर अमेरिका के नियंत्रण को रोकने के लिए ही दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर सख्ती बढ़ाई है, क्योंकि इन खनिजों का उपयोग उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। इसी वजह से व्यापार युद्ध में एक-दूसरे पर पहले से हावी होने की कोशिश कर रहे इन दोनों देशों के बीच एकाएक टकराव और बढ़ गया है। दुनिया में दुर्लभ खनिजों के उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है और उसने इसके निर्यात पर सख्ती बढ़ाई है। अमेरिका ने जवाब में चीन पर 100% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है जिसका चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। इस नए टकराव ने वैश्विक अनिश्चितता को और बढ़ा दिया है।

दुर्लभ खनिजों पर सख्ती क्यों

- चीन ने इन खनिजों के निर्यात पर सख्ती इसलिए बढ़ाई है ताकि वह अपनी भूराजनीतिक शक्ति बढ़ा सके और अमेरिका जैसे देशों पर दबाव डाल सके।
- यह जवाबी कार्रवाई भी है। अमेरिका ने चीन की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए तो चीन ने महत्वपूर्ण खनिजों का निर्यात नियंत्रित करके दबाव बनाया।
- चीन का तर्क है कि ये खनिज सैन्य और नागरिक उपयोग दोनों तरह के उत्पादों में इस्तेमाल होते हैं। अमेरिका इनका सैन्य इस्तेमाल ज्यादा कर रहा है।
- चीन खनन से होने वाले प्रदूषण और पर्यावरणीय नुकसान को कम करने का हवाला भी दे रहा है। हालांकि इसे उसका बहाना माना जा रहा है।

उत्पादन की स्थिति

- दुर्लभ खनिजों के उत्पादन पर हावी चीन वैश्विक उत्पादन के 61% का खनन करता है और विश्व के 92% से अधिक प्रसंस्करण को नियंत्रित करता है।
- हालांकि कुछ अन्य देशों में भी दुर्लभ खनिजों के भंडार हैं। अमेरिका के माउंटेन पास में एक खदान है, लेकिन यह वैश्विक मांग को पूरा नहीं कर सकती।
- दुर्लभ खनिजों पर चीन की एकाधिकार जैसी स्थिति ने वैश्विक आपूर्ति शृंखला को बहुत कमजोर बना दिया है, इस कारण दुनिया चीन पर निर्भर हो गई है।

चीन पर असर : भारी टैरिफ के कारण विदेशी कंपनियां चीन में निवेश करने से हिचकिचाएंगी।

तनाव के मुख्य कारण

- तकनीकी प्रतिस्पर्धा सबसे प्रमुख, दोनों देश सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य हाईटेक क्षेत्रों में वर्चस्व के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।
- आर्थिक प्रतिस्पर्धा के चलते अमेरिका चीन के बड़े व्यापार घाटे से चिंतित है और टैरिफ लगाकर चीन के निर्यात को काबू करने का प्रयास कर रहा है।
- अमेरिका की सुरक्षा चिंताएं भी एक कारण है। चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति और उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड को लेकर अमेरिका की चिंता बढ़ रही है।

टकराव का दुनिया पर असर

- दुनिया की अर्थव्यवस्था इन दोनों देशों पर बहुत निर्भर है। इस टकराव से वैश्विक आपूर्ति शृंखला में बड़े व्यवधान आ सकते हैं, जिससे कई उद्योगों पर बुरा असर पड़ेगा।
- व्यापार युद्ध से वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास पर असर पड़ सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में स्थिरता खत्म हो सकती है।
- निवेश में बदलाव की भी संभावना बढ़ेगी। कंपनियां स्वाभाविक रूप से निर्भरता कम करने के लिए चीन से बाहर वैकल्पिक उत्पादन स्थलों की तलाश करेंगी।

भारत के लिए संकेत

- भारत के लिए यह एक अवसर हो सकता है क्योंकि अमेरिका समेत कई देश चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक आपूर्ति शृंखला तलाश रहे हैं।
- भारत-अमेरिका हिंद महासागर में चीन की बढ़ती शक्ति का मुकाबला करना चाहते हैं। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने का मौका मिलेगा।

गाजा युद्ध: मिस्र में हो रही शांति वार्ता में भाग लेने को भारत को भी निमंत्रण

ट्रंप और अब्देल फतेह करेंगे अध्यक्षता, यूएन महासचिव गुटेरेस भी लेंगे हिस्सा

काहिरा, एजेंसी

युद्धविराम समझौता लागू होने के बाद गाजा में घरों को लौटते फिलिस्तीनी।

इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए मिस्र में सोमवार को आयोजित हो रहे शांति सम्मेलन में भारत सहित करीब 20 देशों और गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है। गाजा पट्टी में शांति लाने के मकसद से मिस्र के मशहूर पर्यटक स्थल शर्म-अल-शेख में सोमवार को होने जा रहे इस शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी न्योता भेजा गया है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के मुताबिक इस बेहद महत्वपूर्ण सम्मेलन में आमंत्रित किए गए देशों में भारत का नाम भी शामिल है। उसने सीसी के कार्यालय के हवाले से बताया कि यह शिखर सम्मेलन क्षेत्र में शांति के लिए ट्रंप के नजरिए और वैश्विक संघर्षों को खत्म करने की उनकी लगातार की जा रही कोशिशों के अनुरूप है। इसका मकसद गाजा में चल रही जंग को खत्म करना, पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय सहयोग एवं सुरक्षा का एक नया अध्याय शुरू करना है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने बताया कि शिखर सम्मेलन में गाजा में युद्ध समाप्त करने संबंधी एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस शिखर सम्मेलन को 'शर्म अल-शेख शांति शिखर सम्मेलन-गाजा में युद्ध की समाप्ति के लिए समझौता' नाम दिया गया है। गुटेरेस के कार्यालय ने उनके इसमें भाग लेने की पुष्टि की है।

वार्ता के बाद हस्ताक्षर समारोह

ब्रिटेन सरकार का कहना है कि इस शिखर सम्मेलन में गाजा शांति योजना पर एक 'हस्ताक्षर समारोह' भी शामिल होगा, जो दो साल के संघर्ष और रक्तपात के बाद इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ होगा। यह शिखर सम्मेलन हाल के दिनों में शर्म अल-शेख में गहन परोक्ष वार्ता के बाद इजराइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम और कैदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति के बाद हो रहा है। बीते दो साल से चल रही इस जंग में 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

कई यूरोपीय नेता होंगे शामिल, भारत की ओर से जाएंगे कीर्तिवर्धन सिंह

इस सम्मेलन में अरब, मुस्लिम, एशियाई और यूरोपीय देशों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। उनके अलावा कई यूरोपीय नेताओं ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मिस्र आने की पुष्टि कर दी है। इनमें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी उपस्थित रह सकते हैं। इनके अलावा ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन, जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय, बहरीन के किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। भारत की ओर से विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

क्या होगा आगे... कैदियों को रिहा करेगा हमास निरस्त्रीकरण और शासन पर जारी रहेगी वार्ता

इजराइली रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप की योजना के मुताबिक समझौते की शर्तों के तहत इजराइली सेना ने गाजा के अंदर एक हद तक अपनी वापसी पूरी कर ली है। अगले तीन दिनों में हमास को अभी भी बंद सभी 48 कैदियों को रिहा करना होगा, जिनमें से लगभग 20 के जीवित होने का अनुमान है। उम्मीद है कि इजराइल और हमास ट्रंप की योजना के अगले चरणों पर चर्चा जारी रखेंगे, जिसमें हमास निरस्त्रीकरण, युद्धोत्तर प्रशासन और नए संघर्ष को रोकने के लिए सुरक्षा गारंटी जैसे विवादास्पद मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस बीच युद्धविराम जारी रहेगा।

सबसे बड़ी नौका दौड़

इटली की ट्राइस्टे की खाड़ी में रविवार को हजारों लोगों ने पारंपरिक बारकोलाना रेगाटा में भाग लिया। यह दुनिया की सबसे बड़ी नौका दौड़ है जो हर साल अक्टूबर में होती है। इसे एक बड़े समुद्री उत्सव की तरह संगीत और मनोरंजन के साथ मनाया जाता है।

मिस्र में हुई कार दुर्घटना में कतर के तीन राजनयिकों की मौत

काहिरा। मिस्र के लाल सागर स्थित शर्म अल शेख में रिसॉर्ट जाते समय शनिवार को एक कार दुर्घटना में कतर के तीन राजनयिकों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि शर्म अल-शेख से लगभग 50 किमी दूर एक वाहन के पलट जाने से दो अन्य राजनयिक घायल हो गए। कतर की प्रोटोकॉल टीम के ये राजनयिक हमास और इजराइल के बीच युद्ध विराम होने का जश्न मनाने शहर जा रहे थे। कतर ने मिस्र और अमेरिका के साथ मिलकर मध्यस्थता की थी। तुर्किये भी शर्म अल-शेख में हुई वार्ता में शामिल हुआ था। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता लागू होने के बाद बंधकों और सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया गया।

चीन की अमेरिका को चेतावनी, 100% टैरिफ का कड़ा जवाब देंगे

बीजिंग, एजेंसी

● कहा- टैरिफ की धमकी देकर चीन के साथ नहीं बैठ सकता तालमेल

चीन ने दुर्लभ खनिज और ऐसी दूसरी वस्तुओं के निर्यात पर अंकुश से जुड़े फैसले का बचाव करते हुए इसे वैश्विक शांति की रक्षा के लिए एक वैध कदम बताया है, साथ ही अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी निर्यात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अपनी धमकी पर कायम रहते हैं तो वह इसका ठोस जवाब देगा।

चीन ने बृहस्पतिवार को दुर्लभ खनिज, लिथियम बैटरी और दुर्लभ खनिज आधारित सामग्री के खनन व प्रसंस्करण से संबंधित तकनीकों और उपकरणों के निर्यात पर नयी पाबंदियों की घोषणा की थी। तत्काल प्रभावी हुईं इन पाबंदियों के दायरे में उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विदेशी हस्तांतरण भी आता है। बीजिंग ने कहा कि यह निर्णय इस चिंता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है कि कुछ विदेशी कंपनियां सैन्य उद्देश्यों के लिए चीन से प्राप्त सामग्रियों का उपयोग कर रही हैं। चीन के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है, जिसके बाद दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध फिर से शुरू हो गया।

गलत रास्ता छोड़े और वार्ता से दूर करे मतभेद

चीन ने कहा, हम व्यापार युद्ध से नहीं डरते। अमेरिका अपनी गलत प्रथाओं को तुरंत सुधारे और दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच फोन कॉल के दौरान बनी महत्वपूर्ण सहमति का पालन करे और वार्ता और पारस्परिक सम्मान एवं समान परामर्श के माध्यम से व्यापार मतभेदों को हल करे। बयान में कहा गया, अगर अमेरिका गलत रास्ते पर जाने पर अड़ा रहता है तो चीन निश्चित रूप से अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा।

ट्रंप की धमकी से जुड़े एक प्रश्न का उत्तर देते हुए चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में अमेरिका पर राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा को बढ़ाचढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। कहा, जानबूझकर भारी टैरिफ लगाने की धमकी देना चीन के साथ तालमेल बिठाने का सही तरीका नहीं है।

ट्रंप का आदेश, जितना भी पैसा है उससे पहले सैनिकों को दें वेतन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह सरकारी वित्त पोषण रुकने के कारण हुए 'शटडाउन' के बावजूद अमेरिकी सैनिकों को बुधवार को वेतन देने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करे।

ट्रंप ने कहा कि यह एक अल्पकालिक उपाय है जो उन लाखों संघीय कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें छुट्टी पर भेज दिया गया है। राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह इसलिए कदम उठा रहे हैं क्योंकि हमारे बहादुर सैनिकों को निर्धारित 15 अक्टूबर को उनका वेतन नहीं मिल पाएगा। ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह कमांडर-इन-चीफ के रूप में अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को 15 अक्टूबर को सैनिकों को वेतन दिलाने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करने का निर्देश दे रहे हैं।

यूक्रेन की पावर ग्रिड पर रूस ने फिर किया हमला

सर्दी से पहले यूक्रेन का ऊर्जा ढांचा ठप करने के अभियान के तहत बनाया निशाना

कीव, एजेंसी

जेलेंस्की ने की रूसी तेल के खरीदारों पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने 'एक्स' पर लिखा, रूस हमारे शहरों और समुदायों के खिलाफ अपना हवाई आतंक जारी रखे हुए है, हमारे ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले तेज कर रहा है। कहा, रूस ने पिछले सप्ताह यूक्रेन के खिलाफ 3,100 से अधिक ड्रोन, 92 मिसाइलें और लगभग 1,360 ग्लाइड बम दागे हैं। ज़ेलेंस्की ने रूसी तेल के खरीदारों पर और कड़े प्रतिबंध लगाने का भी आह्वान किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, रूसी तेल के खरीदार जो इस युद्ध को वित्तपोषित करते हैं, उनके के खिलाफ प्रतिबंध, टैरिफ और संयुक्त कार्रवाई, सभी मुद्दों पर बातचीत जारी रहनी चाहिए।

रूस ने रविवार रात यूक्रेन की पावर ग्रिड पर हमला किया ताकि सर्दियों से पहले यूक्रेनी ऊर्जा बुनियादी ढांचे को ठप कर दिया जाए। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब मॉस्को अमेरिका की ओर से यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दिए जाने की संभावना पर गहरी चिंता जता चुका है।

कीव के क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाश्निक ने कहा कि क्षेत्र में एक सबस्टेशन पर रूसी हमलों में यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके के दो कर्मचारी घायल हो गए। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि डोनेट्स्क, ओडेसा और चेर्निहीव क्षेत्रों में भी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया। ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि उन्होंने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइल उपलब्ध कराने के बारे में एक तरह से निर्णय ले लिया है, हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। यूक्रेन का एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह अमेरिका की यात्रा करने वाला है।

इस बीच, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने एक टिप्पणी में कहा, टॉमहॉक का विषय बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, यह वाकई एक बहुत नाटकीय क्षण है क्योंकि हर तरफ से तनाव बढ़ रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी एवं बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने भी रविवार को कहा कि उन्हें संदेह है कि अमेरिका यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें देगा। मुझे लगता है कि हमें शांत रहने की जरूरत है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 13 अक्टूबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 12 .24 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

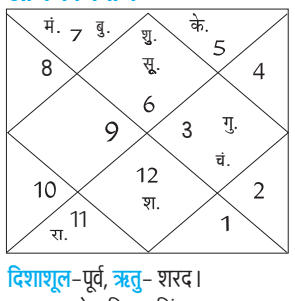

दिशाशूल-पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- आर्द्रा 12 .26 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज नए मित्र बन सकते हैं। अपनी भावी योजनाओं को लेकर थोड़े कन्फ्यूज हो सकते हैं। धार्मिक यात्रा विशेष रूप से सुखद रहेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति विश्वास बनाए रखें। व्यापार में उन्नति के अवसर मिलेंगे।

वृष — आज अपने व्यक्तिगत कार्यों को अत्यधिक महत्व देंगे। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करने के लिए दिन उत्तम है। किसी महत्वपूर्ण बात को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। परिजनों के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

मिथुन — आज व्यवसाय को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। धन लाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। विदेश से जॉब के अवसर मिलने की संभावना है। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका दायरा मजबूत होगा।

कर्क — आज आपके ऊपर अत्यधिक जिम्मेदारियां रहेंगी। व्यवसाय में अपने खर्चों पर नियंत्रण करने का दबाव रहेगा। अपने व्यवहार में लचीलापन बनाए रखें। वैवाहिक जीवन में थोड़ी उथल-पुथल होने की संभावना है।

सिंह — आज दिन का शुरुआती भाग आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। आपके ऊपर पुराने ऋण को चुकाने का दबाव हो सकता है। आप कुछ नया सीखने को लेकर प्रेरित रहेंगे। संपत्ति के क्रय-विक्रय से बेहतरीन लाभ मिलेगा।

कन्या — आज गुप्त शत्रुओं की वजह से कुछ समस्या हो सकती है। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। दूसरों के झगड़ों में मध्यस्थता न करें। कारोबार में आपको बड़ा लाभ हो सकता है। प्रबंधन से जुड़े लोगों का काम बढ़ने वाला है।

तुला — आज महिलाओं का स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है। विद्यार्थियों को शिक्षा में शिक्षकों का सहयोग मिलेगा। संतान का व्यवहार आपके प्रति काफी अच्छा रहेगा। उच्च अधिकारियों से आपको बड़ा लाभ हो सकता है। प्रेम संबंधों का भरपूर आनंद लेंगे।

वृश्चिक — आज आपके आत्मविश्वास और आत्मबल में वृद्धि होगी। मेहनत के बल पर आपको सफलता मिलेगी। वैवाहिक जीवन में तनाव होने की संभावना है। आपको कुछ कार्य ऐसे करने पड़ सकते हैं, जिनकी आपको अपेक्षा भी नहीं थी।

धनु — आज शाम को आपके कुछ काम बिगड़ सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आप जिनके साथ अच्छा करें वही आपको महत्व न दें। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। नजदीकी व्यक्तियों के साथ किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

मकर — आज लोन से जुड़े हुए अटके काम शुरू हो सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत करने के लिए दिन बहुत अच्छा है। विपरीत परिस्थितियों में फंसे लोगों की सहायता कर सकते हैं। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कुंभ — आज विवादों का समाधान निकल सकता है। अपने निर्णयों को दूसरों पर आरोपित न करें। किसी को उधार धन न दें। बेरोजगार लोगों को अपनी जॉब की चिंता हो सकती है। उच्च पदासीन लोगों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मीन — आज आयात-निर्यात के कारोबार में तेजी आएगी। नौकरी में अधिकारी वर्ग आपकी अनदेखी कर सकते हैं। अपनी जीवनशैली को सुधारने के लिए धन खर्च करेंगे। साहित्य और लेखन की दिशा में आपकी रुचि बढ़ सकती है।

सुडोकू-128

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

8				1	5			6
		2		3	7		5	
	1					3	2	
	9		8			5		
		6				4		
		7			2		1	
	3						8	
	2		1	6				
4	7							3

सुडोकू - 127 का हल

6	3	7	9	4	2	5	8	1
8	5	4	7	6	1	9	3	2
1	2	9	5	8	3	4	6	7
9	6	3	4	7	8	2	1	5
5	8	1	3	2	9	7	4	6
7	4	2	1	5	6	8	9	3
2	9	6	8	1	7	3	5	4
4	1	8	2	3	5	6	7	9
3	7	5	6	9	4	1	2	8

एसीए वीडीसीए स्टेडियम में मेरे नाम पर एक स्टैंड होना गर्व की बात है। मैं आंध्र प्रदेश सरकार और आंध्र प्रदेश क्रिकेट संघ को धन्यवाद देती हूं। विशाखापत्तनम का मेरे दिल में विशेष स्थान है, जहां मैने खेल को सीखने, अपने कौशल को निखारने के लिए घंटो मेहनत की है।
-पूर्व कप्तान मिताली राज

स्टेडियम

हल्द्वानी, सोमवार 13 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

हमें मैच को पांचवें दिन तक खींचना होगा: पियरे

नई दिल्ली : दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के शुरुआती तीन दिन तक पिच ज्यादातर बल्लेबाजों के लिए मददगार रही है। ऐसे में वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर खारी पियरे को उम्मीद है कि उनकी टीम के पास मैच को पांचवें दिन तक ले जाने का मौका है। पियरे ने कहा मुझे लगता है कि पिच अभी भी अच्छी है, कभी-कभी गेंद स्पिन हो रही है। पियरे ने भारतीय स्पिनरों को विकेट लेने में हो रही परेशानी का जिक्र करते हुए कहा अगर पिच ऐसे ही बनी रही, तो हमारे बल्लेबाजों को टिकने और रन बनाने का भरपूर मौका मिलेगा। हम पांचवें दिन तक मैच खींच सकते हैं।अभी यह बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच है, लेकिन जैसे ही हम चौथे दिन के अंतिम सत्र या पांचवें दिन पहुंचेंगे, मुझे लगता है कि पिच काफी टूटेगी, गेंद नीची रहेगी और थोड़ा ज्यादा स्पिन भी करेगी।

पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो गई : डोएशे

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्वीकार किया कि पिच के धीमा होने से बल्लेबाजी आसान हो गई है, जिससे भारतीय स्पिनरों को चौथे दिन काफी मेहनत करनी पड़ेगी। भारत ने रविवार को वेस्टइंडीज को फालोऑन खेलने पर मजबूर किया, पर जॉन कैंपबेल और शाई होप ने भारतीय स्पिनरों का डटकर सामना करते हुए दूसरी पारी को मजबूती दी। हमें लगा था कि पिच धीरे-धीरे और खराब होती जाएगी और दिन के अंत तक बल्लेबाजों के लिए मुश्किल बढ़ जायेगी पर ऐसा लग रहा है कि यह और भी धीमी हो गई है। गेंदबाजों के लिए अब गति हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

फॉलोऑन के बाद कैंपबेल और होप ने वेस्टइंडीज को संभाला

पारी की हार से बचने के लिए अभी 97 रन और बनाने होंगे, आज परिणाम आने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल और शाई होप के अर्धशतकों के साथ दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 138 रन की अटूट साझेदारी के दम पर वेस्टइंडीज की टीम भारत के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच को चौथे दिन खींचने में सफल रही।

वेस्टइंडीज फालोऑन मिलने के बाद रविवार को तीसरे दिन स्टंप्स तब अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 173 रन बना लिए। टीम को पारी की हार से बचने के लिए अभी और 97 बनाने होंगे। स्टंप्स के समय कैंपबेल 87 और होप 66 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। मैच में भारत का पलड़ा अब भी काफी भारी है लेकिन कैंपबेल की आत्मविश्वास से भरी पारी से दिन का तीसरा सत्र वेस्टइंडीज के नाम रहा। यह पूरी श्रृंखला का पहला ऐसा सत्र है जो वेस्टइंडीज के नाम रहा।

कैंपबेल ने 145 गेंद की पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाये। खासकर कुलदीप यादव के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाया। उनकी और होप की साझेदारी से वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का न्यूजीलैंड के आगामी दौरे से पहले हौसला बढ़ेगा। इससे पहले शुरुआती दो सत्र में कुलदीप ने अपनी कलात्मकता का नजारा पेश करते हुए पांच विकेट झटककर वेस्टइंडीज की पहली पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज ने दिन की शुरुआत पहली पारी में चार विकेट पर 140 रन से की लेकिन आधे घंटे के खेल के बाद कुलदीप ने शानदार गेंद पर शाई होप (36) को बोल्ड कर भारत के दबदबे को मजबूत किया। वेस्टइंडीज की पहली पारी 81.5 ओवर में 248 रन पर सिमटी।

पहली पारी में 270 रन की बढ़त होने के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज को फालोऑन करने को कहा। चाय के विश्राम से पहले मोहम्मद सिराज ने सपाट पिच पर तेगनारायण चंद्रपॉल (10) को और एक तेज शॉर्ट गेंद फेंकी, जो अपने पुल-शॉट पर नियंत्रण नहीं रख पाए। कप्तान शुभमन गिल ने डाइव लगाकर कैच लपक कर उनकी पारी का अंत किया।

एलिस अथानजे (सात) को वाशिंगटन सुंदर ने एक बेहतरीन ऑफ स्पिन लेती गेंद पर आउट किया। दूसरे सत्र की शुरुआत में जसप्रीत बुमराह ने खारी पियरे को बोल्ड कर मैच में पहली सफलता हासिल की। इसके बाद कुलदीप ने जेडेन सील्स को पगबाधा कर टेस्ट करियर के 15वें टेस्ट में पांचवीं बार पांच विकेट पूरे किये। दिन के शुरुआती सत्र में कुलदीप ने अपनी फिरकी के जादू से वेस्टइंडीज के मध्यक्रम को झकझोर दिया।

वेस्टइंडीज के जॉन कैंपबेल और शाई होप ने तीसरे दिन हार टाल दी। एजेंसी

वेस्टइंडीज

173/2 (दूसरी पारी) (49 ओवर)

जॉन कैंपबेल खेल रहे हैं	87
तेगनारायण का गिल बो सिराज	10
एलिस अथानजे बो सुंदर	07
शाई होप खेल रहे हैं	66

गेंदबाजी : सिराज 6-2-10-1, जडेजा 14-3-52-0, वाशिंगटन 13-3-44-1, कुलदीप 11-0-53-0, बुमराह 4-2-9-0, जायसवाल 1-0-3-0

जेडेन सील्स पर जुर्माना लगा

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स को भारत के खिलाफ यहां खेल जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन आईसीसी के लेवल एक आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया है। यह घटना शुक्रवार को भारत की पहली पारी के 29वें ओवर में घटी जब सील्स ने गेंदबाजी करने के बाद गेंद को बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की ओर फेंक दिया जिससे गेंद उनके पैड पर लगी।

कुलदीप ने पांच विकेट लेते ही रचा इतिहास दिग्गजों की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी

कुलदीप यादव जब मैदान पर उतरते हैं, तो बल्लेबाजों के लिए मुसीबतें दूर नहीं होतीं। आज, भारत के बाएं हाथ के कलाई के जादूगर ने दिल्ली टेस्ट के तीसरे दिन अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज को स्तब्ध करते हुए, एक शानदार प्रदर्शन किया। सिर्फ 15 टेस्ट मैचों में, कुलदीप पांच बार पांच विकेट ले चुके हैं, जो दिग्गज जॉनी वार्डल के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेते हैं, हालाँकि वार्डल ने यह कारनामा 28 मैचों में किया था। अब उनके साथ खेलने वाले खिलाड़ी शीर्ष पर हैं, और कुलदीप इसे सम्मान की तरह मानते हैं। निर्णायक क्षण शानदार अंदाज में आया जब जेडन सील्स एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कुलदीप की चतुराई से छिपाई गई गुगली, बल्ले के पास से फिसली, पैड से टकराई और स्टंप्स को चकनाचूर कर गई। सील्स ने रिव्यू लिया, लेकिन रीप्ले से कोई शक नहीं रहा कि वह आउट हो गए। सटीक। निर्दयी। विशुद्ध कलाकारी। उस विकेट ने कुलदीप के पांच विकेट पूरे कर दिए और हर बल्लेबाज को एक कड़ी चेतावनी दे दीः उनका सामना करना एक ऐसी जंग है जिसे आप हल्के में नहीं ले सकते।

15 टेस्ट मैचों में पांच बार पांच विकेट ले चुके हैं

19 वनडे मैचों में, 27.3 के स्ट्राइक रेट से लिए 33 विकेट

सभी फॉर्मेट में है शानदार रिकॉर्ड

सभी फॉर्मेट में, कुलदीप तूफान की तरह हैं। चार टेस्ट मैचों में, उन्होंने 33.8 के स्ट्राइक रेट से 19 विकेट लिए हैं; 19 वनडे मैचों में, 27.3 के स्ट्राइक रेट से 33 विकेट; और टी20 में, नौ मैचों में 12.7 के स्ट्राइक रेट से 17 विकेट। यह किस्मत नहीं है-यह महारत है, कलात्मकता है, इसका पूरा पैकेज है। वेस्ट इंडीज ने कोशिश की, उन्होंने सचमुच कोशिश की, लेकिन कुलदीप ने उन्हें हर गेंद पर अंदाज़ा लगाने पर मजबूर कर दिया। फ्लाइट, टर्न, छकाना, सब कुछ उनके पास था। स्टेडियम में तालियाँ बजीं, टीम ने तालियाँ बजाईं, और कुलदीप ऐसे चले गए जैसे उन्होंने अभी-अभी यह बयान दिया हो: मैं यहां हूं। मैं घातक हूं। और मैं महान खिलाड़ियों में से एक हूँ। टेस्ट में अब भारत का पलड़ा भारी है, और कुलदीप का यह स्पेल उन प्रदर्शनों में से एक के रूप में याद किया जाएगा जो सिर्फ़ मैच नहीं जिताते, बल्कि करियर भी तय करते हैं।

स्मृति मंधाना।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को तीन विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, एजेंसी

ऐनाबेल सदरलैंड (पांच विकेट) और सोफी मोलिन्यू (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद एलिसा हीली (142) की शतकीय और एलिसा पैरी (नाबाद 47) की पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को महिला एकदिवसीय विश्वकप के मुकाबले में छह गेंदे शेष रहते भारतीय टीम को तीन विकेट से हरा दिया।

331 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए अलिसा हीली और फीबी लिचफिल्ड की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी की। 12वें ओवर में श्री चारणी ने चिलफिल्ड (40) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने बेनी मूथ (चार) और उसके बाद श्री चारणी ऐनाबेल सदरलैंड (शून्य) को आउट कर मैच पर बनाने का प्रयास किया। हालांकि इस दौरान एक छोर थामे अलिसा हीली रन बनाती रही। 39वें ओवर में श्री चारणी ने अलिसा हीली को आउट किया। हीली ने 107 गेंदों में 21 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 147 रनों की पारी खेली। एश्ली गार्डनर (45) को अमनजोत कौर ने बोल्ड आउट किया। तालिया मैक्ग्रा (12) को दीप्ति शर्मा तथा सोफी मोलिन्यू (18) को अमनजोत कौर ने आउटकर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका देकर मैच को रोमांचक बना दिया। इसके बाद चोटिल होकर रिटायर्ड हुई एलिस पेरी मैच को बचाने मैदान में उतरी। 49वें ओवर की आखिरी गेंद पर एलिस पेरी ने छक्का लगाकर ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से जीत दिला दी। पेरी ने 52 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 47) रन बनाये। किम गार्थ 14 रन बनाकर नाबाद रही। भारत के लिए श्री चारणी ने तीन विकेट लिये। अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा को दो-दो विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 155 रनों की शतकीय साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। 25वें ओवर में सोफी मोलिन्यू ने शतक की ओर बढ़ रही स्मृति मंधाना को आउटकर भारत को पहला झटका दिया। स्मृति मंधाना ने 66 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए 80 रनों की पारी खेली। इसके बाद 31वें ओवर में ऐनाबेल सदरलैंड ने प्रतिका रावल 75 को अपना शिकार बना लिया।

रावल ने अपनी पारी में 10चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान हरमनप्रीत कौर (22), हरलीन देओल (38), जेमिमाह रोड्रिग्स (33), रिचा घोष (32) और अमनजोत कौर 16 रन बनाकर आउट हुई। सदरलैंड ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को 48.5 ओवर में 330 के स्कोर पर रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर ऐनाबेल सदरलैंड ने पांच विकेट लिये। सोफी मोलिन्यू को तीन विकेट मिले। मेगन शूट और एश्ली गार्डनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली व एलिसा पैरी ने शानदार पारी खेली। एजेंसी

भारत

330/10 (48.5 ओवर)

प्रतिका का पैरी बो सदरलैंड	75
मंधाना का लिचफील्ड बो मोलिनू	80
हरलीन का सदरलैंड बो मोलिनू	38
हरमनप्रीत का मोलिनू बो शूट	22
जेमिमा का मूनी बो सदरलैंड	33
रिचा घोष का सब बो सदरलैंड	32
अमनजोत का मोलिनू बो गार्डनर	16
दीप्ति शर्मा का मूनी बो मोलिनू	01
स्नेह राणा नाबाद	08
क्रांति गौड़ का सब बो सदरलैंड	01
श्री चरणी बो सदरलैंड	00

गेंदबाजी : किम गार्थ 5-0-35-0, मेगान शूट 6.1-0-37-1, एशले गार्डनर 7-0-40-1, सोफी मोलिनू 10-1-75-3, अनाबेल सदरलैंड 9.5-0-40-5, तहलिया मैकग्रा 4.5-0-43-0, अलाना किंग 6-0-49-0

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	4	3	0	1	7	1.353
इंग्लैंड	3	3	0	0	6	1.864
भारत	4	2	2	0	4	0.682
द.अफ्रीका	3	2	1	0	4	-0.888
न्यूजीलैंड	3	1	2	0	2	-0.245
बांग्लादेश	3	1	2	0	2	-0.357
श्रीलंका	3	0	2	1	1	-1.526
पाकिस्तान	3	0	3	0	0	-1.887

दक्षिण अफ्रीकी टीम जीत की लय जारी रखने उतरेगी

समय अपहान 3:00 बजे से

विशाखापत्तनम : दक्षिण अफ्रीका की टीम लगातार दो जीत से महिला वनडे विश्व कप में अपने अभियान को शानदार अंदाज में पटरी पर लाने के बाद सोमवार को बांग्लादेश के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने की कोशिश करेगी। अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 10 विकेट की करारी हार झेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने न्यूजीलैंड और मेजबान भारत पर दमदार जीत दर्ज कर शानदार वापसी की है। इन दो जीतों से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। टीम अंक तालिका में चौथे (-0.888 के नेट रन रेट के साथ) स्थान पर है।

कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट, मारिजन काप, ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस और अयाबोंगा खाका जैसी खिलाड़ियों से सजी द.अफ्रीका की टीम कागजों पर काफी मजबूत नजर आती है। इंग्लैंड के खिलाफ 69 रनों पर ऑल आउट होने के बाद, उनका शीर्ष क्रम शानदार फॉर्म में है। ब्रिट्स और लुस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।

अरशद नदीम के कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लाहौर : पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच सलमान इकबाल पर रविवार को देश के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया। वह इस संघ के अध्यक्ष हैं।

आजीवन प्रतिबंध के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते और कोचिंग भी नहीं दे सकते हैं और किसी भी स्तर पर कोई पद पर काबिज नहीं हो सकते हैं। पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (पीएएएफ) ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है जो अगस्त में हुए थे। सितंबर में एक जांच समिति का गठन किया गया था, जिसकी सिफारिश पर कार्रवाई की गई।

भारत ने न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर दूसरी जीत दर्ज की

सुल्तान जोहोर कप

जोहोर (मलेशिया), एजेंसी

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर सुल्तान जोहोर कप में अपना अजेय अभियान जारी रखा। भारत के लिए अर्शदीप सिंह (दूसरे मिनट), पीबी सुनील (15वें मिनट), अरिजीत सिंह हुंडल (26वें मिनट) और आर कुमुर (47वें मिनट) ने गोल किए जबकि न्यूजीलैंड के लिए गस नेल्सन (41वें मिनट) और ऐडन मैक्स (52वें मिनट) ने गोल दागे। भारत ने इससे पहले टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में ब्रिटेन को 3-2 से हराया था।

भारत ने पहला गोल शुरुआती क्वार्टर के दूसरे मिनट में कर दिया जिसमें अर्शदीप ने आसान मौके को गोल में बदल दिया। उन्होंने दाईं ओर से सर्कल में तेजी से दौड़ लगाई और शॉट लगाया, लेकिन शुरुआत में न्यूजीलैंड के गोलकीपर ने इसे बचा लिया लेकिन वह रिबाउंड पर गोल करने में कामयाब रहे। क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जब ड्रैगफ्लिकर और कप्तान रोहित ने गेंद सुनील को पास की और सुनील ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक बेहतरीन वैरिएशन से गोल कर दिया। भारत को दूसरे क्वार्टर में एक मौका तब मिला जब सर्कल में अरिजीत ने तेजी से घूमकर गोल पर एक सफल शॉट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया। न्यूजीलैंड ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर में नेल्सन की बदौलत 41वें मिनट में खाता खोला। आर कुमुर ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को अंतिम क्वार्टर में 4-1 की बढ़त दिला दी।

एआईएफएफ ने दो विवादास्पद अनुच्छेदों को नहीं अपनाया

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को अपनी विशेष आम सभा (एसजीएम) की बैठक में उच्चतम न्यायालय द्वारा मंजूर किए संविधान को अपनाया, लेकिन दो विवादास्पद अनुच्छेदों को छोड़ दिया है जो शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित हैं।

उच्चतम न्यायालय ने 19 सितंबर को न्यायाधीश एल नागेश्वर राव द्वारा तैयार किए गए एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दे दी थी और महासंघ को इसे चार हफ्तों के भीतर अपनाने का निर्देश दिया था। लेकिन संविधान के मसौदे के दो अनुच्छेद शीर्ष अधिकारियों के लिए सिरदर्द बन गए थे और एआईएफएफ ने इन दो नियमों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया।

दिल्ली हॉफ मैराथन | दोनों विजेताओं को 27,000 डॉलर का पुरस्कार मिला

कीनिया के मटाटा और रेंगरुक बने चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हॉफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं। पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे।

मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा। दोनों विजेताओं को 27,000 डॉलर का पुरस्कार मिला। रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता के दूत और नौ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कार्ल लुईस ने समापन रेखा पर विजेताओं का स्वागत किया। हॉफ मैराथन, ओपन 10के चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन सीनियर सिटीजन रन और ग्रेट दिल्ली रन सहित विभिन्न श्रेणियों में 40,000 से अधिक धावकों ने दिल्ली की सड़कों पर दौड़ लगाई। मटाटा ने दौड़ की शुरुआत से दबदबा कायम करते हुए इथोपिया के टेशागर और हमवतन किपकोगी को आसानी से पछाड़ा।

दिल्ली हॉफ मैराथन में पुरुषों की एलीट ओवरऑल श्रेणी की दौड़ में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाले धावक केन्याई एलेक्स मटाटा (बीच में), इथियोपिया के बोयेलिन टेशगर (दाएं) और उनके पूर्व हमवतन जेम्स की पकोगी। एजेंसी

भारतीयों में अभिषेक और सीमा विजयी

नई दिल्ली : अभिषेक पाल ने रविवार को वेदांता दिल्ली हॉफ मैराथन में तीसरी बार जीत हासिल की, जबकि सीमा ने अपने पहले ही मुकाबले में प्रभावित किया। इंडियन एलीट प्रतियोगिता में अनुभव और उभरती प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ, जहां अभिषेक पाल और सीमा ने 4,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। पाल ने पुरुषों की दौड़ में 1:04:17 का समय लेकर जीत हासिल की, जबकि सीमा ने महिलाओं के वर्ग में 1:11:23 का समय लेकर आसानी से जीत हासिल की। यह जीत अभिषेक की दिल्ली हाफ मैराथन में तीसरी जीत थी, जबकि सीमा ने अपने पदार्पण में ही बाजी मारी।